



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 52] नई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 29, 1979 (पौष 8, 1901)  
No. 52] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 29, 1979 (PAUSA 8, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च स्थायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

##### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 नवम्बर, 1979

सं. ए० 32013/2/77-प्रशा० I (i)—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबंध अधिसूचना दिनांक 20 जुलाई, 1979 के प्रतुक्तम में श्री राजावाणी महा-निदेशालय में सहायक योजना अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन अवर सचिव श्री वी० एन० वैद्यनाथन को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (कर्मचारी) विनियमावली 1958 के विनियम 4 के प्रत्यक्तके अनुसार 21 अक्टूबर, 1979 से आगमी प्रादेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं. ए० 32013/2/79-प्रशा० I (ii)—संघ लोक सेवा आयोग की समसंबंध अधिसूचना दिनांक 20 जुलाई, 1979 के प्रतुक्तम में रालीट क्लेवीथ इंजीनियरी कॉलेज, कालीकट में लेन्चर प्रौद्योगिकी विभाग के कार्यालय में स्थानापन अवर सचिव डॉ अर० भास्करन को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा

आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (कर्मचारी) विनियमावली, 1958 के विनियम 4 के प्रत्यक्तके अनुसार 21 अक्टूबर, 1979 के प्रत्यक्त से श्रागमी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,

अवर सचिव

क्लेवीथ इंजीनियरी

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 नवम्बर, 1979

सं. ए० 32011/1/79-प्रशा० I—इस कार्यालय की समसंबंध अधिसूचना दिनांक 19-3-79 में श्रागमी आदेशाधार करते हुए श्री अर० एल० ठाकुर को, जिन्हें 6-1-79 से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (स० स० स्ट० स० का. मैड ए०) की व्यवस्था सूची में अनंतिम रूप से समिलित किया गया था, कार्मसुख और प्रशासनिक सुधार विभाग के पत्र सं. 36031/271/79-रथा० (एस० सी० टी०) दिनांक 8-11-79 द्वारा अनुमति जाति के लिए आवश्यक रिक्तियों को अनारक्षित करने के लिए सरकार का अनुमोदन हो जाने के परिणामस्वरूप 6-1-79 से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक की उसी व्यवस्था सूची में नियमित आवश्यक पर समिलित किया जाता है।

दिनांक 27 नवम्बर 1979

सं० ए० 32013/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी ग्रेड-I अधिकारी तथा उसी संवर्ग में अवधि सचिव के रूप में कार्यरत श्री बी० दासगुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 3 अक्टूबर, 1979 से 23 नवम्बर, 1979 तक की अवधि के लिए, सेवा आयोगी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग कार्यालय में के० स० से० के चयन ग्रेड में तदर्थ आधार पर संभाला जाएगा के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचंद्रन,  
अवर सचिव (प्रशा०)  
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय  
का० एवं० प्र० सु० प्रभाग  
केन्द्रीय अन्वेषण द्वारा  
नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० ए-35018/15/79-प्रशा०सन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री सोमेन राय, पुलिस उप-निरीक्षक, आई० बी० पश्चिम बंगाल की दिनांक 7 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण द्वारा के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, समान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता में प्रस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० सा० ग्रोवर,  
प्रशा०सन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण द्वारा

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

सं० ओ० दो० 1038/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ऊजा जैन को 19-11-79 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो० 69/76-स्थापना—कर्नेल एस० डब्ल्यू० सिक्कदर (आई० सी०-2396-एन) इन्फैटी एक स्थल सेना अधिकारी जो कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमाइडेन्ट के पद पर प्रति नियुक्ति था, को 47 दिन सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी दिनांक 15-11-78 से 31-12-78 प्रदान की गई। छुट्टी की समाप्ति पर, कर्नेल सिक्कदर स्थल सेना की सेवा से दिनांक 1 जनवरी पूर्वाह्न से निवृत्त हो गए।

सं० ओ० दो० 1448/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर जगदीश चन्द्र निसहंदरा को 26-11-79 अपराह्न से केवल छः माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित

नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
महायक निदेशक  
(प्रशा०सन)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)  
नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० ए० 11012/1/79-प्रशा०सन—श्री हरिदास सूत्राधर ने समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में अपनी नियुक्ति 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200/- रुपए के वेतनमान पर अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार आगामी आदेश तक दिनांक 16-11-79 के अपराह्न में संभाला।

छद्मपति जोशी,  
निदेशक  
पुलिस दूर संचार

भारत के महापंजीकारका कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 दिसम्बर 1979

सं० 11/41/79-प्रशा०-I-25855—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशा०निक सेवा के राजस्थान संवर्ग की अधिकारी श्रीमती भीना क्षी हूजा को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 17 नवम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उपनिदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्रीमती हूजा का मुख्यालय जयपुर में होगा।

दिनांक 13 दिसम्बर 1979

आदेश

सं० 19/61/76-प्रशा०-I (भाग)—यतः हरियाणा चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में लेखापाल, श्री आई० सी० सेठिया, सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना 6 मई, 1977 से कार्यालय से लगातार अनुपस्थित रहे;

प्रौर यतः इस प्रकार लगातार डब्ल्यूटी से अनुपस्थिति घोर कदाचार है जिससे श्री आई० सी० सेठिया के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई;

प्रौर यतः श्री आई० सी० सेठिया, उनके विरुद्ध बनाए गए आरोप पद सहित सरकारी पदाचार को लेने से बचते रहे;

प्रौर यतः अन्ततः उन्हें तारीख 17-3-1977 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चण्डीगढ़ के माध्यम से तारीख 10-3-1977 के आरोप पद सं० जन-पंजाब 71/308/928 को तामील किया गया;

प्रौर यतः श्री आई० सी० सेठिया के विरुद्ध लगातार अपनी द्व्यूरी से अनुपस्थित रहने और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के कानूनी आदेशों का जानबूझ कर उल्लंघन करने के आरोपों की, केन्द्रीय

सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अधीन) नियम 1965 के अधीन जांच की गई;

और यतः उक्त श्री आई० सी० सेठिया ने कार्यवाही में भाग नहीं लिया अतः लगाए गए आरोपों की एक पक्षीय जांच की गई;

और यतः अधोहस्ताक्षरी ने जांच प्राधिकारी की सिफारिशों को यह दर्ज करते हुए स्वीकार किया कि उक्त श्री आई० सी० सेठिया के विरुद्ध तारीख 6 मई, 1977 से आरोप साखित हुए

और यतः अधोहस्ताक्षरी ने हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के लेखापाल श्री आई० सी० सेठिया की सेवा एं 19-10-1979 से समाप्त कर दी है;

और यतः श्री आई० सी० सेठिया ने डाक प्राधिकारियों से अपनी सेवा समाप्ति के आदेश को लेने से इनकार कर दिया जो कि लिफाफे पर दी गई “10 नवम्बर, 1979 को इनकार किया गया” टिप्पणी के साथ डाक प्राधिकारियों से वापस मिला;

अतः अब अधोहस्ताक्षरी इन परिस्थितियों में इस अधिसूचना के माध्यम से श्री आई० सी० सेठिया को 19-10-1979 से नौकरी से हटाने की घोषणा करते हैं।

पी० पर्यनाम,  
भारत के महापंजीकार

वित्त भन्तालय

आधिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 1 दिसम्बर, 1979

सं० बीएनपी/सी०/5/79—इस कार्यालय की समसंचयक अधिसूचना दिनांक 27-7-79 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री एन० जी० किबे लेखा अधिकारी की नियुक्ति 31-12-79 तक बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में वर्तमान शर्तों के आधार पर बढ़ाई जाती है।

दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की समसंचयक अधिसूचना दिनांक 11-10-79 के अनुक्रम में श्री वी० बेकटरमणी की तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 1-12-79 से आगामी तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम,  
महा प्रबन्धक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1979

सं० ए डी०/4/9220—श्री पी० के० शर्मा, लेखापाल स्थाना-पत्र रूप से दिनांक 30/11/1979 से लेखा अधिकारी के पद पर

वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में तदर्थ आधार पर 6 माह की अवधि के लिए अधेवा पद के नियमित रूप से भरे जाने पर इनमें से जो भी पहले हो नियमित किये जाते हैं।

ओ० प्र० शर्मा,  
परियोजना अधिकारी

सरकारी व्यव आयोग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 दिसम्बर 1979

सं० 1(3)-ए/सी० पी० ई०/79—योजना आयोग से स्थानांतरण होने पर ग्रेड IV के अनुसंधान अधिकारी, श्री के० एल० दत्ता, भारतीय आर्थिक सेवा को 19 नवम्बर, 1979 दोपहर पूर्व से अगला आदेश होने तक, सामान्य प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर भरकारी व्यव आयोग में 1100-50-1600 रुपये के वेतनमान में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जगन्नाथ कौल,  
अवर सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

सं० 2555-सी०एफ० 1/43-70—अपर उप-नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री वी० सेधूराम लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को मूल नियमावली 56(ट)के उपबंध के अधीन तारीख 21-11-79 से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति देंदी है।

एस० एस० ग्रोवर,  
उपनिदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम)

इलाहाबाद, दिनांक 20 नवम्बर, 1979

सं० प्रगासन-1/11-144/अधिसूचना/268—महालेखाकार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इनाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापत्र लेखाधिकारी नियुक्त किया है।

1. अब्दुल मुतलिब	26-10-79 पूर्वाह्न
2. निहार रंजन मुकर्जी	14-11-79 पूर्वाह्न
3. ब्रज भूषण लाल गोड़	14-11-79 पूर्वाह्न

ए० के० बनर्जी,  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश

ग्रालियर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1979

सं० प्रगासन-1/401—श्री शार० डी० सारदाना (01/217) स्थानापत्र, लेखा अधिकारी को, जो महालेखाकार-दिसम्बर

मध्यप्रदेश को आवंटित है, भारत सरकार के गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन क्रमांक-25013/7/77-एस्टे (ए) दिनांक 26-8-78 में निर्धारित शर्तों के अनुसार दिनांक 7-12-79 पूर्वाह्न से शासकीय सेवा से स्वेच्छिक निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

(प्राधिकार:—महालेखाकार-द्वितीय के आदेश दिनांक 4-12-79 व महालेखाकार-प्रथम के आदेश दिनांक 5-12-79)

(ह०) अठनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय

झौ. जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

आईनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकाता, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० 20/79/ए/ई-1 (एन जी) —महानिदेशक, आईनेंस फैक्टरिया, महोदय निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने वर्षाए ग्रेड में और तारीख से, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए वर्तमान रिक्तियों में स्थानापन्न रूप से प्रोत्तत करते हैं:—

1. श्री दूषिकेश दास स्थानापन्न सहायक दिनांक 2-11-79 सहायक स्टाफ अधि- स्टाफ से आगामी आदेश कारी (राजपत्रित ग्रुप अधिकारी (राज- न होने तक 'बी') (तदर्थ आधार पन्नित ग्रुप 'बी') पर)

2. श्री निहार रंजन पाल, —वही— —वही— सहायक स्टाफ अधि- कारी (राजपत्रित ग्रुप 'बी') (तदर्थ आधार पर)

सर्वश्री दास और पाल अपनी प्रोत्तत की तारीख से दो वर्षों तक परखावधि पर रहेंगे।

महानिदेशक, आईनेंस फैक्टरिया महोदय निम्नलिखित अधिकारियों को भी प्रत्येक के सामने वर्षाए ग्रेड में और तारीख से, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए वर्तमान रिक्तियों में तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न रूप से प्रोत्तत करते हैं:—

1. श्री दिनेश चन्द्र दत्ता स्थानापन्न सहायक तारीख 2-11-79 स्थायी सहायक स्टाफ अधिकारी से 3 महीने तक (राजपत्रित ग्रुप 'बी') या सं० लो० से० आ० से नियुक्त अधिकारी तक, जो भी पहले हो।

2. श्री ग्रमल कान्ति शोभ —वही— —वही— स्थायी सहायक

झौ. फौ० चक्रवर्ती, ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रशासन कृते महानिदेशक आईनेंस फैक्टरिया

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मन्त्रालय  
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1979

आयात एवं नियंत्रित व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/833/67-प्रशासन (राज०) /8453—उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, अमृतसर के कार्यालय में, श्री अवतार सिंह नियंत्रक, आयात-निर्यात को सेवा निवृत्ति से पूर्व अवकाश बिताने के बाद 31 अक्टूबर, 1979 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से एचिंचिक निवृत्ति की अनुमति दी जाती है।

सं० एस० आर्य, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1979

सं० 12/236/61-प्रशासन (राज०) —संयुक्त राष्ट्र नियोजन से वापिस लौटने पर श्री एस० नागराजन ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में दिनांक 26 अक्टूबर, 1979 (पूर्वाह्न) से निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पादुका) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 30 नवम्बर 1979

सं० 12 (42)/61-प्रशासन (राजपत्रित) —राष्ट्रपति जी लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में स्थाई निदेशक (ग्रेड-2) (चर्म/पादुका) श्री बी० के० काले को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 अगस्त, 1979 (प्रपराह्न) से सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्ति की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० ए-19018 (457)/79-प्रशासन (राज०) —विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय नई दिल्ली में स्थाई लघु उद्योग संबंधन अधिकारी (आर्थिक अन्वेषण तथा सांख्यिकी) श्री महेश प्रकाश भट्टाचार्य को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) इसी कार्यालय में दिनांक 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक ग्रेड-2 (आर्थिक अन्वेषण) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 विसम्बर 1979

सं० ए-19018/419/79-प्रशासन (राजपत्रित) —राष्ट्रपति जी श्री देवेन्द्र कुमार सिंह को दिनांक 2 नवम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान (शाखा) जम्मू में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (धातुकर्म) नियुक्त करते हैं।

महेश्वर पाल गुप्त,  
उपनिदेशक (प्रशा०)

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग

## महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 10 दिसम्बर 1979

सं० सी०-5578/718-ए—श्री श्रो० एन० कपूर स्थानापन्न अधीक्षक महासर्वेक्षक का कार्यालय, दिनांक 30 नवम्बर 1979 (अपराह्न) से श्री जय प्रकाश शर्मा, स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० के० से० ग्रुप 'बी') के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्य प्रारंभर स्थानापन्न रूप में नियक्त किए जाते हैं।

के० प० ए० खोला, मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक  
(नियुक्ति प्राप्तिकारी)

## राष्ट्रीय एटलस संस्थान

## विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस और थिमेटिक मानचित्रण संगठन  
कलकत्ता, विनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० 29-16/77/स्था०—श्री आर० के० बसाक, स्थायी वरिष्ठ अनुसन्धान महायक राष्ट्रीय-एटलस और थिमेटिक मानचित्रण संगठन में 26 नवम्बर, 1979 पूर्वाह्न से भावी आदेश होने तक शुद्ध अस्थायी और तदर्य रूप में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी-नियक्त किए जाते हैं।

एस० पी० दासगुप्ता,  
निवेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1979

सं० ए० 19019/26/79-के०स०स्था० यो-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) आशा तिवारी को 30 अक्टूबर, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष,  
उपनिदेशक (प्रशासन)

भाषा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र  
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 14 नवम्बर 1979

सं० 8 (18)/78-स्थायीकरण/3933—नियन्त्रक, भाषा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के अन्ते तारीख में स्वार्गी रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान प्रेष्ठ	विभाग	स्थायी पद बि० ए० आर० सी० में	स्थायीकरण की तारीख
1.	श्री एन० सी० भवदासन (जी/102/50)	सुरक्षा अधिकारी	कार्मिक	सहायक सुरक्षा अधिकारी	1-3-78
2.	श्री पी० आर० प्रगाढ़कर (जी/102/49)	सुरक्षा अधिकारी	कार्मिक	सहायक सुरक्षा अधिकारी	1-3-78
3.	श्री हृजारीलाल (जी/102/139)	सुरक्षा अधिकारी	कार्मिक	सहायक सुरक्षा अधिकारी	1-1-79
4.	श्री ए० के० चक्रवर्ती (जी/801/06)	सुरक्षा अधिकारी	कार्मिक	सहायक सुरक्षा अधिकारी	1-1-79
5.	श्री डी० बी० कृपलानी (जी/102/140)	सुरक्षा अधिकारी	कार्मिक	सहायक सुरक्षा अधिकारी	1-1-79
6.	श्री य० एन० मित्र (जी/102/159)	सुरक्षा अधिकारी	कार्मिक	सहायक सुरक्षा अधिकारी	1-1-79

एच० अ० अष्टवतरामाणी  
उप-स्थापना अधिकारी

बम्बई-400 085, दिनांक 17 नवम्बर 1979

सं० पी० ए०/19 (2)/79-भ०-4—सिविल अभियांत्रिकी प्रभाग प० अ० वि० से स्थानान्तर के बाद अपर निवेशक, भाषा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, श्री विश्वनाथ मखाराम शेट्ये को इस अनुसन्धान केन्द्र के तकनीकी सेवा प्रभाग में पूर्वाह्न जुलाई 16,

1979 से अगले आदेशों तक वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर प्रेष्ठ (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/19 (2)/79-भ०-4—सिविल अभियांत्रिकी प्रभाग प० अ० वि० से स्थानान्तर के बाद अपर निवेशक, भाषा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, श्री हुलिकल संपर्कीयंगर रंगा-

स्थानी को इस अनुसन्धान केन्द्र के तकनीकी सेवा प्रभाग में पूर्वाह्न जुलाई 16, 1979 से अगले आदेशों तक वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

ए० एस० दिक्षित,  
उप-स्थापना अधिकारी

### परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरी प्रभाग  
बम्बई-5, दिनांक 1 दिसम्बर, 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/३(282)/७६-प्रशासन/१६६३५—  
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक रक्षा लेखा नियंत्रक (नेवी), बम्बई के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री बी० के० हृष्ण को इस प्रभाग में प्रतिनियुक्ति के शर्तों पर नवम्बर 2, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक रूपये 650-30-740-535-880-द० रो०-40-960 के बेतन-मान में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ब० वि० थ०  
प्रशासन अधिकारी

### नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्द शहर दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

सं० न० प० वि० प०/प्रशा/१ (164)/७९-एम/१३५७२—  
नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, विद्युत प्रायोजना अभियन्त्रण प्रभाग के केन्द्रीय समूह में स्थायी सहायक फोरमन एवं वर्तमान में नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न फोरमन श्री जे० एन० शर्मा को इसी परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर दिनांक 1 अगस्त 1979 के पूर्वाह्न से, अधिम आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

### परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-५०० ०१६, दिनांक 6 दिसम्बर, 1979

सं० प० ख० प्र०-१/२३/७९-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री मोहन श्रीराम भागवत को परमाणु खनिज प्रभाग में 13 नवम्बर, 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 दिसम्बर 1979

सं० प० ख० प्र०-१/१३/७८-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री वेक्ट सूर्यनोहन केसीराजू को परमाणु खनिज प्रभाग में ५ सितम्बर 1979 की पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक प्रस्थानी रूप से

वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एम०एस० राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

### रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र

कलपाक्कम 603102, दिनांक 30 नवम्बर, 1979

सं० ए० ३२०१३/८/७९/आर/१८२१२—रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के परियोजना निदेशक हैवी छिक्कल फैक्टरी रक्षा-मन्त्रालय के स्थायी इलेक्ट्रिशियन 'बी' और इस केन्द्र के स्थानापन्न फोरमन को एम०एम० सुब्रह्मण्यम को १ अगस्त 1979 से अगले आदेश तक के लिए रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-ई०-३५-८८०-४०-१०००-ई०-४०-१२०० के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

टी० एस० बी० अम्यर  
प्रशासन अधिकारी

### अन्तरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिश्वन्तपुरम, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

सं० बी० एस० प० सी०/स्था०/एफ०/१ (१७)—निदेशक, बी० एस० प० सी० अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई प्रन्तरिक्ष केन्द्र, तिश्वन्तपुरम में निस्तलिखित कर्मचारियों को, वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर रु० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-४० रो०-४०-९६० के ग्रेड में, १ अक्टूबर 1979 पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग
1	2	3	4
1.	श्री ए० शिवरामकुरुप	वैज्ञानिक/ इंजीनियर	सी०इल्य० एस०
		एस० बी०	
2.	श्री एम० सवद इब्राहिम	—वही—	—वही—
3.	श्री पी० के० धर्मपालन	—	टेल्स/आई०
4.	श्री के० पी० कमलाकरन	—	एम०ए०सी०
5.	श्रीमती के० एलिजाबेत	—	टी०ई०बी०
6.	श्रीमती डी० जगदाम्बाल	—	टी०टी०य०
7.	श्री जोणीपी० एब्रहाम	—	एस०टी०आर०
8.	श्री एस० माधवन नायर	—	आर० एस०
			आर०
9.	श्री के० तुलसी	—	आर० एस०
			आर०
10.	श्री आर० विजयराववन	—	ई०एम०बी०

1	2	3	4
11. श्रीमती के० प्रस्तुति के० वैज्ञानिक/इंजीनियर	वैज्ञानिक/इंजीनियर	पी०ए०	पी०ए०स०
देवी	एस० बी०	सी०	
12. श्री के० रवीश्वरन	—वही—	टेल्स/श्राई०	श्वार० ई०
			एक्स०
13. श्री पी० वी० कृष्णन	—वही—	एस० एल०	वी०
14. श्री आशिष कुमार डे	—वही—	पी० पी०	ई० जी०
15. श्री आर० बनानसन डी०	—वही—	कम्प्यूटर	सिलवा

राजन वी० जार्ज  
प्रशासन अधिकारी (स्था)  
हुते निदेशक (वी० एल० एल० सी०)

### महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1979

सं० ए० 32013/17/78-ई०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमान शेत्र अधिकारी के ग्रेड में दुई तदर्थं पदोन्नति की अवधि 31 मार्च, 1980 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो बड़ा दी है:—

क्रम सं०	नाम	स्टेशन
1. श्री कविराज सिंह	ए० एस० ओ० (एटीसी)	मुख्यालय
2. श्री जे० एस० आर० के० शर्मा	मद्रास	
3. श्री अमीर चन्द	ग्वालियर	
4. श्री एच० डी० लाल	भोपाल	
5. श्री सी० एन० एस० मूर्ती	मद्रास	
6. श्री ए० एन० माधुर	कुम्भीग्राम	
7. श्री पी० के० खस्ता	दम दम	
8. श्री जी० एन० मूर्ती	मद्रास	
9. श्री पी० वी० देसवानी	ए० ओ० (पी०) मुख्यालय	
10. श्री के० पी० एस० नैयर	मद्रास	
11. श्री एस० जे० सिंह	पालम	
12. श्री एस० के० वोरा	सान्ताकूज	
13. श्री विंगेद कुमार यादव	सान्ताकूज	
14. श्री के० के० महरोजा	दम दम	

वी० वी० जोहरी,  
सहायक निदेशक प्रशासन  
हुते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, विमानक 3 दिसम्बर 1979

सं० ए० 44012/1/78-ई० एस०—राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई थोक, बम्बई के कार्यालय में श्री एस० पी० मेनगुप्ता, विमान निरीक्षक का दिनांक 13-11-79 (प्रपराह) में सरकारी सेवा में त्यागपत्र म्हीकार कर लिया है।

दिनांक 7 दिसम्बर 1979

सं० ए० 32013/8/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास के श्री के० एस० नारायणस्वामी, सहायक तरनीकी अधिकारी को 30-10-79 (पूर्वाह्न) से छः महीने की अवधि के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तदर्थं आधार पर तरनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें नियन्त्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया है।

आर० एन० वास  
सहायक निदेशक प्रशासन

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1979

सं० 1/79--केन्द्रीय उत्पादन-गुलक के निम्नलिखित वरिष्ठ ग्रेड निरीक्षकों को अगले आदेश होने तक, स्थानापन्न रूप से अधीक्षक (पुरुष 'बी') के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त किया गया है। उनके कार्य-ग्रहण के स्थान तथा कार्यभार संभालने की तारीख निम्न प्रकार है:—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्त स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
	सर्वंश्री		
1.	आर० एम० सेनुचिदम्बरम	निवारक मुप्र शिवकाशो प्रभाग	8-9-78
2.	के० एम० अब्दुल रजाक	मदुरै-मुक्कस्सले एम० ओ० आर०	18-9-78
3.	टी० रामनाथन	मालयरामपूर्ण एम० ओ० आर०	23-9-78
4.	पी० के० कृष्णन	मुख्यालय मदुरै	15-11-78
5.	के० मालमप्पन	—वही—	15-11-78
6.	एम० शनमुग सुन्दरम	तिरुवेली प्रभाग	15-11-78
7.	के० आर० राजगोपालन	मुख्यालय मदुरै	15-11-78

1	2	3	4	1	2	3	4
	सर्व श्री						
8.	एन० होरेस्वामी	गांधी ग्राम एम० श्रो० आर०	15-11-78	29.	एम० सी० सुब्रह्मण्या	नागरकोविल एम० श्रो० आर०	25-1-79
		तिरुनलबेली-प्रभाग				तिरुनलबेली-प्रभाग	
9.	एम० पश्चीर सेलवम	शिवकाशी प्रभाग	15-11-78	30.	ए० वेलैन्चामी	मुख्यालय-मदुरै	16-2-79
10.	जी० विन्सेन्ट	पुदुगामम- एम० श्रो० आर०	17-11-78	31.	एम० डी० मुस्तफा	दिन्डिगल- एम० श्रो० आर०	30-5-79
		तिरुनलबेली प्रभाग		32.	एन० सत्यवर्गीश्वरन	मुख्यालय-मदुरै	1-6-79
11.	एस० श्रो० आरुमुगम	आरुमुगनेरी एम० श्रो० आर०	17-11-78	33.	के० वासुदेवन	नागपट्टिणम- आई० डी० श्रो०	4-6-79
		तिरुनलबेली-प्रभाग		34.	जी० सूर्य फेर्नांडो	श्रीविल्लीपुत्तूर एम० श्रो० आर०	7-6-79
12.	एन० सेतुरामन	तिरुतुरैपुण्डी नागपट्टिणम-प्रभाग	17-11-78	35.	एम० होरेराज	तिरुताम्पले- एम० श्रो० आर०	8-6-79
13.	आर० बालमुकुन्दन	नागपट्टिणम	18-11-78			शिवकाशी-प्रभाग	
		आई० डी० श्रो०		36.	के० माणिक्कम	शिवकाशी	8-6-79
14.	जे० अब्दुल कलाम प्राजाद	तिरुच्ची-प्रभाग	18-11-78			एम० श्रो० आर०-1	
15.	प्र० एम० रामचन्द्रन	दिन्डिगल-प्रभाग	18-11-78	37.	बी० अरसप्पन	विश्वामित्र	13-6-79
16.	पी० रंगस्वामी	मदुरै-आई० डी० श्रो०	19-11-78			एम० श्रो० आर०	
17.	ई० वैद्यनाथन	शिवकाशी-प्रभाग	21-11-78			शिवकाशी-प्रभाग	
18.	के० एन० सुब्रह्मण्यन	तिरुच्ची-के० उ० प्रभाग	22-11-78	38.	बी० अरुलराज	शिवकाशी	14-6-79
						एम० श्रो० आर०-II	
19.	आर० माशिलोमणि	दिन्डिगल- आई० डी० श्रो०	23-11-78	39.	एम० गोविन्दम कुट्टी नायर	मुख्यालय-मदुरै	20-6-79
20.	एम० तिरुमलसे	तृतीकोरिन- एम० श्रो० आर०	29-11-78	40.	एच० विलेन्द्रन	शिवकाशी- एम० श्रो० आर०-	4-7-79
21.	आर० रामचन्द्रन	मुख्यालय मदुरै	29-11-78	41.	एस० इसाक	शिवकाशी- आई० डी० श्रो०	5-7-79
22.	एम० डी० मुजाह दुसेन	तिरुवेटम्बूर एम० श्रो० आर०	29-11-78	42.	पी० के० गोविन्दराजन	कोचाडू- एम० श्रो० आर०	10-7-79
		तिरुच्चीप्रभाग				मदुरै-आई० डी० श्रो०	
23.	जी० अलगरस्वामी	शिवकाशी-प्रभाग	30-11-78	43.	एम० वेंकटाचलम	तिरुमंगलम	22-7-79
24.	के० एन० नटराजन	मदुरै-आई० डी० श्रो०	1-12-78			एम० श्रो० आर०	
25.	एम० गोविन्दस्वामी	तेणी- दिन्डिगल-प्रभाग	15-12-78	44.	टी० एम० रमेशन	मुख्यालय-मदुरै	31-7-79
		एम० श्रो० आर०				(मध्याह्न)	
26.	एम० एम० परमशिवन	के० उ० निवारक	15-12-78	45.	डी० डालटन	तिरुनलबेली	30-8-79
		मुख्यालय-मदुरै				एम० श्रो० आर०	(मध्याह्न)
27.	पी० तन्त्रशी	कोविलपट्टी- एम० श्रो० आर०	18-12-78				
		तिरुनलबेली-प्रभाग					
28.	ई० मुनस्वामी	बट्टिलार्पुण्डी- एम० श्रो० आर०	22-12-78				
		दिन्डिगल-प्रभाग					

सं० 2/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित कार्यालय श्रद्धालुकों को आगले आदेश होने तक स्थानापन रूपसे प्रशासनिक अधिकारी (युप 'बी') के पद पर ₹० 650-30-740-35-810-व० ₹०-35-880-40-1200 के बेतनमान में

नियुक्त किया या है। प्रणालीकारी के पद पर उनके कार्यग्रहण के स्थान तथा कार्यभार सम्बालने की तारीख निम्न प्रकार है :—

क्र० अधिकारी का नाम सं०	नियुक्त स्थान ग्रहण करने की तारीख	कार्यभार की तारीख	
(1)	(2)	(3)	(4)
मर्वशी			
1. पी० वी० नारायणन	मुख्यालय मदुरै	27-6-79	
2. एन० मारिगणन	शिवकाशी-प्रभाग	27-6-79	
3. एस० नागराजन	रामनाथपुरम प्रभाग	16-7-79	
4. बी० वी० लक्ष्मी नारायणन	कड़लूर प्रभाग	30-7-79	
	आर० जयरामन, समाहर्ता		

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय  
बड़ौदा, दिनांक 5 दिसम्बर 1979

सं० 15/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ौदा के उप समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ब' के सहायक समाहर्ता अधीक्षक टी० एस० धवे वृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-11-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 16/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ौदा-II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ब' के सहायक समाहर्ता अधीक्षक श्री एन० एस० देसाई वृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-11-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 17/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नडियाद के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ब' के सहायक समाहर्ता अधीक्षक श्री एन० एस० गुजर वृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-11-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 18/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बड़ौदा-I के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ब' के सहायक समाहर्ता-अधीक्षक श्री कें० वी० परीख वृद्धावस्था पेशन की राशि प्राप्त होने पर दिनांक 30-11-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 19/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ब', के सहायक समाहर्ता-अधीक्षक श्री सी० एस० 3—286GI/79

पटेल वृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-11-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

जे० एस० वर्मा  
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मन्त्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० II-टी० आर० (5)/79—राष्ट्रपति श्री रमेश अन्न यादव को तारीख 2 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) में अगले आदेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रणिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में इंजी-नियर अधिकारी के स्वप्न में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिंधु  
नौवहन उप महानिदेशक

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 तथा काश्मीर पावर इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड निलोकर बिल्डिंग, बरजला श्री नगर काश्मीर के बारे में।

श्रीनगर, दिनांक 6 अक्टूबर 1979

सं० पी० सी०/369—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत यह नोटिस दिया जाता है कि उपयुक्त तिथि से तीन माह की समाप्ति पर अग्रर कोई आपत्ति नहीं प्राप्त होती है तो काश्मीर पावर इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम कम्पनी रजिस्टर से निकाल दिया जायेगा और उपयुक्त कम्पनी का विघटन कर दिया जायेगा।

कम्पनी अधिनियम 1956 तथा रोमेन्ट्रा एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, लोवर रोड, जम्मू के बारे में।

श्रीनगर, दिनांक 6 अक्टूबर 1979

सं० पी० सी० 224—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत यह नोटिस दिया जाता है कि उपयुक्त तिथि से तीन माह की समाप्ति पर अग्रर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो रोमेन्ट्रा एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम कम्पनी रजिस्टर से निकाल दिया जाएगा और उपयुक्त कम्पनी का विघटन कर दिया जायेगा।

ह० अपठनीय  
कम्पनी पंजीकार

बंगलौर, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

सं० 1779/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि कावेरी चिट फण्ड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 7 दिसम्बर 1979

सं० 2440/560/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि डेकनीचेम मरविसेम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० टी० गजवानी  
कम्पनियों का रजिस्टार

कम्पनी अधिनियम 1956, और “श्री जयन्ती सुहरम प्राइवेट लिमिटेड” के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 10 नवम्बर 1979

सं० 141—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) की अनुमार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जयन्ती सुहरमा प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी बन द्यो गई है।

एस० आर० वी० वी० सत्यनारायना  
कम्पनियों का रजिस्टार  
पांडिचेरी

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस०-----

1. श्री बी० कार्तिक प्रसाद

(ग्रन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

2. (1) श्री प्रफुला चन्द्र रथ

(2) श्री दिलीप कुमार दास

(ग्रन्तरिती)

भारत चरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 28 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 84/79-80/प्राई० ए० सी० (ग०/आर०)/  
वी० वी० ए० सी० आर०—अतः मुझे, बी० मिश्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की आरा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 863 है, जो पुरी में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
2-3-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृश्य  
प्रतिफल अधिक है, और यह कि प्रस्तुरक (अस्तरकों) और  
ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चर्देप से उक्त अस्तरण  
निम्नलिखित में बास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी वाद की वाचत, उक्त अधिनियम, के अधीन करने के प्रस्तुरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा  
के लिए;

अब, अब उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण  
में में, उक्त अधिनियम की आरा 269-व (1) के  
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवैत :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो  
भी प्रबंधिया वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही प्रबंध होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

सी० साईड पर बना मकान और जमीन जो "नरेन्द्राधाम"  
के नाम से है और चक्रांतीर्ध रोड, पुरी टाउन में स्थित है,  
जिसका रजिस्ट्रीकरण सब-रजिस्ट्रार के दफ्तर में सेल सं० 863  
दिनांक 2-3-79 मोजा, बालूखाँडा में हुआ। प्का० नं० 1134  
और 1135।

बी० मिश्रा  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख: 28-11-1979  
मोहर:

प्रलूप आईटी एन एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 28 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 85/79-80/आईटी ए० सी०/ (ए०/आर०)। बी बी एस आर अतः, मुझे, बी० मिश्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1217 है, जो पुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

27-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन क्रूर केने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यतियों अवधारणा

1. श्री बी० के० मिश्रा एवं पाँच अन्य मार्केन्ड, पुरी (अन्तरक)
2. श्री दामोदर सिंह मानी कातीका साही, परी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बसंती साही पुरी में भी जमीन है, और पुरी सब रजिस्ट्रार दफ्तर में 27-3-79 में रजिस्ट्री हुआ है।

बी० मिश्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

तारीख: 28-11-1979  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री बी० के० मिश्रा, एम पांचवाँ (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री दीनबन्धु सिनहारी मारकेन्डश्वर साही।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भूवनेश्वर

भूवनेश्वर दिनांक 28 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 86/79-80/आई० ए० सी०(ए०/आर०)/  
बी० बी० एस० आर०—अतः, मुझे, बी० मिश्रा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 1218 है, जो पुरी में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के काय लिय, पुरी में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 27-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितीद्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

जमीन और मकान जो बटेली साही पुरी में हैं और  
रजिस्टर्ड सेल डाकुमेंट नं० 1218 है, जो पुरी सब रजिस्ट्री  
दफ्तर पर 22-3-1979 में हुआ है।

बी० मिश्रा  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भूवनेश्वर

तारीख: 28-11-1979

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित घटितियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—————  
भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

## 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 26 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 781/ए०-247/Gen./78-79—अतः मुझे,  
राजेन्द्र नाथ बरा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ग  
के अधीन समान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
परये से प्रधिक है और जिसकी सं०

दाग सं० 245 और 246 के० पी० पट्टा सं० 214 है तथा जो  
द्वारान्धा गांव बेलतोला मौजा, गौहाटी में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
26-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पश्चात् प्रतिकल प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और  
पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
चिह्न त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से दुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के  
दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपचारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नागेन्द्र नाथ दास अलियास (तालुकदार)  
पल्टन बाजार, गौहाटी (अन्तरक)

2. श्री ब्रिजेश अग्रवाल (छीटा) री० पिता के द्वारा

श्री प्रह्लादराम अग्रवाल, नं० 2, डोयरपार्क,  
कलकत्ता-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रमाणान्वयन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) विगहा 1 (एक)। कट्टा  
13 (तेरह) लसा जो द्वारान्धा गांव, बेलतोला मौजा,  
कामलूप जिला गौहाटी (असम) में स्थित है ।

राजेन्द्र नाथ बरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 26-11-1979  
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 26 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 777/ए०-246/गऊ०/78-79—अतः मुझे,  
राजेन्द्र नाथ बरा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है और जिसकी सं० दाग सं०

246 और 576 और के० पी० पट्टा 114 है तथा जो  
द्वारान्धा गांव बेलटोला मौजा, गौहाटी में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गौहाटी में, रजिस्ट्री-  
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,  
तारीख 26-3-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का  
पक्कह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल  
के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी प्राय वा किसी बन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में जैसे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविनियों, अर्थात्:—

1. श्री नारेन्द्र नाथ दाम अलियाम (तालुकदार),  
पल्ख बाजार, गौहाटी।  
(अन्तरक)
2. श्री प्रकाश अग्रवाल (छोटा) री० पिना के द्वारा,  
श्री विश्वनाथ अग्रवाल, नं० 2 डोबर पार्क,  
कलकत्ता-19।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविनियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविनियों में से किसी अविनियत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
किमी ग्रन्थ अविनियत द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्हींकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ अविनियत द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
गया है।

### अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बिगहा 1 (एक) कट्टा  
13 (तेरह) लसा जो द्वारान्धा गांव, बेलटोला मौजा कामरूप  
जिला गौहाटी (प्रसम) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा  
सकार प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख: 26-11-1979  
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 नवम्बर 1979

निदण सं० 1979—अतः  
मुझे राजेन्द्र नाथ बरा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 245, और बी० फी० पदा सं० 214 है तथा जो डारन्था गांव बेलटोपा मौजा, गौहाटी है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में अंगित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गौहाटी में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

१. श्री जगेन्द्र नाथ दास अन्तरिता (तालुकदार), पटठन बाजार, गौहाटी। (अन्तरक)

२. श्री भुरेंग कुमार गराफ, एस० आर० सी० फी० बी० जोड़, फैन्सी बाजार गौहाटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 4 (चार) कट्टा 8 (आठ) लसा जो डारन्था गांव, बेलटोपा मौजा, कामरूप जिला (असम) गौहाटी में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 24-11-79

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 769 ए-2440/जन०/78-79—अत, मुझे राजेन्द्र नाथ बरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 245 और के० पी० एस० सं० 214 है तथा जो द्वारन्धा गांव बेलतोला मौजा गौहाटी में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3—386GI/79

1. श्री नागेन्द्र नाथ दास श्रवियास (तालुकदार) पलटन बाजार गौहाटी।  
(अन्तरक)2. श्री मुनिल कुमार सारफ पुत्र श्री मुरणीधर मराफ एस० आर० सी० बी० रोड़ फैन्सी बाजार, गौहाटी।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त समात्ति के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हिन्दू बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

साफ्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 4 (चार) कट्टा 9 (नौ) लसा जो द्वारन्धा गांव बेलतोला मौजा काम्बा जिवा गौहाटी (अपम) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा

सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 24-11-1979

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० 765/ए०-243/जन०/78-79—अतः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 245 और कें० पी० पट्टा सं० 214 है तथा जो द्वारान्धा गांव, मौजा बेलतोला गौहाटी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्डह परिणत अधिक है और भस्तरक (पत्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1: श्री नागेन्द्र नाथ दास अलियास तालुकदार पल्टन बाजार, गौहाटी।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती नारायनी, देवी सराफ श्री मुर्लीधर मराफ की पत्नी। एस० आर० ती० बी० रोड़, फैन्सी बाजार, गौहाटी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्द द्वारा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का साप 4 (चार) कट्टा 9 (नौ) लसा जो द्वारान्धा गांव बेनतोला मौजा कामरूप जिला गौहाटी (असम) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जिलांग

तारीख : 24-11-1979

मोहर :

श्रेष्ठप्राई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन, शिलांग

शिलांग, दिनांक 24 नवम्बर 1979

निर्देश सं० 761/ए०-242/जन०/78-79—प्रतः, मुझे,  
राजेन्द्र नाथ बरा,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० दाग सं० 1020 और के० पी० पट्टा है तथा जाफ़ीकु गाँव में स्थित है (प्रौंर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय गौहाटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्दैह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्राप्तफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य सास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अर्थात्:—

1. श्रीमती नीलिमा पाठक, श्री हनीश नाथ पाठक की पत्नी, मोरिह, बामनकुची, बारपेटा। (अन्तरक)

2. श्रीमती हिरा कानी देवी पोडर श्री देवी दसा पोडर की पत्नी, गोमाधपारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अविस्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 3 (तीन) कट्टा जो जाफ़ीकु गाँव, बेलतोला मौजा, जी० एस० रोड़, बापाटिस्ट चर्च के नजदीक कामरूप, जिला गौहाटी (ग्रसम) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक भ्रायकर आयुक्त निरीक्षी)  
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 24-11-1979

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निदेश मं० सी ए० डी०/३१४/७८-७९—ग्रतः  
मुझे, आर० के० मलहोत्रा,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्वारर नमाति, विवाह, उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।और जिमकी सं० प्लाट नं० 526, सेक्टर 36, है तथा  
जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
नय चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन, मार्च 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि पश्चाप्तोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
रद्दू उत्तिकाल प्रतिकल से ज्यादा प्रतिकल (प्रतिकलों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरित के लिए तय  
पाया गया प्रतिकल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त प्रतिरित  
निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरित से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/पा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रशोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में  
सुविधा के लिए ;ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 261-ग के अनुसरण  
में, वै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपावड़ (1)  
के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अपति:—1. श्री गुरदर्शन सिंह सोई पुत्र श्री गजिन्दर सिंह  
वासी 1/10, जंगपुरा-बी, नई दिल्ली। (अन्तरक)2. श्री हरिकृष्ण दास पुत्र श्री धूल चन्द, श्रीमती कमलेश  
ओहरी विधवा श्री पी० सी० ओहरी, वासी मकान नं०  
212, सेक्टर 18-ए, चंडीगढ़। (अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैतन के सम्बन्ध में कोई भी आलेख।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्यक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही ग्रन्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में विया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 526, सेक्टर 36, चंडीगढ़।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चंडीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या 1034, मार्च 1979 में दर्ज  
है।)आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम आधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियानातारीख: 8 नवम्बर, 1979  
मोहर:

प्रकल्प प्राई. टी. एम. एत०—  
पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना,  
लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एमएमएन०/29/78-79—प्रतः, मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 66 कनाल 2 मरले  
है तथा जो गांव धनेठा, सब-तहसील समाना में स्थित है  
(और इसमें उपावड़ ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, समाना में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने  
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक कर से किया नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी भूमि के दृश्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरक में,  
मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्चस् ।—

1. सर्वश्री गुरजन्ट सिंह, हरबन्स सिंह पुत्र श्री गुरनाम  
सिंह, वासी गांव धनेठा, सब-तहसील समाना। (अन्तरक)

2. सर्वश्री हरबन्स सिंह, जगत सिंह, गुरमीत सिंह,  
जन्मीर सिंह पुत्र श्री सुदागर सिंह, वासी धनेठा, सब-तहसील  
समाना। (अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाबत के  
लिए कायदाविधान करता है।

उक्त सम्पत्ति के घरेन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीची व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्राप्तोहस्ताक्षरी के पाव  
लिखित में किये जा सकेंगे।

संबोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### प्रमुखूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 66 कनाल 2 मरले है और  
जो गांव धनेठा, सब-तहसील समाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 1406, मार्च 1979 में दर्ज  
है।)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979  
मोहर:

प्रकृत्य आई० दी० एन० एस०—

आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निकेश सं० ए० ए० ए० ए० / 143/78-79—प्रत: मुझे;  
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यवित्रियम्' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 17 विवास है तथा जो कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसीन अमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण व्यवित्रियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विवास करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिवात् प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक उप से अवित तभी किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त व्यवित्रियम्, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर व्यवित्रियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यवित्रियम् या अन्यकर व्यवित्रियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त व्यवित्रियम्, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त व्यवित्रियम् की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री गुलजार सिंह पुत्र श्री हमेल सिंह, वासी कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह जिला, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री बेंद्र प्रकाश पुत्र श्री बहादुर नन्द, वासी मण्डी, गोबिन्दगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यवित्रियम् के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

मनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 17 विवास है और जो कुकड़ माजरा, मण्डी गोबिन्दगढ़, सब-तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के कार्यालय के विलेख सं० 2027, मार्च, 1979 में दर्ज है।)

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियानातारीख: 8 नवम्बर, 1979  
मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एम० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/३०३/७८-७९—अतः मूल्य, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिधा 2.1/2 बिसवा है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अनुचित रूप से नहीं लिया गया है :—

(६) अन्तरण से ही किसी भाव को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन करने के अन्तरक के अधित्य में की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(१) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, इसपासे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अधिकितयों, अर्थात् :—

1. श्री करणवीर प्रकाश पुत्र श्रीमती कृष्णा प्रकाश वासी 10/6जे०, मेडिकल कालेज, अैनकलेव, रोहतक। (अन्तरक)

2. सर्वंश्री जसवीर सिंह व अमृतवीर सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह वासी लैहल, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी व्याप्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तरसम्बन्धी अधिकितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 बिधा 2.1/2 बिसवा है और जो पटियाला में स्थित है।

(जयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 6301, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सुधियाना

लूधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/३०४/७८-७९—अतः, मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि जिसका थोकफल 2 विधा 2½  
विधावा है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अभितयों, अर्थात्:—

1. श्री दीपक प्रकाश पुत्र श्रीमती कृष्णा प्रकाश वार्सी  
10/6 जे०, मेडिकल कालेज, एनकलेव, रोहतक। (अन्तरक)

2. सर्वेश्वी जसवीर सिंह, अमृतबीर सिंह पुत्र श्री  
गुरचन्ग सिंह वासी लैहल, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका थोकफल 2 विधा 2½  
विधावा है और जो पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला  
के कार्यालय के विलेख सं० 6302 मार्च, 1979 में दर्ज  
है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लूधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रलग ग्राह्य ३० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/२८०/७८-७९—अतः मुझे,  
आर० के० मल्होत्रा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसको सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 विधा 8 विधा  
है तथा जा ईडियम रोड़, अफिसर कालोनी, पटियाला  
में स्थित है (प्रोटोड्राफ उपायद्राफ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में नामित), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, पटियाला  
में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की आवत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ति:—

4—386GT/79

1. श्री शिव राज सिंह पुत्र श्री अजीत हन्दर सिंह स्टेडियम रोड़, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री मुब्बवन्न सिंह पुत्र श्री संगारा सिंह व श्री ठाकर पाज सिंह पुत्र श्री अजीतसिंह आफ समाना, स्टेडियम रोड़, अफिसर कालोनी, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 विधा 8 विधा है और जो स्टेडियम रोड़, नजदीक अफिसर कालोनी, पटियाला में स्थित है।

(जावरद जैगिरि रजिस्ट्रेशन अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के बिलेट्र मंडप 5807, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मल्होत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रकाश प्राइंटो•एन•एम.——

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
प्रारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निवेद सं. पी टी ए/291/78-79—प्रत: मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इन से रखात 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की भारा 269व  
के अंत्रों प्रभाव प्रविधारी हो, गद् विश्वाम करने का कारण है  
कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
प्रप्त से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 10  
विष्वाम है तथा जो जनरल चन्दा भिंह गोड़, पटियाला में  
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, पटियाला  
में, रजिस्ट्रीर्टर अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वानुसूचित के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान  
प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वाम  
करने का कारण है कि यथा पूर्वानुसूचित सम्पति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसा वृद्धमान प्रतिफल का  
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रोर  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अनुरूप के लिए नया पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरज लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) प्रन्तरण से हुई किसी याय भी बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
प्रौद्योगिकी

(ब) ऐसी किसी याय या किसी धन या प्रभ्य आस्तियों  
को जिस्में भारतीय याय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने  
में सुविधा के लिए ;

प्रत: यद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269वा के प्रन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269वा की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवस्थियों, अवादः—

1. बग्रेडियर फनेह सिंह पुत्र जनरल चन्दा भिंह भासी  
जनरल चन्दा सिंह गोड़, पटियाला। (अन्तरक)

2. श्री निकाला राम पुत्र श्री सीता राम, भासी नाभा  
गेट, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानुसूचित सम्पति के अर्जन के  
निए हायांशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या वृद्धमानस्त्री अवस्थियों पर  
पूर्वाना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भोतर पूर्वानुसूचित  
अवस्थियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पति में हितचय  
किसी गत्य अवधि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पूर्वी हा प्लाट जिसका क्षेत्रफल 10 विष्वाम है और जो  
जनरल चन्दा भिंह गोड़, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैतानि रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी, पटियाला  
के कार्यालय के विलेख संख्या 5936, मार्च, 1979 में  
दर्ज है।)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर भायक (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 8 नवम्बर 1979  
मोहर:

प्रस्तुत प्राई ट्री एन एस।

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निर्देश नं० ए० आर० डी०/210/78-79--अतः  
मुझे, आर० के० मलहोत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संतानि विवाह उचित बाजार मूल्य 25,000/- ५०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 विघा है तथा  
जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में  
स्थित है (प्रीर इसके उपाबूद्ध अनुसूची में और पूरे रूप  
में रोगा है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मार्च 1979  
को प्रूबूत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निर० अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यारूवंका सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निखित में वास्तविक रूप से रखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरितों  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अम्, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री बद्री नाथ पुत्र श्री मस्त राम, वासी गांव  
अजनाली तहसील सरहिन्द। (अन्तरक)

2. श्री दरबारा मिह पुत्र श्री जगराम सिंह वासी गांव  
कुलड़ि मजरा, मण्डी गोविन्दगढ़, तहसील अमलोह जिला  
पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रूबूत सम्पत्ति के अर्जन के  
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रूबूत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

हृष्टवीकरण :—इसमें प्रूबूत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 विघा है और जो गांव अज-  
नाली, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(तारीख जून 1979 की रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी, सरहिन्द के  
कार्यालय के विलेब मंडपा 3578, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)

आर० के० मलहोत्रा  
सकारा प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रलेप श्री ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एस० आर० डी०/217/78-79—अतः,  
मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 विघा है तथा जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द म, रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

1. श्री बदरै नाथ पुत्र श्री मस्त राम, बासी गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द। (अन्तरक)

2. श्री दरबारा सिंह पुत्र श्री जगराम सिंह, बासी कुकड़ माजरा, मण्डी गोविंद गढ़, मध्य-तहसील अमलोह, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताधीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 विघा है और जो गांव अजनाली, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जयदाद जैसाकि रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी, सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या 3682, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा,  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर 1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निवेदा सं० प्र० ००/२१४/७८-७९—अतः, मुझे,  
आर० के० मल्होत्रा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके इच्छात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सभाम प्राधिकारी की, यह विषेशास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
एप्यू से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 विघा है तथा  
जो गांव अजनाली: तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला में  
स्थित है (और इससे उपांचड अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड प्राधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द  
में, रजिस्ट्रीर्ड अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मार्च, 1979  
की प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषेशास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथ्य पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बद्री नाथ पुत्र श्री भग्न राम, गांव अद्वाल  
तहसील सरहिन्द।  
(अन्तरक)
2. श्री हरदेव गिंह पुत्र श्री दरबारा मिह वासी गांव  
कुरड़ माजिया, भव-नहसीन अपलोह, जिला पटियाला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिन के बाद उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
हिस्सों प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास  
निखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित  
है, उक्ती प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास  
निखित में किए जा सकेंगे।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 विघा है और जो गांव  
अजनाली, तहसील सरहिन्द में स्थित है।(जायेदाद जैसा f6 रजिस्ट्रीर्ड प्राधिकारी, सरहिन्द के  
कार्यालय के विलेख सं० 3619, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)आर० के० मल्होत्रा  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रधन प्राईंटी० एन० एस०—  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक: 8 नवम्बर 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/232/78-79/— अतः, मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 1-67-98 हैक्टर  
है तथा जो गांव कहराला, तहसील व जिला पटियाला में  
स्थित है (और इसमें उपचार अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा प्राधिकारी के कार्यालय, मार्च,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए प्रत्यक्षरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षरिती (प्रत्यक्षरितियों) के बावजूद ऐसे  
अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त प्रभवरग निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त अधिनियम;  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में छारी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें सारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ब्राह्मकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन;  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री दिविन्दर सिंह पुत्र श्री तारा सिंह वासी गांव  
कहराला, तहसील पटियाला। (अन्तरक)
2. श्री राजिन्दर सिंह वालिया पुत्र श्री साधू सिंह  
वालिया, 166/15: अशोकगढ़, बी० टी० रोड़, कलकत्ता-35.  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त प्रधानि के अर्जन के  
लिए कार्यालय में दरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

लाप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्राद्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस प्राद्याय में दिया  
गया है।

### मनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1-67-98 हैक्टर है और जो  
गांव कहराला, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जयेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीर्टा प्राधिकारी पटियाला  
के कार्यालय के विलोक्त संख्या 5842, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रलेप प्राई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेंग सं० पी० टी० ए०/२८३/७८-७९—अतः, मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 1-67-97 हैक्टर  
है तथा जो ककराला, तहसील व जिला पटियाला में स्थित  
है (और इसमें उमाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मार्च, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या हिस्सी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री दविन्दर सिंह पुत्र श्री तारा सिंह गंव ककराला,  
तहसील पटियाला।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती दलजीन कार पत्नी श्री साधू सिंह बालिया  
166/15, अशोक गड़, बी० टी० रोड, कलकत्ता-35।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अधिकारी पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अधिकारी, अधोहस्ताक्षरी के पास  
विविध में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रथा होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।भूमि जिसका क्षेत्रफल 1-67-97 हैक्टर है और जो  
गांव ककराला, तहसील पटियाला में स्थित है।(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला  
के कार्यालय के विलेख सं० 5853, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)।आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्राप्ति का नाम: एन० एम०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा  
(69 वा (1) 6 अक्टूबर 1961)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/284/78-79—अतः मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके गवान् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है), को  
द्वारा 269-वा के प्रधीन सत्तप्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रतिष्ठित है और

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 1-67-97 हैक्टर  
है तथा जो गांव ककराला, तहसील व जिला पटियाला में  
स्थित है (ग्रोर इससे उपावद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तर के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर के लिए वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से उई हिसी आय की बाबत उक्त  
प्रतिनियम, के प्रधीन का देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने पर उससे बचने में  
मुश्विधा लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय का अन्त या अन्य अन्तरिती  
को, उक्त आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाधीन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 209-वा के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-वा के उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

1. श्रीमती गुरनाम कौर पत्नी श्री तारा सिंह द्वारा  
जनरल अटारनी श्री दिवन्दर सिंह पुत्र श्री तारा सिंह, गांव  
ककराला, तहसील व जिला पटियाला। (अन्तरक)

2. श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री साधू सिंह वालिया,  
166/15, अशोक गढ़, बी० टी० रोड, कलकत्ता-35।  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना ज्ञाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामीज से 30 दिन की प्रदूषित  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखेन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें ग्रुप एवं ग्रोर वर्गों का, जो उक्त  
प्रतिनियम के प्रधान 20-का में परिवर्णित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अठाय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1-67-97 हैक्टर है और जो  
गांव ककराला, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला  
के कार्यालय के विलेख संख्या 5854, मार्च, 1979 में  
दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रक्रम धार्ड २० टी० एव० एम०

वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन मूलना

लालू भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन थेट्र, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/२८१/७८-७९—अतः मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 1-67-97 हेक्टर  
है तथा जो गांव ककराला, तहसील व जिला पटियाला में  
स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, सारीख मार्च, 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पगड़ प्रतिक्षत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाषा गया गति प्रतिफल,  
मित्रलिंगित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्र व वास्तविक  
रूप से छया। नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यारक के लायिक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्त  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या विया  
जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिये;अतः प्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
अतः अन्तरित आस्तियों, भर्ता:—

5—386GI/79

1. श्रीमती गुरनाम कीर पत्नी श्री तारा सिंह, वासी  
लैहल, पटियाला छारा जनरल प्रटार्नी श्री दविन्दर सिंह  
पुत्र श्री तारा सिंह गांव ककराला, तहसील व जिला पटियाला  
(अन्तरक)2. श्री राजिन्दर सिंह वालिया पुत्र श्री साधू सिंह  
वालिया, 166/15, अशोक गढ़, बी० टी० रोड, कलकत्ता-  
35। (अन्तरिती)को यह मूलना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में जोई भी याजेगः—

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरांसी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अवैहस्तात्त्वरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
है, वही प्रथम होगा, जो उस अन्तर्गत में  
दिया गया है।

## मनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 1-67-97 हेक्टर है और जो  
गांव ककराला, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।(जायेंद्राव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला  
के कार्यालय के विलेख संख्या 5841, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मीहर

प्रकाश आई०टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निवेश सं० सी० एच० डी०/305/78-79—अतः मझे, आर० के० मलहोत्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 31-ए, सेक्टर 2-ए, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रायोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के सक्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के प्रनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की तरधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों पर्यातः—

1. श्री राजेश कुमार पुत्र श्री शाम लाल, 37-कोटू रोड, चण्डीगढ़ एवेन्यू, अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैसर्स एम० एम० नागरा एण्ड मन्स, द्वारा कर्ता श्री एम० एस० नागरा पुत्र श्री मैन दाम, कोठी नं० 31-ए, सेक्टर 2-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिये कार्यादित्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी प्रगत अवित्य द्वारा, अत्रोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 31-ए, सेक्टर 2-ए, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 999, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979  
मोहर:

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस. ——

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं. सी. एच. डी. 315/78-79—उक्त, मुझे, आरो के० मल्होत्रा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रबन्धात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 1231, सैक्टर 18-सी, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पांचहूं प्रतिशत से अधिक है और प्रतरक (प्रतरकों) और प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है। —

(क) अनुसरण से दूर्दृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने पा। उससे बचते में तुलिष्ठा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, भाजन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुलिष्ठा के लिए;

यतः इब्द, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवातः—

1. श्रीमती भगवती ज्ञाना विधवा श्री ईशर दास ज्ञाना, वासी मकान नं. डी-1, निजामुद्दीन बेस्ट, नई दिल्ली।  
(प्रस्तरक)

2. श्री रोशन लाल पुत्र श्री सन्त राम, वासी मकान नं. 1231, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

3. श्री नरिन्द्र उपल, कौनटरेक्टर, पहली मंजिल, मकान नं. 1231, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़। (वह अवित्त, जिसके प्रधिमोग में सम्पत्ति है)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसीं प्रथ्य अवित्त, द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित प्रकाशन किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं. 1231, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलख संख्या 1040, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आरो के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 नवम्बर, 1979

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निवेश सं० एस एम० एल० 90/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद भूमि व इमारत वीरा, 'हर-मिलेना' है तथा जो स्टेशन वार्ड, बड़ा शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूमि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन नहीं देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरेक्षण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निम्नीकृत आय या निम्नीकृत आस्तियों को, जिन्हें भारी आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री चरन मिह पुत्र श्री अर्जन सिंह, जी-17, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती जीती मुमोह पत्नी श्री एस० पी० मुमोह, हरमिलेना, भरारी रोड, शिमला-4।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजात्र में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजात्र में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहु निम्नीकृत व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

सांख्यिकीय — इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधार पर 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि व इमारत वर्गे 'हरमिलेना' के नाम से जानी जाती है और जो स्टेशन वार्ड, बड़ा शिमला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 165, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राईटी एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/289/78-79--ग्रत. मुझे, आयर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनसे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विषयाम करने का लाभ है कि स्थावर मंत्रिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक गैरिज है तथा जो सामने लौही गेट, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमान प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विषयाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उच्चमान प्रतिक्रिय से, देते दृश्यमान प्रतिक्रिय का उच्चमान प्रतिगत से अधिक है और प्रमत्तरक (प्रमत्तरकों) प्रीर अस्तार्दियों (पन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी धाय की वाचन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या

(ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं प्रमत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रमत्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती मड्डीगा पत्नी डा० एम० के० सिंह मड्डीया, मेडिकल कालेज, रोहतक। (अन्तरक)

2. सर्वश्री सहय लाल पुत्र श्री इन्द्र सैन, विजय कुमार, बुद्धी राज पुत्र श्री राम मूर्ति, गुग्रवचन लाल मलहोत्रा पुत्र श्री सहय लाल, आयकर सैसर्स मलहोत्रा स्वीट कोरतर, अनारदाना चौक, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह मूल्य जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए नियंत्रित गुरु करना है।

उक्त सम्पत्ति के अजैन में मंबंध में कोई भी प्राप्ति ।--

(न) इस मूल्य के राजपत्र में प्रत्यापन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर मूल्यना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(व) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अद्वैतसामग्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्ज होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गैरिज जो सामने लौही गेट, पटियाला में स्थित है। (जायेंद्राद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5932, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आयर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रेस प्राईटी ऑफिस—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निवेश सं० एस० आर० डी०/219/78-79—अतः  
मुझे, आर० के० मलहोत्रा,आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उन्ना अधिनियम' रहा गया है), की आधारा  
269-व के अधीन संख्या प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि निवार सम्बन्धी विविध उचित बाजार मूल्य  
25,000/- दू० न प्रियु है,और जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 विधा, 4 विस्था  
है तथा जो गांव अजनाली, सब-नहसील सरहिन्द में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मार्च, 1979को उन्नीस सम्भाल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भाल के उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धत  
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में बास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरग से हुई किसी आय या बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में विविध के लिए; और/या(ब) ऐसो ही आय या किसी इन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनामे अन्तरिकी द्वारा प्रकट महीं किया  
गया था या किया जाता था हिए या, छिपाने में  
विविध के लिए;अतः यद्य, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनु-  
पत्ति में, ये, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपचारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात्:—1. श्री अमर सिंह पुत्र श्री सुनदर सिंह, गांव अजनाली,  
सब-नहसील सरहिन्द, जिला पटियाला। (अन्तरक)2. सर्वश्री मुख्तयार सिंह, गुलजार सिंह, पुत्र श्री हमेल  
सिंह, दर्शन सिंह, जसपाल सिंह, जगजीत सिंह पुत्र मुख्तयार  
सिंह, गांव कुकड़ माजरा, सब-नहसील अमनोह, जिला  
(अन्तरिकी)को यह सूचना जारी करके रूपीया संतुति के अर्जन के  
लिए कायंवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संतुति के पर्वत के संबंध में का: भी याकोप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अवक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों  
में से किसी अवक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हित-  
बद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोदास्तावरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।साल्टोडग :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-वीं में  
परिचापित है, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम  
में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 12 विधा 4, विस्था है और  
जो गांव अजनाली, सब-नहसील सरहिन्द, जिला पटियाला  
में स्थित है।(जायेवाजैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द  
के कार्यालय के विलेख सं० 3718, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)आर० के० मलहोत्रा  
संख्या प्राधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रकृत आई. टी० एन० एन०-----

भारत का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

२६९७-व (1) के प्रधीन मूल्य

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नुदियाना

नुदियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/२९३/७८-७९—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९७-व के प्रधीन सम्प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल है, तथा जो गांव घलोड़ी, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को दुर्बोल सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से रुप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 1.5 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रतिफल के लिए तथा विविध में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) प्राचरा १ द्वारा सिसो प्राप्त की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरित धारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, जिसमें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९७-व के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा २६९७-व (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री देव भारत, विरक कीलत प्रोत्तर, सनोर रोड, पटियाला। (अन्तरक)
2. डा० नापिन्दर सिंह नाहल पुत्र श्री काका सिंह, गनौरी शहड़ा, पटियाला। (अन्तरित)

को यह मूल्य जारी करके पूर्वी तात्त्विक के अर्जन के लिए कार्यान्वयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिः—

- (a) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नाप्रील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (b) इस मूल्य के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, तथा वर्तमान सम्पत्ति में हिन्दूदार किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में हिला जा रखेंगे।

**ल्पन्धीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों धोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचयित है, नहीं अर्थ होगा जो उप वकार में दिया

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल है और जो गांव घलोड़ी, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलोक्त सं० 5978, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
संक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नुदियाना

तारीखः 8 नवम्बर, 1979  
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 नवम्बर, 1979

निवेदण सं० पी० टी० ए०/२९२/७८-७९—अतः मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 9  
मरले हैं तथा जो गांव सनौर, तहसील पटियाला में स्थित  
है (और इसमें उपांडि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मार्च, 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का फ्रेंच प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्ति, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिएअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—1. श्री परस राम पुत्र श्री काला राम, गांव सनोर,  
तहसील व जिला पटियाला। (अन्तरक)2. श्री किशन चन्द्र पुत्र श्री नन्द राम, श्री चूड़ राम  
पुत्र श्री प्यारा राम, गांव सनोर, तहसील व जिला पटियाला  
(अन्तरिती)को यह भुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित तारीख से 45  
दिन की अवधिया तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में शन की तरीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 31 कनाल 9 मरले हैं और  
जो गांव सनौर, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला  
के कार्यालय के विलेख संख्या 5963, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 नवम्बर, 1979

निवेश सं० एस० एम० एन०/३०/७८-७९—अतः मुझे,  
मार० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल है तथा  
जो गांव मलकाना, तहसील समाना में स्थित है (और इससे  
उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्सी अधिकारी के कार्यालय, समाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—  
6—386GI/79

1. श्री नरन्जन सिंह पुत्र श्री सरवन सिंह, वासी  
समाना। (अन्तरक)  
2. श्री भूपिंदर कुमार पुत्र श्री प्यारा लाल, वासी  
समाना, सब तहसील समाना। (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रथ्याय 20-क में परिभासित है, वहीं  
अर्थ होगा जो उस प्रथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल है और जो गांव  
मलकाना, सब-तहसील समाना में स्थित है।

(जायेंदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, समाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 1429, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)

मार० के० मलहोत्रा  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्र० प्र० श्री ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० एन० बी० ए०/११५/७८-७९—अतः, मुझे,  
ग्राह० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 विधा 19  
विसवा है तथा जो गांव अगेता, तहसील नाभा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,  
तारीख मार्च, 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र मंगत सिंह, वासी गांव  
डाबरी, तहसील व जिला करनाल (हरयाणा)। (अन्तरक)

2. सर्वेश्वरी प्रगट सिंह, उजागर सिंह, निरभय सिंह,  
अमर सिंह पुत्र श्री गजन सिंह, वासी गांव अगेता, तहसील  
नाभा। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तक्षस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 विधा, 19 विसवा है और  
जो गांव अगेता तहसील नाभा में स्थित है।

(जायेंद्राद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, नाभा के  
कार्यालय के विलेख संख्या 2703, मार्च, 1979 में वर्ज  
है)

ग्राह० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राईटी एन एन ००००

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० एस० आर० डी०/२२४/७८-७९—अतः मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-व के अधीन सकार साधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल है तथा  
जो हुसैनपुरा, तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इससे  
उपारबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मार्च, 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय फाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित  
महीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के दायित्व में कभी  
करने पा उससे उक्ते में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाठ नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अवधियों, पर्याप्तः—

1. श्री चनन सिंह पुत्र श्री सोहू पुत्र कनवारी, वासी  
नलीना कला, तहसील सरहिन्द। (अन्तरक)
2. सर्वश्री गुरदीप सिंह, परमजीत सिंह, बलबिन्दर  
सिंह, बलजिन्दर सिंह पुत्र श्री पारा सिंह, वासी हुसैनपुरा,  
तहसील सरहिन्द। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में छोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरें अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के पीतर  
पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में  
हिस्बद्ध किसी भन्य अवधि द्वारा, अधोवृत्ताभारी  
के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

एषटोकरण:—इसमें प्रयुक्त सभ्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित  
हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल है और जो हुसैनपुरा,  
तहसील सरहिन्द में स्थित है।(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द  
के कार्यालय के विलेख संख्या 3747, मार्च, 1979 में  
दायेदाद है)आर० के० मलहोत्रा  
सकार साधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/331/78-79—अतः मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० 111, 112, 113,  
सेक्टर 17-बी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और  
इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा कश्यप पत्नी श्री देस राज द्वारा  
जनरल अटार्नी श्री अविनाश चन्द्र, वासी मकान नं० 26,  
सेक्टर 8-ए, चण्डीगढ़।  
(अन्तरक)

2. श्री मंगा सिंह पुत्र श्री अर्जीत सिंह, श्रीमती सुरिन्दर  
कौर पत्नी मंगा सिंह, श्री मोहन सिंह पुत्र अर्जीत सिंह,  
गांव व डाकखाना प्रधोली जिला कपूरथला; श्री अमरीक सिंह,  
चन्त सिंह पुत्र दलीप सिंह, वासी चक हकीमा डा० नंगल  
माजरा, जिला कपूरथला; श्री सुच्चा सिंह, किरपाल सिंह  
पुत्र श्री राम सिंह, वासी गांव अनवारीया फार्म 7, जिला  
रामपुर (य० पी०)।  
(अन्तरिती)

3. मैसर्स यूनाइटेड डायमंड्स पिमिटेहै, एस० सी० ओ०,  
111-112-113, सेक्टर 17-बी, चण्डीगढ़-1। (वह  
मर्यादित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एस० सी० ओ० सं० 111-112-113, सेक्टर 17-  
बी, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़  
के कार्यालय के विलेख संख्या 1152, मार्च, 1979 में दर्ज  
है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979  
मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० के० टी०/७/७९-८०—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बिधा 9 बिसवा, 10 बिसवासी है तथा जो गांव औतीआना, सब-नहसील रायकोट, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए गोपया

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रबट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अपेक्षियों, अस्ति:—

1. श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री अनूप सिंह, वासी गांव औतीआना, सब-नहसील रायकोट, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. सर्वश्री छल्दि सिंह, सोहन सिंह, मोहन सिंह, लाल सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, वासी गांव औतीआना, सब-नहसील रायकोट, जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवितर्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपेक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 7 बिधा, 9 बिसवा, 10 बिसवासी है और जो गांव औतीआना, सब-नहसील, रायकोट, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रायकोट के कार्यालय के विलेख संख्या 384, जून, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रकृष्ट धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निदेश सं० आर० के० टी०/४/७९-८०— अतः मुझे  
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 विधा 9 विसवा,  
5 विसवासी है तथा जो गांव औतीआना सब-तहसील रायकोट,  
जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पांडुलिंग प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी द्वाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी घम या प्राय आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया  
जाया जाया किया जाना चाहिए था, उपराने में  
सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी श्री अनुप सिंह पुत्र  
चन्दा सिंह, वासी गांव औतीआना, सब-तहसील रायकोट,  
जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. सर्वंश्री रव्वे सिंह, सोहन सिंह, मोहनसिंह, लाल सिंह  
पुत्र श्री इन्दर सिंह, वासी गांव औतीआना, सब-तहसील  
रायकोट, जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह धूमना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अक्षियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
जाता है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 विधा, 9 विसवा, 5 विसवासी  
है और जो गांव औतीआना, सब-तहसील रायकोट, जिला  
लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रायकोट के  
कार्यालय के विलेख संख्या 334, जून, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 नवम्बर, 1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निरेश सं० एल० डी० एच०/56/79-80—ग्रत: मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परवान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1225 वर्ग गज है तथा जो गंव भीरा, जी० टी० रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्थापन में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचहूं प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में कास्तविक रूप से किए नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण 9 ही किसी प्राप्त की वावन, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कर्त्ता करने पा उसमें वचने में सुविधा के लिए बोर्डा

प्रत्यक्ष

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, पा बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री कस्तूरी लाल पुत्र श्री गोपी राम पुत्र नरेन मल वासी सावन बाजार, लुधियाना। (अन्तरक)
2. श्री गरीश कपूर पुत्र श्री सत प्रकाश वासी 82, माल रोड, लुधियाना। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी गम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रमुख बन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, वही प्रबंन होगा जो उप अन्याय में दिया जाता है।

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1225 वर्ग गज है और जो गंव भीरा, जी० टी० रोड, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 563, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एम० एस०——

अध्यक्ष प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० डी० एच०/20/70-४८०—अतः मुझे,  
आर० के० मलहोत्रा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अन्तर्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के प्रधीन प्रकाश प्राधिकारी को, पूर्व विषयात्मक करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जिसका अंतर्फल 1225 वर्ग गज  
है तथा जो गांव भौरा, जी० टी० रोड, लुधियाना  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,  
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
प्रधीन, दिनांक अप्रैल, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)  
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उपरे बढ़ने में मुविधा  
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपषारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित विविधताओं, वर्णातः—

1. श्री कौर सैन पुत्र श्री गोपी राम मावन बाजार,  
लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री गरीश कपूर पुत्र श्री सत प्रकाश कपूर,  
82-माल रोड, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बम्ब में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्त्वी अविक्षितयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोवस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योगितानुसार:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका अंतर्फल 1225 वर्ग गज है और जो  
गांव भौरा, जी० टी० रोड, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 150, अप्रैल, 1979 में दर्ज  
है)

आर० के० मलहोत्रा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निवेद सं० एल० ई० एच०/54/79-80—प्रतः मझे,  
आर० के० मलहोदा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी०- 1/761 है तथा जो  
निगर मण्डी, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

7—386GII79

1. मैसंसे भण्डारी ब्रदर्स, भण्डारी स्ट्रीट, सिवल लाइन,  
लुधियाना द्वारा श्री शांति दास, श्री सरोवर नाथ, श्री  
सरस्वती दास भण्डारी, पार्टनरज। (अन्तरक)

2. सर्वंश्री दिनेश कुमार करवा पुत्र श्री हन्स राम करवा,  
भारत कुमार करवा पुत्र श्री नरिन्दर कुमार करवा, 173-I,  
सराभा नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्ट:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्पोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जाये सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

मकान नं० बी-11-1761, निगर मण्डी, लुधियाना।  
(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना  
के कार्यालय के विलेख संख्या 553, अप्रैल, 1979 में दर्ज  
है)

आर० के० मलहोदा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 8 नवम्बर, 1979

सोहर:

प्र० प्र० प्र० ए० ए० ए० ए०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
289 अ (1) की प्रधीन सूचना

वार्ष 1 संख्या

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निवेश सं० प० ल० ड० ए० 260/78-79—प्रतः मुझे आर०  
के० मलहोत्रा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 289 अ  
के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थान स्थान प्रधिकारी को, यह सूचना उचित बाबार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० मकान नं० बी-2-294(न्य) पुराना नं० बी-1-  
1376 है तथा जो छाऊनी मोहल्ला, कुच्चा निजामूदीन, लुधियाना  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,  
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक मार्च, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मृ० विश्वास करने  
का कारण है कि स्थान स्थान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से  
अधिक है और अस्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों)  
के बीच ऐसे प्रक्षरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य में उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कृपित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के बायित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) किसी किसी प्राय या किसी अन्य प्राप्तियों को,  
जिसके भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्म-१३  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त प्रधिनियम की बारा 268-वा के अनुसरण में,  
उक्त प्रधिनियम की बारा 269-वा की उपाया (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अवृत्त :—

(1) ज्ञानी उत्तम सिंह पुत्र श्री पंजाब सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह  
वासी बी-1-1376, छाऊनी मोहल्ला, लुधियाना ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमति शान्ति देवी पत्नी श्री राम लुभाया, सर्वश्री  
श्रीम सुन्दर, सतिंश कुमार व विना कुमारी  
पुत्र व पुत्री श्री राम लुभाया, वासी बी-2-294, मोहल्ला  
छाऊनी, लुधियाना ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
आवेदियों करता है ।

उक्त प्रधिनियम के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावेपः :—

(क) इस प्रज्ञन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अविक्षियों पर सूचना की  
नामीन में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब पे  
प्रमाण द्वारा होती हो, र भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में य किसी  
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रभ्य अविक्षिय द्वारा प्रधानहस्ताक्षरी के पास निवित  
में किए जा रहे होंगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें यह स्तर गर्दों पौर वर्दों जा, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-वा में परिवर्तित हैं  
वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

### प्रत्यक्षी

मकान नं० बी-2-294 निजामूदीन कुच्चा, छाऊनी मोहल्ला,  
लुधियाना ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, लुधियाना के  
कार्यालय के विलेख संख्या 4427, मार्च, 1979 में दर्ज है )

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक 8 नवम्बर 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निदेश सं० पायल/54/78-79—अतः मुझे, आर० के०  
मलहोत्राआपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 वीघा है तथा जो गांव  
रामपुर, सब-तहसील पायल, जिला लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति को बाषत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
आवृत्ति(ख) ऐसी किसी प्राप्ति को जिसका क्षेत्रफल 25 वीघा है और जो  
गांव रामपुर, तहसील पायल, जिला लुधियाना में स्थित है।  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) करतार सिंह पुत्र श्री फत् वासी गांव रामपुर,  
तहसील पायल, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्दर सिंह पुत्र श्री नरिन्दर सिंह, गांव रामपुर,  
तहसील पायल, जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क ने परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

क्षुणि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 वीघा है और जो  
गांव रामपुर, तहसील पायल, जिला लुधियाना में स्थित है।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पायल के कार्यालय  
के विलेख संख्या 1647 मार्च, 1979 में दर्ज है)आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 8 नवम्बर 1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, लुधियाना

लुधियाना, 8 नवम्बर 1979

निवेश सं० एलडीएच/आर/130/78/79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 33 कनाल 19 मरले हैं तथा जो गांव जनडाली, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सर्वान्तर है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ब) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम जी धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ज्ञान सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री बरयाम सिंह वासी जनडाली, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री शमशेर सिंह पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह वासी जनडाली, तहसील लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तहसीलन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 33 कनाल 19 मरले हैं और जो गांव जनडाली, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 7061, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधीकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 8 नवम्बर 1979

मोहर :

प्रूप्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना  
लुधियाना, दिनांक 17 नवम्बर 1979निदेश सं० संग्रह/98/78-79—ग्रत: मुझे आर० के०  
मलहोत्राआयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व  
के प्रश्नीत प्रश्न प्राधिकारी को यह विश्वास नहीं का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25 000/- रुपये  
से अधिक है,और जिसकी सं० जायेदाद है तथा जो नाभा गेट, संग्रहर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संग्रहर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च,  
1979 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से नहीं  
कि गया :—(क) अन्तरण से दूर्दि किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरह के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आवाहर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;(1) श्रीमती जसबन्त कीर पुत्री व लोगल रीजेटेटिव  
श्रीमती गुलाब कीर विधवा श्री गोविन्दर सिंह, वासी  
सीबीया, संग्रहर।  
(अन्तरक)(2) सन्त साधू सिंह मोनी पुत्र सन्त हरी सिंह, गरुद्वारा  
सीबीया बिला व अकाल चनाना सन्त बाबा अतर  
सिंह, ममुतुआना, नाभा गेट, संग्रहर।  
(अन्तरीती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्याद्वाहिण्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।सार्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जायेदाद जो नाभा गेट, संग्रहर में स्थित है।

जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी, संग्रहर के कार्यालय  
के विलोक्त संख्या 2605, मार्च, 1979 में दर्ज है )आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियानादिनांक 17 नवम्बर 1979  
मोहर :ग्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रकाप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को घारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लधियाना, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निदेश सं० संगरुर/99/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो नाभा गेट, संगरुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष नियित में वास्तविक कर में नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए आद/या

(क) ऐसी किसी आद या किसी इन या दूसरे प्राप्तियों को जिन्हें प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या इनका प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः यदि, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के प्रत्यक्षण में, मैं उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपलब्ध (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्रीमती जसवन्त कौर पुन्नी व लीगल रीजेंटेटिव श्रीमती गुलाब कौर विधवा श्री गोविन्द सिंह, बासी सौबीया, संगरुर ।

(अन्तरक)

(2) सन्त साधू सिंह मोनी पुन्न सन्त हरी सिंह, गुरुद्वारा सौबीया बिल्ला व अकाल चलाना सन्त बाबा अतर सिंह, मसुतशाना, नाभा गेट, संगरुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

इस सम्पत्ति के पर्वते के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नम्बरमधी व्यक्तियों पर सूचना की शामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में दितव्य किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास नियित में किए जा सक्ये ।

एवं दोषरा:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिचालित हैं, वही प्रथम होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसंधान

जायेदाद जो नाभा गेट, संगरुर में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरुर के कार्यालय के विलेख संख्या 2606, मार्च, 1979 में दर्ज है )

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 17 नवम्बर 1979

मोहर :

प्ररूप ग्राइंटी एन.एस.—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, 17 नवम्बर 1979

निदेश सं. संगरु/102/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो नाभा गेट, संगरु में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संगरु में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती जसबन्त कौर पुत्री व सीगल रीप्रेजेंटेटिव श्रीमती गुलाब कौर विधवा श्री गोविन्दर सिंह, वासी सीधीया, संगरु।

(अन्तरक)

(2) सन्त साधू सिंह मोनी पुत्र सन्त हरी सिंह, गुरुद्वारा सीधीया बिला व अकाल चलाना सन्त बाबा अतर सिंह, मसुतआना नाभा गेट, संगरु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मध्यन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जायेदाद जो नाभा गेट, संगरु में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, संगरु के कार्यालय के बिलख संख्या 2696, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 17 नवम्बर 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 नवम्बर 1979

निदेश सं० लुधियाना/297/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प  
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
सं अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5-6 कमेटी नं० बी-7-23 पुराना,  
बी-7-44 नया, है तथा जो चौक गिरजा घर, चौड़ा बाजार,  
लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मार्च 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में रूप के दृश्यमान  
शर्तकल के लिए अनुरित रोपहीन और मुमे यह विश्वास करने  
का कारण है कि विषयपूर्वक अनुरित का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल ये, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात प्रतिशत प्रतिकूल है और प्रतिकूल (प्रतिकूल)  
और अनुरिती (अनुरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरोधण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरितण  
लिखित में वास्तविक इप से क्षिति नहीं किया गया है :—

(क) अनुरित से ही किसी धार्य की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिकूल के  
विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
या किसी आकार आहिए या, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरम  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचारा (1)  
अधीन, विम्बलिड अनुरिती, अधीत :—

(1) श्री मस्ताक राय पुत्र श्री दिग्ग्रानत राय पुत्र श्री  
सुभ करन दास, श्रीमती पुष्पा बन्ती, कैलाश बन्ती  
पुत्रिया श्री दिग्ग्रानत राय पुत्र शम्भकरन दास, वासी  
मुहल्ला सेक्कां दरेसी रोड, लुधियाना द्वारा श्री मस्ताक  
राय, जनरल अटारनी।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश कुमार पुत्र श्री हन्स राज पुत्र श्री उत्तम  
चन्द मारफत मैसर्ज नाथ दी हट्टी, चौड़ा बाजार,  
लुधियाना।

(अन्तरिती)

(3) बस्ती राम, दुकान नं० बी-7-23 पुराना बी-7-44  
नया चौक गिरजा घर, चौड़ा बाजार, लुधियाना।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री बस्ती राम, दुकान नं० बी-7-23 पुराना, बी-7-44  
नया, चौक गिरजा घर, चौड़ा बाजार, लुधियाना  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीवृहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ओ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीवृहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं वहों प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 5-6 बी०, 7-23 पुराना, बी०-7-44 नया, जो गिरजा  
घर चौक, चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के  
कार्यालय के लिए दिया गया अनुरिती के लिए दिया गया है)

आर० के० मलहोत्रा  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 17 नवम्बर 1979

मोहर :



प्रूप्र प्राई० टी० एन० एस०—  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना  
लुधियाना, 17 नवम्बर 1979

निदेश सं० लुधियाना /333/78-79—अतः मुझे आर० के०  
मलहोत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग अधूरी बनी हुई बिल्डिंग नं० 73,  
है तथा जो इंडस्ट्रीशल एरिया, चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति:—

(1) श्री रघवीर सिंह, व  
श्री चत्तर सिंह पुत्र स्व० श्री जगत सिंह,  
वासी मकान नं० 240, सैकटर 9-सी-चन्डीगढ़ ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता बन्ती पत्नी पत्नी श्री मोहन सिंह,  
श्रीमती बीबा बक्सी पत्नी श्री अमरजीत सिंह,  
श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह,  
सारे वासी मकान नं० 120, सैकटर 36-ए, चन्डीगढ़ ।  
श्रीमती गुरविन्दर कौर पत्नी हरमोहिन्दर सिंह,  
श्री जतिन्दर सिंह पुत्र श्री हरमोहिन्दर सिंह,  
सारे वासी मकान नं० 141, सैकटर 16-ए, चन्डीगढ़ ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनसूची

1/2 भाग अधूरी बनी हुई बिल्डिंग नं० 73, इंडस्ट्रीशल  
एरिया, चन्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के  
कार्यालय के विनेश संख्या 1190, अप्रैल, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 17 नवम्बर 1979  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आवाहन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/195—यतः मुझे, एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अंतर्गत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरक्षित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है, जो मजीठा रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच दो से अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आ: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती चन्द्र मोहनी पत्नी पृथ्वी लाल मजीठा रोड़ अमृतसर यू० जगन्नाथ पुत्र नन्दलाल 2, मजीठा रोड़ अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुलशन राज कौर पत्नी पृथ्वीपाल सिंह के भारकत प्रताप सिंह कोडी नं० 7 शिवाल रोड़ अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेवार हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)4: यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट भूमि 636 गज मजीठा रोड़ अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 146/1 दिनांक 17-4-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 22-10-1979

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
राष्ट्रीय, नहाय 6 आयकर प्रायुक्ता (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 19 अक्टूबर 1979  
निदण सं० अमृतसर 79-80/196—पतः भुमि, एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ग  
के अधीन सभी प्राधिकारी द्वारा यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिन उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० ए० प्लाट है, जो ग्रीन एवेन्यु अमृतसर में  
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप भू  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन मार्च 1979 को

पूर्वोक्त उक्ति के उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिकल  
के लिए अन्तरिक्त की गई है और भुमि यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तर (अन्तर्का) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित  
उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(न) अन्तरण से दुर्ई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुन्दर सिंह पुत्र तारा सिंह 941/6 रसवाक मण्डी  
अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. श्री गंती मोहनजीत कौर पत्नी त्रिलोचन सिंह गली  
भगिमाला अमृतसर।  
(अन्तरिक्ती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होनी हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रथम व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

सम्पूर्ण:— इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एक प्लाट नं० 349 365 स्थायर गंज ग्रीन  
एवेन्यु अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4696 दिनांक 29-3-79  
रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 19-10-79  
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० पठानकोट/79-80/197—प्रतः मुझे एम० एल०  
महाजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पारचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैश्रीर जिसकी सं० एक जमीन है, जो दलहौजी रोड़ पठानकोट  
में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से  
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16)  
के अधीन तारीख मार्च 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरको) श्रीर  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से उक्त नियम को बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर दें के अन्तररु के रागित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
श्रीर/था(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—1. श्रीमती जनदीका देवी पत्नी बेदवत महाजन धान्ग  
रोड़ पठान कोट।

(अन्तरक)

2. 1 जोगिन्दर सिंह, मोहिन्दर सिंह पुन्नगण करम सिंह  
शोपकेपर मिशियनरोड़ पठान कोट।

(अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान वो मंजिला एरिया 525 गज बल हौजी रोड़  
पठान कोट रजिस्ट्रीकृत नं० 3010 दिनांक 15-3-79 जैसा  
कि रजिस्ट्री अधिकारी पठान कोट में है।एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 24-10-79

मोहर :

प्रकृष्ट वाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 19 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/198—प्रत: मुझे,  
एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ  
अधीन स्थाप नाप्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थायर सम्पत्ति, त्रिसात्र उचित वाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है, जो पीछे की तरफ इस्ट मोहन  
नगर में स्थित है (और इससे उपरवाले अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख भार्द 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान  
प्रतिफल न हिन्द रखने को गई है और यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,  
इसके बृथ्यमान प्रतिफल से ऐसे बृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिफल अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिकी  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में  
वाइविक कप से कर्चित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कठोर करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए घोषणा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिहे आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
वया या या किसी जानाचाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की आरा 269-घ के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम, की आरा 269-घ की उपकारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवैत :—

1. मैसर्स नीलगिरी टी कम्पनी सामने गेट थी मण्डी  
अमृतसर हरबन्स सिंह पुत्र मोहन सिंह (अन्तरक)  
2. श्री चनन सिंह पुत्र राम सिंह द्वारा सन्तवाबा विश्वन  
सिंह 293/1 चौरंग रोड अमृतसर।  
(अन्तरिक्ती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई फिरायेदार हो तो  
(वह अविक्त जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)  
4. यदि कोई अविक्त इस सम्पत्ति में लूचि रखता हो तो।  
(वह अविक्त जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए  
वायेक्षणियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण :—इसमें प्रकृत शब्दों और पश्चों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

एक प्लाट 527 1/3 मीटर गज पीछे साईड इस्ट मोहन  
नगर रजिस्ट्रीकृत नं० 4496/1 दिनांक 2-3-79 रजिस्ट्री  
अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 19-10-79  
मोहरः

प्रलूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० एएसआर/79-80/199—प्रतः मुझे, एम०  
एन० महाजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
दृसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/2 घेर मकान है, जो कोट करनैल सिंह में  
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर म भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
कल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपरे  
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, तिम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(५) प्रत्यरुप से हुई किसी प्राप्त की बाबू, उस  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष;  
प्रौरथा

(६) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या ग्रन्थ यास्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उस अधिनियम, या उन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आविष्कार, चिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमु-  
ख्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निष्कालिक अविनाशी, अर्थात् ।—

1. श्री संतोष सिंह पुल करनैल सिंह मकान नं० 10600-  
40 कोट करनैल सिंह अमृतसर।

(अन्तरक)

2. संतोष कुमारी पुली श्री धोर्मदेव मकान नं० 10600/  
40 कोट करनैल सिंह।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो ।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 घेर मकान नं० 10600/40 कोट करनैल सिंह  
मुलतान पिण्ड रोड अमृतसर रजिस्ट्रीक्रेट नं० 4639/1 दिनांक  
26-3-79 रजिस्ट्री अधिकारी, अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

तारीख: 17-10-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 3/ए०एस०आर०/79-80/200—यतः, मुझे,  
एम० एस० महाजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
श० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1/2 शेयर मकान है, जो कोट करनैल सिंह  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख अप्रैल 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फदह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मंतोप सिंह पुत्र सुखदयाल अवादी कोट करनैल  
सिंह मुल्तान पिण्ड रोड अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. श्री सरदारी नाल पुत्र सुखदयाल मकान नं० 10600/नं०  
XVI-40 कोट करनैल कटरा भान सिंह अमृतसर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है यदि कोई किया विश्वास हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

1/2 ग्रेर मकान नं० 10600-40 कोट करनैल मिह  
मुल्तान पिण्ड रोड अमृतसर जैसा कि, रजिस्ट्रीकूत नं० 100/1  
दिनांक 11-4-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर गहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 17-10-1979

मोहर:

प्रस्तुप बाई० टी० एन० एम०-----

आयकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा  
269-प (1) के मध्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० बीटीसी/79-80/201—यतः मुझे एम० एल०  
महाजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रन्थान् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), जो ओरा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट धर्मपुरा में है, जो कालोनी में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, बटाला जिं० गुरदासपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिकी (प्रन्तरिकियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी याय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के मध्यीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य अस्तित्वों, को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्यापकनाथ प्रन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

यतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की ओरा 269-प की उपधारा (1) के मध्यीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

9-386GI/79

1. श्रीमती दायावन्ती पुत्री नाला मुन्दर दास बटाला 1 जिं० गुरदासपुर।

(अन्तरक)

2. श्री पी० सी० ढीभरा पुत्र राम कुशन डीगरा मोती बाजार बटाला।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेवार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि कोई व्यक्ति इम सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बचे होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 27 मरला 3½ सरीज धर्मपुरा कालोनी बटाला जैसाकि रजिस्ट्रीकृत नं० 7347 दिनांक 26-3-79 रजिस्ट्री अधिकारी बटाला शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 22-10-1979

मोहर:

प्रकृष्ट पाई० टी० एन० एस०—

आणकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर/79-80/202—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विवाह उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो जोशी कालोनी में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्राप्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी पार ती बाबत, उक्त विधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या वर्ष आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त।—

1. श्री वृजभूपत धुत वीर बहादर जोशी श्रीमति रमेश जोशी पत्नी वृजभूपत जोशी दुर्गायाना आबादी, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री रघुपाल दागा श्री गोपाल दागा पुत्र रामराधी दास माल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताकरी जानता है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधन के संबंध में कोई भी प्रार्थना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में जो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुत्तृष्णी

1/2 भाग प्लाट नं० 864.8 स्क्वायर गज जोशी कालोनी रजिस्ट्रीकृत नं० 4616 दिनांक 22-3-79 रजिस्ट्री प्राधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 19-10-1979  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. --

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 अक्टूबर 1979

निर्देश सं. बीटीएल/79-80/203—यतः मुझे एम०  
एल० महाजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सकार प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक प्लाट है, जो धर्मपुर बटाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिफल से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; प्रोत्था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरन में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपलासा (1) के प्रधीन निन्नलिखित अवित्यों, अवधि:—

- श्रीमती दायाबन्ती पुत्री सुन्दर दास बटाला। (अन्तरक)
- श्रीमती प्रीतमा दीपरा पत्नी पी. सी. दीपरा मोती बजार बटाला जि. गुरदासपुर। (अन्तरिती)
- जैमा कि नं. 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोदृस्ताक्षरी जानता है)
- यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोदृस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

एक प्लाट 27 माला 3 1/2 सरसी धर्मपुरा कालोनी बटाला रजिस्ट्रीकृत नं. 7346 दिनांक 26-3-79 रजिस्ट्री प्राधिकारी बटाला शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सकार प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जेन रेज, अमृतसर।

तारीख: 22-10-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269वं (1) के प्रधीन सूचना

सरकार सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अक्टूबर 1979

निदेश सं० एएसआर०/79-80/204—यतः मुझे, एम० एल०  
महाजन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वं के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० कुषि भूमि है, जो जोशी कालोनी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत प्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व प्रथ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राहीतः—

1. श्री बृज भूषण जोशी पुत्र बीर बहादुर, श्रीमती रमेश जोशी पत्नी बृज भूषण जोशी, दुर्गायाना आबादी, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री रघुपाल दाग, श्री गोपाल दाग पुत्रगण राम रघुपी दास, माल रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जेसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएवार हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट 864.8 मीटर गज जोशी कालोनी रजिस्ट्रीकृत नं० 24/1 दिनांक 3-4-79 रजिस्ट्री प्राधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सहायक प्राधिकारी,  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 19-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 6 नवम्बर 1979

निवेश सं० एएसआर/79-80/205—यतः मुझे, एम०  
एल० महाजनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० एक मकान, हाल बाजार अमृतसर है तथा  
जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन जुलाई 1979की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए ग्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(ग्रन्तिरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे  
ग्रन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—(क) ग्रन्तरण से दूर्दि किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये ;प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा, (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अवृत्त :—1. फील्ड मार्शल एस० एच० एफ० मानक शा  
45 बलेन्टिया नारोजी गम्बियां रोड, बम्बई।  
(अन्तरक)2. श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र जोगिन्दर सिंह, माल रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)4. यदि कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में दब्ति रखता हो  
तो।(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरिया व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक मकान 1/4 भाग हाल बाजार अमृतसर रजिस्ट्रीकृत  
नं० 1020/1 दिनांक 2-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर  
शहर, में है।एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज; अमृतसर

तारीख : 6-11-1979

मोहर :

प्रलेप प्राई. टी. एन. एस. ०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं. एएसआर०/79-80/206—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. एक मकान हाल बाजार अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्कारों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. फील्ड मार्शल एस० एच० एफ० मानक शा, ब्लेन्टिया नारोजी गम्भिया रोड, बम्बई-26।  
(अन्तरक)
2. श्री सुरेन्द्र सिंह गिल पुत्र इन्द्र सिंह, माल रोड अमृतसर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं. 2 में है। यदि कोई किरायेदार हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में हचि रखना हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीर्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पण्डीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान 1/4 भाग हाल बाजार अमृतसर रजिस्ट्रीकूल नं. 1019/1 दिनांक 2-7-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-11-1979

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1979

निदेश सं० एएसआर०/79-80/207—यतः मुझे, एम०  
एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० एक मकान हाल बाजार अमृतसर है तथा जो अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. फील्ड मार्शल एस० एच० एफ० मानक शा बलेन्टिया नारोजी गम्बिया रोड बम्बई।  
(अन्तरक)

2. श्री गुरिन्दर सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह गिल माल रोड अमृतसर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में हचि रखता हो तो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दृष्टिकरण :—इसमें पूर्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान 1/4 भाग हाल बाजार अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4701/1 दिनांक 29-3-79 जैसाकि रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 6-11-1979

मोहर:

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की

भारा २६९-व (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक ६ नवम्बर, १९७९

निर्देश सं० एएसआर०/७९-८०/२०८—यतः मूँझे, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-व (१) के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को प्रह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान हाल बजार, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख मार्च १९७९

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की जाई है और मूँझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षी) पीर अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष अन्तरिति में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से हीरे किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या प्रत्यक्ष आरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व (१) के प्रत्यक्ष में, ये, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपचारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रत्यक्ष:—

१. श्री फील्ड मार्सेल एस० एच० एफ० मानक श ४५-ब्लेन्टिया नारोजी गम्बियां रोड बम्बई । (अन्तरक)

२. श्री जोगिन्दर सिंह गिन पुत्र इन्द्र सिंह मान रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

३. जैसा कि नं० २ में है। (यदि कोई किराएवार हो) तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

४. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीक्षता करता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना आरोप करके दुर्बोल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि, या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी प्रबंध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता के पास लिखित में किए जा सकें।

उपर्योक्तण:—इसमें प्रत्यक्ष शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृतसर

एक मकान 1/4 भाग हाल बजार, अमृतसर रजिस्ट्रीकूत नं० ४७००/१ दिनांक २९-३-७९ जैसा कि रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: ६-११-७९

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आमतंत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत लेटर्स

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निदेशमंगलप्रभार०/79-80/209-यतःमुझे, एम०एल०  
महाजन,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैजिसकी सं० प्लाट कृष्णा नगर लारेन्स रोड अमृतसर है  
तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मार्च 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षत छी गई है और मुझे  
यह विश्वास नहीं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों)  
और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के  
लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण  
नियमित रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) भन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन करने के प्रत्यक्षरक के दायित्व में कसी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या ग्राम अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, उक्ताने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाना (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतृत्ति--  
10-386GI/791. श्री तेजा मिह पुत्र आशा मिह पुत्र स्वर्ण सिंह अमृतसर  
(जनरल अर्टिनी)।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदीप मिह पुत्र तारा मिह गली नं० 3 1989  
तहसील पुरा अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैपाकि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
सम्पत्ति है)4. यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेश के लिए  
कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अस्त्र व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के भावाय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भावाय  
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मजान 550 बीटर गंज कृष्णा नगर लारेन्स रोड  
अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 455 दिनांक 17-3-79 रजिस्ट्री  
अधिकारी अमृतसर शहर में है।एम०एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 7 नवम्बर, 1979।

मोहर:

प्रकाश प्राईंट टी० ५८० ४८०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व/1) के प्रवीन सूचना

भारत मराठा

कार्यालय, सक्षम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 7 नवम्बर 1979

निर्देश स० पांगमार/79-80/210—यतः मुझे एम० एल०  
महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी स० एक प्लाट गुरुबक्स नगर अमृतसर है, तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यगत प्रतिकूल के निए भ्रमित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भनारक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से इक्षत पन्नरण लिखित में आसन्निक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दृष्टिकोण में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ जो जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपने में विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलजीत सिंह पुत्र बलवन्त सिंह गंवि मचूरी करा तहसील अलोह जि० पटियाला।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी मुक्तार सिंह बरलाल चम्पाल गुरदासबेक्स नगर अमृतसर।  
(अन्तरिती)
3. जैमाकि न० 2 में है यदि कोई किराएदार हो तो ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह नुस्खा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जारीकरिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तारीखांशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

उपलिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 396 मीटर गज (475 मीटर गुरुबक्सनगर अमृतसर रजिस्ट्रीक्यूट न० 4419 दिनांक 5-3-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 7 नवम्बर 1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एएसआर/79-80/211—यतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० एक बिल्डिंग कठरा दल सिंह है तथा जो  
अमृतसर में स्थित है। (और इसमें उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख मार्च 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन;  
निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात्:—

1. श्री चतुर्भज राज कुमार सुरेश कुमार पुत्र जेठा नन्द  
लीनावती पत्नी जेठा नन्द 297 ग्रीन पैवेनीयु  
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदीप मिह पुत्र संतोष सिंह जोरा पीपल  
अमृतसर।

3. जसा फि नं० 2 में यदि कोई किराएदार हो तो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से निसी अक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग मकन नं० 9/10/5 कठरा दल सिंह अमृतसर  
रजिस्ट्रीकृत नं० 4610 दिनांक 22-3-79 जैसाकि रजिस्ट्री  
अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9 नवम्बर, 1979

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा  
269-ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, [दिनांक 9 नवम्बर 1979]

निर्देश सं० एएसआर/79-80/212—यतः सुन्ने एम०  
एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा  
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने  
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एक प्लाट कृष्णानगर अमृतसर है तथा जो  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्टर्ट अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख मार्च 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह  
विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, विस्तृतिकृत  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयावनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ख के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ख की उचाई  
(1) के अधीन विस्तृत व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री गुरबचन सिंह पुत्र गन्डा सिंह 73 लखनऊ रोड  
दिल्ली नं० 112 दयानन्द नगर अमृतसर (अन्तरक)  
2. श्रीमती मनोहरमा पुत्री चिमन लाल, नरेश कुमार पुत्र  
चिमन लाल कटरा दुन्हों अमृतसर।  
(अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)  
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता होतो ।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदि में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में श्रिवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा मिलें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक प्लाट 816 गज कृष्णा बगर अमृतसर में रजिस्ट्रीकृत  
नं० 4487 दिनांक 9-3-1979 जैसाकि रजिस्ट्री अधिकारी  
अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 9 नवम्बर, 1979 ।

मोहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर, 1979

निर्देश [सं० एससीआर/79-80/213—पतः मुझे एम०  
एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान का टुकड़ा कृष्णा नगर में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः पर, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपनारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात् :—

- श्री गुरबचन सिंह पुल गन्डा राम 73 लखनऊ रोड नई दिल्ली लीब 112 दयानन्द नगर, अमृतसर। (प्रत्यक्ष)
- श्री चन्द्र मोहर काली चरन पुल चमन लाल कटरा दुलहों अमृतसर। (अन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएवार हो तो । हो तो (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में शब्द रखता हो तो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबूद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग ।

**स्पष्टीकरण** :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक घ्लाट 816 गज कृष्णा नगर अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4488 दिनांक 9-3-79 जैसा कि रजिस्ट्री प्राधिकारी अमृतसर शहर में है ।

एम० एल० महाजन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर शायक (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-11-79

मोहर

प्रस्तुप शाई० टी० एम० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/214—यतः, मुझे, एम० एल०  
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एक शीड उल्हौजी रोड पठानकोट है तथा  
जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
पृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके पृथमान प्रतिफल से, ऐसे  
पृथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या वस्तु आस्तियों  
को, जिसे, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री दीना नाथ पुत्र राम धन शर्मा उल्हौजी रोड  
पठानकोट।

(अन्तरक)

2. मैसर्जे गुरुनानक फर्नीचर मार्ट उल्हौजी रोड पठानकोट  
पुत्र सूरत सिंह स्वरूप सिंह कुदन सिंह उल्हौजी  
रोड पठानकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में हवाल रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बाध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक शेड्नीचे भूमि 18 मरला उल्हौजी रोड पठानकोट  
रजिस्ट्रीकृत नं० 3130 दिनांक 28-3-79 रजिस्ट्री अधिकारी  
पठानकोट में है।

एम० एल० महाजन,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 9-11-79

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्राह  
269-४ (1) के अधीन पूर्वां

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/215—यतः मुझे, एम० एल०  
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके  
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो धारा 269-४ के  
अधीन सशब्द प्राधिकारी को, यद्य पिशास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० एक शेड दलहौजी रोड पठानकोट पर है तथा  
जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुभूति में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये प्रत्यक्षित की गई है और भूमि यह पिशास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिकाल अधिक है और प्रत्यक्षित की तारीख से 45  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तराल के लिए तथा यदा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तराल लिखित में  
वास्तविक कारण से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तराल से हुई किसी भाव की वादत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायिक में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन वा अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए  
या या, कियाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-४ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-४ की उपस्थारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीना नाथ पुत्र रामधन दलहौजी रोड, पठानकोट।  
(अन्तरक)
2. मैमर्व राम चरिण फर्नेंचर हाउस थू. अंजीत सिंह  
सूरत सिंह देश राज दलहौजी रोड, पठानकोट।  
(अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)
4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में हचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूरत जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रकाश के लिये  
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई घों आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक शेड नेची भूमि 18 मरला दलहौजी रोड रजिस्ट्रीकूट  
नं० 3131 तारीख 28-3-79 रजिस्ट्री अधिकारी पठानकोट  
गृहर में है।

एम० एस० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 9-11-1979  
मोहर :

प्रकप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रवीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एएसआर/79-80/216—यतः मुझे एम० एस०

महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रवीन सज्जन आधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संरक्षि, विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- वा० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक मकान कटरा शेर सिंह अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, तारीख मार्च 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठान का प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिष्ठान, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरक भित्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से तुर्हि किसी पाय की बाबत, उच्च अधिनियम, के प्रवीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कभी बरने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या धन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असंरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उच्च अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उच्च अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अर्जीम सिंह पुनर शीकान सिंह कटस शेर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स रामा कृष्णना इंडस्ट्रीज एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स 273-डी, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उच्च संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च अधिकार संपत्ति में हितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उच्च अधिनियम के धन्याय 20-क में परिचायित हैं, वही धन्य होगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 927/III-7 कटरा शेर सिंह जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4746/1 दिनांक 30-3-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30-3-79

मोहर:

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/217—अतः, मुझे, एम०  
एल० महाजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० एक बिल्डिंग कोट्ट रोड अमृतसर है तथा  
जो अमृतसर में स्थित है (प्रीर इससे उपाग्रह अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख मार्च 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—386GI/79

1. श्री सोहन सिंह पुत्र चौधरी मान सिंह 51/1 कोट्ट  
रोड अमृतसर।  
(अन्तरक)2. श्रीमती गुरमीत कौर पत्नी कुलदीप सिंह और  
रमेश चन्द्र पुत्र स्वर्ण नाथ शर्मा, हुक्म सिंह रोड  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसको अधिभोग में  
सम्पत्ति है)4. जैसा कि यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता  
हो तो।(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

## अनुसूची

एक कोटी नं० 51/1 एरिया 641 मीटर कोट्ट रोड अमृतसर  
जैसाकि रजिस्ट्रीकृत नं० 4737 दिनांक मार्च 1979 रजिस्ट्री  
अधिकारी अमृतसर शहर में है।एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 9-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/218—यतः, मुझे, एम० एल०  
महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक महान कोट बाबा दीप सिंह अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्णरूप इसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 को के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रन. प्रब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. चंपन सिंह, मुन्ही सिंह पुत्र दिवान मिह श्रीमती लीला वती, शीलावती पुत्री दिवान सिंह गली नं० 2 कोट बाबा दीप सिंह अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री शेर सिंह पुत्र हुकम सिंह गली नं० 2 कोट बाबा दीप सिंह अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं० 3815/80 मगली नं० 2 कोट बाबा दीप सिंह रजिस्ट्रीकृत नं० 4406/दिनांक 3-3-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9-11-1979

मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०—  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/219—यतः, मुझे, एम० एल० महाजन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान बाजार टोकरियौं अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नाल प्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नान्तरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रासायनिक रूप से लिखा नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या हिसी व्रत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के मुत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्:—

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र कृष्णन चन्द्र 7-सी माडल टाउन नई दिल्ली नया बजार टोकरियां अमृतसर।  
(अन्तरक)
2. श्री जोगिन्दर लाल पुत्र हेम राज चौक फूलावाला अमृतसर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० में है। यदि कोई किरायदार हो तो।  
(वह अकित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि कोई अकित सम्पत्ति में सचि रखता हो तो।  
(वह अकित जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

संबोधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिमापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मकान बाजार टोकरियां अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 4413/1 दिनांक 30-3-79 रजिस्ट्री अधिकारी प्रभुता शहर में है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 9-11-1979

मोहर:

प्रूलप आई० टी० एन० एस० ——

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 9 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ए एस आर/79-80/220—यतः मुझे एम० एल० महाजन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एक प्राप्ति अमृतसर है तथा गली मटीवाली जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृतः:—

1. श्री ताराचन्द पुत्र मेराम चौरसी अटारी अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री गोपाल कृष्ण पुत्र केवल कृष्ण श्रीमती कान्ता रानी पत्नी केवल कृष्ण मकान नं० 4007-8 चौरसी अटारी अमृतसर। (अन्तरिती)

3: जसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किरायदार हो तो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4: यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में सचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताधारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जाए सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 4007-8 गली मटी वाली चौरसी अटारी अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4742/ दिनांक 30-5-79 रजिस्ट्री प्राधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 9-11-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निर्वेश सं० अमृतसर/79-80/221—यतः, मूल्य, एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा (प्लाट) कृष्णा नगर लारेन्स रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुद्दे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी/किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1: श्री हरीश कुमार मेहरा पुत्र भगवान दास मकान नं० 137/12 कटरा परजा, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री अर्जीन्द्र मिह पुत्र हरभजन मिह द्वारा रोयल मेडिकल स्टोर लारेन्स रोड अमृतसर।

(अन्तरिती)

3: जमा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभेग में सम्पत्ति है)

4: यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में हचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीक्षित व्यक्ति जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है ।

### अनुसूची

एक प्लाट नं० 641 रकबा 333 इस्कवाय गज कृष्णा नगर लारेन्स रोड अमृतसर रजिस्ट्रीकृत नं० 4576/1 दिनांक 19-3-79 जमा कि रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-11-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/222—यतः, मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का टुकड़ा तुंगताला पुरानी जेल रोड, अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979 को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पूर्वी पाल सिंह अलीस पुत्र नन्द सिंह अमृतसर नीव गढ़ शंकर रोड जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरेन्दर सिंह पुत्र जगजीत सिंह 26 कटरा थेर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसकी अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

एक प्लाट का टुकड़ा 260 इक्कवार्य गज पुरानी जेल रोड अमृतसर रजिस्ट्रीकूत नं० 4684 दिनांक 29-3-79 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-11-1979  
मोहर :

प्रकल्प प्राइंटी टी. एन. एस. —

आवाहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निर्वेश सं० बीटीएस/79-80/223—यतः मुझे एम० एल०  
महाजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सञ्चालन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- ए० से अधिक हैऔर जिसकी सं० कुषि भूमि गांव वैरोंके त० बटाला जिला  
गुरदासपुर है तथा जो वेरका में स्थित है (और इससे उपायदृ  
श्नुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पद्धत  
प्रतिशत से अधिक है तो और अन्तरक (अन्तरर्क) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया  
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य पर उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है —(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने वें  
पूर्विधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या बनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, तिपाने  
में सुविधा के बिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुत्तरव ये, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की  
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री सन्तोष सिंह पुत्र हरी मिह जानन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदयाल पुत्र शेर सिंह डेरा बाबा नानक त०  
बटाला।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 म है। यदि कोई किगएदार हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति है में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी भूम्य अधिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।संबोधकरण :— इनमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याय भी उक्त  
अधिनियम के प्रयोग द्वारा अन्तरित हैं, वही पर्याय द्वारा, जो उस प्रयोग  
में दिया गया है।

अनुबूष्ठा

कुषि भूमि 59 कनाल 13 मरला (1/5 भागजो 298:6  
मरला) वेरका में है। रजिस्ट्रीकूत नं० 1559 दिनांक 1-3-79  
जैसाकि रजिस्ट्री अधिकारी बटाला शहर में है।एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 13-11-79

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टो० एन० एस०----

ग्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एएसआर/79-80/224—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्राप्ती कूचा निकासीयां हैं तथा जो .....में स्थित हैं (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाग्रूहोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरब्द से ही किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अधिकार के विषय में कभी करने या उक्से बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी भूमि या वन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन्धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुचरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिव नारायण बंसल पुत्र श्री केरन राम १/० गली राजा उगर सैन, बीना राम बाजार, दिल्ली-नं० 1071 ।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव कृष्ण राकेश कुमार पुत्र पश्चा लाल कट्टरा मोती राम नं० 77 अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपरनं० २ में है, यदि कोई किराएवार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इसमें रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी ग्रामेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में पर्याप्त व्याख्या दी गयी है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

एक मकान नं० 603/2 बजार प्रताप कूचा निकासीओं जैसाकि सेलडील नं० 4668/I दिनांक 18-3-79 अधीन रजिस्ट्रिंग ग्रामोरेटी अमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन, सकाम प्राधिकारी, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 13-11-1979

मोहर :

प्रलूप भाई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निर्देश सं० एएसआर/79-80/225—यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), को आरा 269-व के प्रधीन मत्राम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक प्लाट जो कि जवाहर नगर अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस०आर०अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रनतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रोर अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रनतरितियों) के बोर ऐसे अन्तरण के लिए तथा आय गया प्रतिकल निम्नलिखित वर्तमान से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने वा उससे बदलने में सुविधा के लिए। बोर/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, किसी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या द्वनकर अधिनियम, 1957 (1956 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम को आरा 269-व की उपाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

12-386GI/79

- श्रीमती भूपिन्द्र कौर पत्नी जगजीत सिंह जावल मण्डी  
अमृतसर] (अन्तरक)
- श्रीमती जगविन्द्र कौर पत्नी एम० जगजीत सिंह गोपाल नगर, अतीत सिंह पुत्र श्री सरबन सिंह गोपाल नगर, अमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 पर और कोई किराएदार हो

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- यदि और कोई व्यक्ति इस में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाचियों करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभायित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक प्लाट जोकि 759'92 वर्ग मीटर जवाहर नगर बटाला रोड अमृतसर जैसाकि सेल डीड नं० 6245 दिनांक 1-3-79 आफ वी रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 15-11-79

मोहर :

प्रमुख माई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा  
269व (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 नवम्बर 1979

निर्देश सं० ए००१०/७९-८०/२२७—यतः, मुझे, एम०

एल० महाजन,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके ११४वाँ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अन्तीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो वासरके गांव में  
स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख मार्च, 1979को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमाद प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य  
प्रतिशत से अधिक है और उक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय याया यथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिवित में  
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है।—(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त अधि-  
नियम के अन्तीन कर देने के प्रमारक के वायित्व में करने  
करने या उसमें रखने में भूमिका के लिए; धोर/प.(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छत या अन्य प्रासितियों  
को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनात्मक अन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;यतः प्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों प्रथातः—1. श्री गोपाल सिंह पुत्र ऊधम सिंह निवासी वासरके,  
तहसील अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री सविन्द्र सिंह, सविन्द्र सिंह पुत्र मूला सिंह

(अन्तरिती)

3. जैसाकि सं० २ में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)4. यदि और कोई व्यक्ति उसमें रुचि रखता हो तो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अंतर्न के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यक्तिप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की प्रवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना  
की तारीख से ३० दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर अविक्तियों  
में से किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।उपकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के पड़ावाप २०-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही मर्ह होंगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ३२ कनाल ३ मरले जोकि वासरके गांव में स्थित  
है जैसाकि सेल लीड नं० ६५१४ दिनांक १६-३-७९ रजिस्ट्रिंग  
अधिकारी तहसील अमृतसर में दर्ज है।एम० एल० महाजन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: १६-३-७९

मोहर :

## प्रकरण नं. ३०० एम. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
प्रार्थना, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निर्देश सं. ए० सी० ३४/रेज ११/कल०/१९७९-८०—यतः,  
मुझे, एस० सी० यादव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रु. से  
अधिक है।

और जिसकी सं. 42 है तथा जो वेचाशम चाट्टार्जी रोड वेहाला  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जेन्ड्र  
सब रजिस्ट्रार आसीपुर वेहाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-३-७९  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्षहृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी पाय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन, कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने  
में सुविधा के लिए।

यतः यद्यु, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्जातः—

1. श्री किरन कुमार चौधुरी

(अन्तरक)

2. श्री विनोद विहारी दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्ये अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 42 वेचाराम चाट्टार्जी रोड, वेहाला, जमीन का  
परिमाण 3 कट्ठा 4 छटांक 38 स्कवार्य फीट।

एस० सी० यादव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख : 4-9-79

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० ५९१/रेज-III/कल०/१९—यतः मुझे,  
भास्कर सेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 65, केशव चन्द्र सेन स्ट्रीट है, तथा जो कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 23-3-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवार्ति:—

- मैं मित्र एण्ड थोष  
10, श्यामचरण डे स्ट्रीट, कलकत्ता (अन्तरक)
- मैं मित्र एण्ड थोष पञ्चलशारस प्राइवेट लिं.
- 10, श्यामचरण डे स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ एस्पोरेन्स, कलकत्ता समीप, 1979  
का दलिल सं० 1662 द्वारा रजिस्ट्रीकृत नं० 65, केशव चन्द्र  
सेन स्ट्रीट कलकत्ता। कलकत्ता स्थित समूचा।

भास्कर सेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 21-9-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री मदन चांद दत्त।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. मैसर्स तरण कपूर लिगल गार्डियन मन मोहन लाल  
कपूर।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 25 सितम्बर, 1979

निवेदा सं 506/टीआर-526/सी-487/कल०/78-79—  
यतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से अधिक हैऔर जिसकी सं 207 है तथा जो महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुमूली में और पूर्ण रूप से  
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 11-3-79को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अनुसरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित  
में वातावरिक रूप से रखित नहीं किया गया है:—(क) अनुसरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसो किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकान की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृश्तक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

11-3-79 तारीख में बीड़ नं 1-1138 अनुमार 3 कट्टा  
जमीन पर तल्ला मकान का 1/2 हिस्सा।आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 25-9-79

मोहर:

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 26 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 37/रेंज-II/कल०/1979-80—  
यतः मुझे एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 703-ए, है तथा जो ब्लाक "पी" नीय आलीपुर पी० एल० नीय आलीपुर, कलकत्ता में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार आलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-9-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों अर्थात् :

1. (1) श्री प्रवत कुमार घोष ।
- (2) श्री भास्कर घोष ।
- (3) श्री हिमाचल घोष ।

(अन्तरक)

2. श्री रनजीत चट्टार्जी ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में केति बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ह ह पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क १में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

703-ए, ब्लाक 'पी' निक आलीपुर कलकत्ता-53, में अवस्थित दो तला मकान है, जमीन का परिमाण 2.93 कट्ठा।

एस० के० दास गुप्ता

संभव प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 26-9-79

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एन० एस०

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० टीआर-17/सी-17/कल०-2/79-80—यतः

मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269 खंक अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 96 है तथा जो डॉ: सुन्दरी मोहन, एमिनिड  
कल० में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 24-  
परगना, आलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 9-3-79को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य मान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ततः—1. मैसर्स उत्कल ओयाच एण्ड रेडियो स्टोर्म (रा०)  
लि०।

(अन्तरक)

2. श्री हरि शंकर घोष दस्तिदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तन्त्रमन्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

96, सुन्दरी मोहन एमिनिड कलकत्ता में अवस्थित, 4  
कट्ठा 9 छटाक 29 बर्ग फीट जमीन पर दो तल्ला मकान, जो  
रजिस्ट्रार आफ आलीपुर 24-परगना दफ्तर में दिनांक 9-3-79  
को डीड नं० I-1241, अनुसार रजिस्ट्र हुआ।आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 3-10-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 4 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 507/टीआर-545/सी०-498/कल०-1/78-79

—यस: मुझे, आई० टी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पि-22 है तथा जो सी० आई० टी० रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तकी रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मैसर्सं सी० मेहरा एण्ड आदर्सै।

(अन्तरक)

2. डा० रणधीर दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवदू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षता भरी के पास विवित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पि-22, भी० आई० टी० रोड, कल: में स्थित 1001 वर्ग फीट का एक प्लाट जो 30-3-79 तारीख में I-1812 डी० न० अनुसार रजिस्ट्रार आफ एशोर्ट्स का दफतर में रजिस्ट्रू हुआ।

आई० टी० एस० जुनेजा

सक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 4-10-1979

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III कलना

कलकत्ता, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निवेश सं० 616/एक० रेंज III/79-80/कल०—

अतः मुझे, भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट बि०, 11 तला पर है तथा जो 2 मन्डेमिले गार्डेन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. सेलोनी ओतारशिप प्लाट्स स्कीम्स प्रा० लिमि० 6 हेरिटेन स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)
2. श्री अशोक प्रकाश गुट्ट, राधा गुट्ट, और अरजिन गुह 2 मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समूचा प्लाट सं० 1 बि० 11 तलापर साथ कार पार्किंग स्पेस सं० 1 जो 2, मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता पर अवस्थित जयजयन्ती नाम का मकान में स्थित है।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-10-1979

मोहर:

अतः श्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

13-386GI/79

प्रकाश ग्राही० टी० एन० प्र०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 508/टी० आर०-548/सी०-502/फल०-1/  
78-79—यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

मीर जिसकी सं० 64 ए० (दो तल्ला) है तथा जो आचार्य  
जगदीश चन्द्र बोस रोड में स्थित है (और इससे उपादान  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है मीर अन्तरक (अन्तरकों) मीर  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक तिकित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृश्य किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; मीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

प्रतः यथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मिसेस सयामभुणिससा बेगम करिम (अन्तरक)
2. मि० अकतार आलम। (अन्तरिती)
3. महम्मद इस्माइल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में मंपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आझेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मानी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

एटी रेप :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रोपदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
र्थ्य होता, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

64-ए, जगदीश चन्द्र बोस रोड, कलकत्ता में अवस्थित  
4 कट्टा 2 छटांक 15 वर्ग फिट, जमीन पर तिन तल्ला मकान  
का दो तल्ला जो 17-3-1979 तारीख में डीड नं० 1502  
अनुसार—रजिस्ट्रार आफ एग्स्सेस, कल० कलकत्ता का दफ्तर  
में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 15-10-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-4, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० ए० सि०-७३/रेज-IV/कल०/१९७९-८०-  
यतः मुझे, एस० के० दास गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० जे० एल० 36 वार्ड सं० 44ए  
तथा दाग सं० 398 मौजा खाजा अनवार बार वर्धमान  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वर्धमान  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 5-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसा अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एल० के० कुम्हु (अन्तरक)

2. श्री रविन्द्र कुमार विश्वास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिपेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से  
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी  
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जे० एल० सं० 36 खतियान सं० 449, दाग सं०  
398 मौजा खाना आनवार बार, वर्धमान परिस्थिति 0.47  
एकर जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे के 1979 का  
दलिल सं० 1704 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-VI, कलकत्ता

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्र० ४० वा० ३० टी० इ० ए० ००—

आयत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आय

२६९-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० ए० सी० ७४/रेज-IV/कल०/१९-८०—

यतः मृशे, एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'दक्षत अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ख के प्रधीन सवाल प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 8486 है तथा जो मौजा ए० पि० एस० सिलिगुरी, जे० एल० सं० 110, वार्ड सं० III, खतियान सं० 2395 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलिगुरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख २४-३-७९ को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के उचित अस्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया के, एस० दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया अंतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक काप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे उच्चने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अस्त्र आस्तियों का, जिन्हे आयकर आवानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये भन्तारकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

यतः अथ, उस प्रयित्वाम की धारा २६९-प के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-प की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारों अर्पातः—

1. भैसर्स अशोक द्रांसपोर्ट (अन्तरक)

2. श्रीमती भगवती देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संति के अवैतन के निः रायंवाहिर्य करता है।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधिया तत्संबंधी अधिकारों पर सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अधिका द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिका द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्ययन में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 8486, मौजा एवं० पि० एस० सिलिगुरी, जे० एल० सं० 110, वार्ड सं० III, खतियान सं० 2395 पर स्थित ०.६६३ एकड़ जमीन साथ का सब कुछ जसे कि 1979 का दलिल सं० 2006 में और पूर्ण रूप में वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता  
सहायक प्राधिकारी,  
आयकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीखः 18-10-1979

मोहरः

प्रलेप श्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० ए० सि० ७५/रेज-IV/कल०/७९-८०—  
यतः मुझे, एम० के० दास गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खतियान सं० 481 है तथा जो पि० एस०  
सिलिगुरी, दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उत्तरांचल अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिनिधि के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री श्याम कुमार गातानी (अन्तरक)

2. श्री राम कुमार गातानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सि० एस० प्लाट सं० 2949 होलि सं० 115, खतियान  
सं० 1481, पि० एम० मिलीगुरी, दार्जिलिंग, पर स्थित  
04 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलिल  
मं० 2172 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एम० के० दासगुप्ता,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख : 18-10-1979

मोहर :

प्रकाश प्राई. डी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं. ए. सि. ०-७६/रेज-IV/कल०/१९७९-८०—  
यतः, मृगे, ग्रामों के० दाम गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. खतियान सं. 2395 है तथा जो मौजा  
एवं पी० एस० सिलिगुरी, दार्जिलिंग में स्थित है (आर  
इससे उपावड़ ग्रन्तुमच्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलिगुरी से रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 23-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास बनाने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष  
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरक) और अन्तरिती  
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पर्याय गया  
प्रतिक्लिन, निम्ननिवित उद्देश्य से उन प्रत्यक्ष विवित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के वापिस्त्र में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसरण  
में, वे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. मै० अशोक ट्रांसपोर्ट आफ इण्डिया। (अन्तरक)
2. श्री रामचन्द्र अगरवाल, धनराज आगरवाल, एवं  
रामनिवास आगरवाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर लंगति में  
हित्रद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोत्साहीरी  
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में  
परिचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा एवं पी० एस० सिलिगुरी, दार्जिलिंग ज० एल०  
सं. 110, बाँड सं. III, खतियान सं. 2395, प्लाट  
सं. 8486, परिस्थित 0.063 एकड़ जमीन का सब  
कुछ जैसे के 1979 का दलिल सं. 1950 में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है।

एस० के० दाम गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 18-10-1979

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निदेश सं० ए० सि० 80/रेज-IV/कल०/1979-80-  
यतः मुझे, एम० के० दास गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपना उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० दाग मं० 288 है तथा जो रेल पुकुर  
रोड, देशबन्धु नगर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिवारी  
के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-3-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाय  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, म उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अक्षितियों, प्रथातः:—

1. श्री गंगा नारायण धोप, सत्य नारायण धोप, भक्ति  
धोप एवं गुमिवा राय बर्मन। (अन्तरक)
2. श्री मचिन्द्र नाथ राय, एवं प्रदीप कुमार राय  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अक्षितियों में से किसी अक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोक्षताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोजा—जेंगा, खतियान मं० 36 दाग मं० 288, जे०  
एन० सं० 16, लौजी मं० 3027, पि० एम० राजारहाट,  
24 परगना, पर स्थित 10 का० 14 स्क्वायर फूट जमीन  
साथ महान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं०  
1437 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

ए० के० दासगुप्ता  
मध्यम प्राधिकारी  
महारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख: 18-10-1979

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० ए० मि० 77/रेंज-4/कल०/1979-80—  
यतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी खतियान सं० 2071, 2072, 2058 है तथा  
जो थाना सिलीगुड़ी में स्थित है (और इससे उपाबन्ध है अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मिलिगुड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-3-1979 को  
पूर्वीक्षण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पतः—

1. श्री सत्य नारायण आगरवाला (अन्तरक)  
2. श्री पवन कुमार आगरवाला (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।  
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

37 एकड़ जमीन साथ मकान पर गना बकुन्ठपुर, मौजा  
तथा थाना मिलिगुड़ी, जिला दार्जिलिंग, खतियान सं० 2058,  
2071, 2072, दाग सं० 3244, 3259, 3261, 3262,  
जे० एल० सं० 88, वार्ड XVII, जैसे कि 1979 का  
दलित सं० 1532 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्त  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता  
तारीख: 18-10-1979  
मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV कलकत्ता,

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर, 1979

निदेश स० ए० सि० 78/रेंज-4/कल०/1979-80—  
यतः मुझे, एस० के० दास गुप्त,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-व के अधीन सकाम प्राविकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 8486 है तथा जो थाना तथा  
मौजा तिलिगुड़ि में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सिलिगुड़ि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम् 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कप के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी व्यवय या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, भिपने में सुविधा  
के लिए;

यतः प्रथ, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपभारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
14-386GI/79

1. मैसर्स अणोक ट्रांसपोर्ट आफ इण्डिया (अन्तरक)

2. श्री टोखराम गर्ग। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त मानने के उचित के मंदिर में कोई भी आश्रेर:—

(क) इन सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

इष्टटोक्षरण:—इसमें प्राकृत शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

:066 एकर जमीन, थाना तथा मौजा-सिलिगुड़ी  
जिला दार्जिलिंग, जे० एल० सं० 110, वार्ड स० III,  
खतियान सं० 2395, प्लाट सं० 8486 जैसे के 1979 का  
दलिल सं० 1457 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एन० के० दासगुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 18-10-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर 1979

स० ए० सि० 79/रेज-4/कल०/79—प्रतः, मुझे एस०  
के० दास गुप्ता,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट सं० 8486 है तथा जो मौजा तथा  
थाना सिलिगुड़ि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्न अधिकारी के  
कार्यालय, मिलिगुड़ि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मेरसं अशोक ट्रांसपोर्ट आफ इण्डिया (अन्तरक)
- श्री देवीदत आगरवाल, महीपाल आगरवाल, ओम  
प्रकाश आगरवाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आन्देप :—

- इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उक्त प्रधाय में दिया गया है।

### अनुसूची

. 066 एकर जमीन के सब कुछ, थाना तथा मौजा  
सिलिगुड़ि खतिगान सं० 2395, जे०एल० सं० 110, वार्ड  
सं०-III जैसे के 1979 का कं दलिल सं० 1438 में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है।

एम० के० दास गुप्ता  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 18-10-1979

मोहर:

प्रकृपा आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

हायीना०, महान् भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० ए० नि०-४१/रेंज-४/क्ल०/1979-८०—  
यतः मुझे एस० के० दास गुप्ताभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इपके अवान् 'उन अधिनियम' रहा गया है), की धारा 269-ब  
के अंदर पत्रक प्राप्तिकारों को, यह विश्वास रखने का कारण  
है फि स्वावर वस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिनसी दोन्ही मं० 318 है तथा जो याना-प्रासनसोल  
में स्थित है (और उनके उपर अनुमूली में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीहरण अधिनियम् 1908 (1908 का 16)  
के अधीन् या तरीख 16-3-1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिये प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उत्तर दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परबहु  
प्रतिशत से अधिक है और मन्त्रक (मन्त्रकों) और मन्त्रिती  
(मन्त्रितियों) के बीच ऐसे मन्त्ररण के लिये तय पाया  
गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्त्ररण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—(क) मन्त्ररण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त मधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के शायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ब) ऐसो नियो आय या नियो धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनावं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा लिए।यतः प्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ब के मनुसरण  
में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधितियों, अवृत् ।—

1. श्रीमती बीना देवी (मन्त्रक)
2. श्रीमती रमा मन्डल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति से हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहृस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही  
प्रथं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

.08 एकर जमीन साथ मकान तौजी सं० 19, परगना  
शेरगढ़, याना आसनसोल, मौजा-सानला, जसे के 1979  
का दलिल सं० 1493 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।एस० के० दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता 16

तारीख: 18-10-1979

मोहर:

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 अक्टूबर 1979

निदेश स० एस० एल० 509/टी० आर०-539/सी-491/  
कल०-1/78-79—प्र०: भूमि आई० वि० एस० जुनेजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 (अर्थात्) है तथा जो गोकुर बगल  
स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के  
कार्यालय, कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1909 का 16) के अधीन तारीख 7-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मधुसूदन दास (अन्तरक)

2. श्री आनन्द दे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वबोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

करीब 4कृष्ण 5 छटांक 31 स्को० फु० जर्मीन साथ  
स्ट्रक्चरल अधिकारी जो 3 गोकुर बगल स्ट्रीट कलकत्ता पर  
अवस्थित और जो दलिल सं० I-1277 दिनांक 7-3-79  
का अनुसार है।

आई० वि० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 28-10-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा:

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० एनएल 510/टी० आर०-540/सी-490/कल०-1/78-79—यतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3 (अधीर्ण) है तथा जो गोकुल बराल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मधुसूदन दास (अन्तरक)
2. श्री अच्युतानन्द दे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कट्टा 5 छटांक 31 स्को० फु० जमीन साथ स्ट्रक्चरल का अविभक्त अधीर्ण जो 3 गोकुर बराल स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और जो दलिल सं० I-1278 तारीख 7-3-1979 का अनुसार है।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 28-10-1979

मोहर:

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 511/टी० आर०-527/कल०-1/78-79—  
यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
ई नि स्थावर सम्पत्ति जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो हौंगार फोर्ड स्ट्रीट, कल०  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 12-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
निखित में वास्तविक रूप से क्षयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) दोस्री किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों  
को जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशासा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः :—

1. श्री जयन्तिलाल गुप्त और अन्यान्य। (अन्तरक)
2. दि इन्दो आशादि ग्लास क० लिमि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

समूचा एकतल्ला जिसका माप 6040 स्को० फुट जो  
3 हौंगारफोर्ड स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और जो रजि-  
स्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल  
सं० I-1392 ता० 12-3-79 के अनुसार है।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 24-10-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

1. आकाश और अम्बर दुस्ट (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 वं (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती राधा देवी केशन (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थोक्स- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 512/टी० आर०-529/सी०-483/कन०-1/  
78-79—यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269 वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर मूल्यनि, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुमूली में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 9-3-1979

को पूर्णस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण निश्चित में वास्तविक  
रूप में कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के शायद में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या पर्याप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धम-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम  
प्रत्यरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या फि-  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त प्रति उक्त प्रज्ञन के संबंध में कोई भी अधिकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से  
किसी विक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्वारा किसी  
पर्याप्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा कर्ये।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ठोंकों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम, ने अध्याय 20-क में विस्तृत वर्णन किये हैं, वही  
पर्याप्त हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुमूली

समूचा प्लाट सात तल्ला पर जिसका माप 2145 स्को०  
फुट जो 15 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और जो  
रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दिलिल  
सं० 1 1331 ता० 9-3-1979 का अनुसार है।

आई० वी० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-१, कलकत्ता

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 वं के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 वं की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

तारीखः 24-10-1979

मोहरः

प्रधान प्राई. टी. एन. एस. ——————  
 भारत कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
 269 व (1) के प्रधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक भार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता  
 कलकत्ता, दिनांक अक्टूबर, 1979

निदेश सं० 38/रेज-II/कल०/1979-80—यतः  
 मुझे, आई. वी. एस० जुनेजा,

भार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व  
 के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थान सम्पत्ति, त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 46 ब्लाक "ए ए" है तथा जो नायब  
 साल्ट लेक सिटी, एक्सगेटेन एरिया, पी० एस० नार्दन  
 से स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप  
 में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डिं०  
 रजिस्ट्रार, आलीपुर, 24-परगनास में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
 नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख  
 8-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि पायापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पश्चह प्रतिशत अधिक है और उक्तरक (उक्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 निम्नित में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरक से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के प्रधीन कर देने के उक्तरक के  
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या हिसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय भार्यकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

यतः भव, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में,  
 मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपभारा (1)  
 के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त :—

1. डा० अक्तनी भट्टाचार्य। (अन्तरक)

2. श्री विश्वनाथ जायसवाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना घारी बरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेन के  
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की प्रवधि या तस्वीराची व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
 प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 46, ब्लाक "ए ए", सेक्टर-I, नार्दन सालट  
 लेक सिटी, पी० एस० डमडम में 5.2284 खाली  
 जमीन है।

आई. वी. एस० जुनेजा  
 सभी प्राधिकारी  
 सहायक भार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख : 16-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती जोतस्ता सेन। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 अक्टूबर 1979

निवेद सं० ए०सी० 39/रेंज-II/कल०/1979-80—यतः,  
मुझे, एस० के० दासगुप्त,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23ए/50 सी है तथा जो डी० ए०घ०  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रस्जिट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्युरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 2-3-1979,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—386GI|79

2. श्री विलीप कुमार चक्रवर्ती, । (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

**अनुसूची**

प्रमिसेस नं० 23 ए/50-सी, डी० ए०घ० रोड, कलकत्ता  
में उत्तर विक का असमान पश्चिम में दूसरा फ्लॉर एक प्लाट  
है—1456 स्को० फ्लॉर ।

एस० के० दासगुप्त  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 19-10-1979

मोहर

ब्रह्मप घार्डॉ टी० एन० एस०-----

1. श्री राजेन्द्रलाल बनर्जी । (अन्तर्क)

आपकर अधिनियम, 1961 ( 1961 का 43 ) की आरा  
269प ( 1 ) के प्रधीन मूल्या

भारत सरकार

### कायलिय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रीज्ञेन रेज-1, कलाकृता

કલાકારી ડિન્યાન્ 29 અક્ટોબર 1979

निदेश सं० 40/रेज-II/कल०/1979-80—यतः, मुझे,  
एस० के० दासगुप्ता,  
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 ए 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात 'उक्ता प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
पैसे है, अधिक है।

और जिसकी सं० 234 है तथा जो ब्लाक "बी" में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-3-1979

जो पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है जो भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, सभके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्तिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से छहशत अन्तरण लिखित में वास्तविक ५५ से छहशत नहीं किया गया है:—

## 2. डा० ग्रमिता है। (ग्रन्तरिती)

को यह सूखना बारी भरके पूर्णत विमर्श के प्रारंभ के लिए कार्यवाहियां करला हैं।

उक्त सम्पत्ति के अप्रैल के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी अविक्षयों तक सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में वर्पान्न होती है, के भीतर प्रबोचन अविक्षयों में से हिन्दू वर्णन द्वारा;

(ख) इम मूर्खता के राजपत्र में रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर नक्त स्थान सम्पर्क में हिन्दू वह किसी दूसरे व्यक्तिका तारा, भावाद्वयक्तिरी तारा या द्वितीय से तारा भक्तिरी।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही  
रुप लोग जो उस प्रधाय में किया गया है।

(क) प्रश्नारण से कुर्सी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के धर्मानुसार बेतों के घस्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे सज्जन में सविष्या के लिया: अपेक्षा

(ख) ऐसी किसी प्राय ग हिंसा या अस्त्र आमिल्यों को, जह भारतीय प्रायकर माध्यनियम, 1922 (1922 का) या उसक अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भल्लरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या को किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए।

માનાની

प्लाट नं० 234, ब्लाक "बी०", पी० एस० डमडम,  
पातिपुकुर टाउनशिप, सब-डिविज़न, बैटरपुर में 4 कट्टा  
1 छटांक 1 स्को० फट खाली जमीन है।

एस० के० दास गुप्त  
सक्षम प्राधिकारी

अतः यह, उक्त परिनियम की धारा 263-ग के अनुसार सरण में, मैं, उक्त परिनियम की धारा 263-क की उपलब्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वत ।—

( 1 ) के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों, पर्याप्त ।—

तारीखः 29-10-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 3 नवम्बर 1979

निदेश सं० 513/टी० आर०-19/सी-19/कल०-2/  
79-80—यतः, मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- वर्षे ने अधिक है

और जिसकी सं० 4 एफ है तथा जो तिलजला रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर  
24 परगनाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 2-3-1979  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकरके दृश्यमान  
प्रतिकल के जिए प्रत्येक रुप है और पुरे पृष्ठे पृष्ठ विश्वास  
करने का कारण है कि पथांगौंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के जिए तथा  
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण  
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे इच्छने में सुविधा  
के जिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आलियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थे अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यक्षण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. कुमारी प्रभाति पवार

(अन्तरक)

2. श्री आयान रत्नेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रखने पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्यावरण के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिनियमों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अधिकतम द्वारा;

(ख) इस पूर्वोक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
किसी ग्राम अधिकारी द्वारा, अधोदृश्याकारी के  
पास निखित में फिए जा सकेंगे।

संदर्भोक्तरण:—इसी आयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो अवसर  
अधिनियम के ग्राहक 20-क में परिचालित है,  
वही प्रथा ही गया जो उस ग्राहक में विद्या गया है!

अनुसंधान

4 एक तिलजला रोड में अवस्थित 5 कट्टा, 12 छटांक,  
8 वर्ग फिट जमीन का हिस्सा जो 2-3-1979 तारीख  
में आलिपुर, 24-परगनाका डीड नं० I-1094 अनुसार  
रजिस्ट्री दफतरी में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख: 3-11-1979  
मोहर:

प्रकृष्ट पार्टी टी.एन.एस.—

## आपकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

श्रीराम रेज. I. कलकत्ता

कालाकाशा: दिनांक 3 नवम्बर 1979

निदेश सं० 514/टी० आर०-20/सी-20/कल०-2/  
 79-80—यतः, मुझे, आई० थी० एस० जुनेजा,  
 आयकर भ्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात 'रक्त भ्रविनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख  
 के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण  
 है नि स्वास्थ सम्भवि, तिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 इए से भ्रविक है

और जिसकी सं० 4 एफ० है तथा जो तिलजला रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरङ्ग (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंटे अन्तरङ्ग के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर प्रतिशत में बास्तविक रूप से उचित नहीं बिला गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वावट उत्तर प्रश्नान्वयम के प्रधीन कर हेने के अन्तरण के वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। सौर्य/वा

(क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उससे प्रधिनियम या अन्यकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

## 1. कुमारी प्रभाति प्रवार। (प्रस्तरक)

## 2. श्री सहीद रशीद । (प्रत्यक्षिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में स्थित यदि किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोइस्तानी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-के परिभाषित हैं, उन्हीं पर्यावरण जो उस प्रधाय में दिया गया है।

અનુભૂતિ

4 एफ० तिलमला रोड में अवस्थित 5 कट्टा 12 छांटा०  
 8 वर्ग फिट, जमीन का हिस्सा जो 2-3-79 तारीख में  
 आलिपुर, 24 पश्चना का डीड नं० I-1095 अनुसार  
 रजिस्ट्री दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आर्ह० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीभाण)  
प्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

धरतः धर्म, उक्त प्रविनियम की आरा 268-ग के अनुसरण में, भै, उक्त प्रविनियम की आरा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 3-11-1979  
मोहर :

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०

1. श्रीमती शान्ति सेन।

(मन्त्रिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
बारा 269-प(1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती राधारानी साहा।

(मन्त्रिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 7 नवम्बर 1979

निदेश सं० 515/टी० आर०-80/सी०-68/कल०-2/  
79-80—यतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा  
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- इष्ट से अधिक है  
और जिसकी सं० 13 है तथा जो दिलखुसा स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 22-3-1979  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फँदह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (मन्त्रिक) और मन्त्रित (मन्त्रितीयों) के  
बीच ऐसे प्रभरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रभरण निवारा में वासनविरु कप से कवित नहीं  
किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त नियम के प्रार्जन के बंद्रंग में कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावजूद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृतबद्ध किसी  
भूम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताकरों के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों] और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित  
है, वक्ती अर्थात् जो उस प्रधाय में दिया  
गया है।

(क) प्रभरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रभरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

करीब 3 कट्टा 2 छटांक 4 स्कवे० फुट जमीन साथ  
दोतला मकान का अविभक्त अर्धांश जो 13, दिलखुसा  
स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित और जो इलिल सं० 1-301  
ता० 22-3-1979 के अनुसार है।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 7-11-1979

मोहर :

अतः यह, उक्त अधिनियम की बारा 269-प के  
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की बारा 269-प की  
जपक्षारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन:-

प्रलूप आई० एन० टी० एस०-----

भावकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

सामौत्त्य, सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1979

निदेश सं० 517/टी० आर०-535/सी०-492/कल०-IV  
78-79—यतः, मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु  
से अधिक है

और जिसकी सं० 36, है तथा जो जकरिया स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 10-3-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल से के जिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का अनुवृत्त  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रवरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उक्त से उक्त प्रवरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुद्दे किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के लायितमें कभी  
करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भन-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, उसमें में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अधिक्षियों, प्रवाप्त:—

1. श्री काशीनाथ दे एण्ड प्रदर्श। (अन्तरक)

2. श्री गोविन्द राम गोयन्का। (अन्तरिती)

3. श्री काशीनाथ दे एण्ड प्रदर्श (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिसूचना में सम्पत्ति है)

4. श्री तारणी चरण दे एण्ड प्रदर्श (वह व्यक्ति, जिसके  
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध  
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी भावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तसम्बन्धी अधिक्षियों पर सूचना  
की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिक्षियों में  
से किसी अधिक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य अधिक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

उपर्योग:—इसमें उपर्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचित हैं, वही बये होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

36, जकरिया स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 3 कट्टा  
6 छटांक, 2 वर्ग किट जमीन पर तीन तल्ला मकान का  
1/6 हिस्सा जो 10-3-1979 तारीख में डीर नं० I-  
1376 अनुसार रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्स कलकत्ता का दफ्तर  
में रजिस्ट्री हुआ।

आई० बी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण)  
भर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 8-11-79

मोहर:

## प्रकृष्ट प्राईटी एन० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा  
269-व (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर, 1979

निवेश सं० 518/टी० प्रार०-536/सी०-494/कल०-/  
78-79—यतः, मुझे, प्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-व  
के प्रश्नीन सम्बन्धीय विवाद करने का कारण  
कि स्थावर अप्पति, जिसका अनुचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
में अधिक है

और जिसकी सं० 35 है तथा जो जकरिया स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावन्दी अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायालिय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 10-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित  
प्रतिशत से अधिक है, और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कर्तित नहीं किया गया है।—

(क) इस द्वे ही दो भार दो बाजार उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अस्तरक के  
वायालिय में रूपी करने या उसमें वरने में सुविधा  
के लिए, और

(ख) उन दो किसी भार दो दो प्रति आस्तियों  
को, जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
बन्धकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोग वाले अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा  
या किया जाना आहिए वा, जिसमें में सुविधा के  
लिए।

अतः ध्य, उक्त अधिनियम की द्वारा 309-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग की उपधारा (1)  
के प्रश्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतु:—

- श्री पांचकरी दे। (अन्तरक)
- श्री गोविन्द राम गोयन्का (अन्तरिती)
- श्री पांचकरी दे (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

4. श्री तारिणी चरण दे एण्ड अदर्स (वह व्यक्ति, जिसके  
बारे अधोहस्ताक्षरी जाता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध  
है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कारबंदाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ही भी भी आवेदन:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

36, जयकरिया स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 3 कट्टा,  
6 छटांक, 24 वर्ग फिट जमीन पर, तीन तल्ला मकान  
का 1/6 हिस्सा जो 10-3-79 तारीख में I-1322 डीड  
नं० अनुसार रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता के अप्टर  
में रजिस्ट्री हुआ।

प्राई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 8-11-1979

मोहर:

प्रृष्ठ प्राइंटी ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर, 1979

निदेश सं० १० सि० ४१ रेंज- /कल०/1979-80—  
यतः मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

और जिसकी खतियान सं० 450, दाग सं० 729 है तथा जो मौजा—जोका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वर्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक आन्तरकों (और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्—

1. श्री विरेन्द्र कुमार मजुमदार, श्रीमती चारू बाला मजुमदार, श्रीमती पत्न्या मजुमदार, बासन्ती दासि तथा श्री मन्मथ रंजन दास (अन्तरक)
2. श्रीमती मिन्टू राय चौधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोवृत्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तौजि सं० 4, मौजा-जोका, जे० एल० सं० 21, आर० एस० खतियान सं० 450 दाग सं० 729 पर स्थित 5 कट्टा 1 छटाँक 18 स्कोयार फिट जमीन साथ दो मंजिला मकान।

एस० के० दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख: 5-11-1979

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1979

निदेश सं० ए० सि० 42/रेंज-II/कल०/1979-80—  
यतः मुझे, एस० के० दास गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लाट सं० 11 है तथा जो 690, लेक टाउन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

16—386GI/79

1. मैसर्सं त्रिवेब एन्टरप्राइजेस (अन्तरक)

1. (1) सर्वेश्वी दिलीप कुमार राय
- (2) श्री और श्रीमती महावीर गर्ग
- (3) श्रीमती रुदिब दत्त
- (4) श्री मनाल कान्ति बनर्जी
- (5) श्रीमती बादल रानी मैत्र
- (6) श्रीमती कमला श्रीनाथ
- (7) मैसर्सं ईस्टार्न पेपर मिल्स
- (8) श्रीमती कृष्णा राय
- (9) श्रीमती तारा गर्ग
- (10) श्रीमती चित्रिता राय (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या त्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त उक्त और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

690, लेक टाउन, प्लाट सं० 11, ब्लाक-ए, कलकत्ता-55 प्लाट के परिमाप—1250 वर्ग फुट (ग्राउण्ड फ्लोर की दुकान—300 स्को० फुट, माजेनाइन फ्लोर—300 स्को० फुट, बाकि माजेनाइन फ्लोर पर—650 स्को० फुट।

एस० के० दास गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 5-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 13 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 624/एक० रे० III/79-80/कल०—यतः,  
मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सकारात्मक अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० दाग नं० 151 है तथा जो मौजा—चंक-  
गारिया, थाना-यादवपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-4-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पावृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया अनिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से रुक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शामिल म कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्रातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सत्यचरन दास (अन्तरक)  
2. निउगरिया डेवलपमेंट को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध निती अग्रणी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

करीब 52 शतक जमीन जो दाग नं० 151, मौजा-  
चकगरिया, थाना-यादवपुर पर अवस्थित और बलिल सं०  
1983/1979 के अनुसार है।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा  
सकारात्मक अधिकारी  
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 13-11-1979

मोहर:

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

1. श्री छत्तारसिंह काढोरिया

(प्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर, 1979

निवेश सं० 625/एक० रें० III/79-80/कल०—यतः,  
मुझे, आई० श्री० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 7 'एच' है तथा जो कर्नफिल्ड रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 30-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री आनन्द कुमार मल्लिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजत्रै में प्राप्तान की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजत्रै में प्राप्तान ती तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों ता, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ तोगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा प्लाट सं० 'ए' दो तलापर साथ कार पार्किंग  
स्पेस जो 7 एच०, कर्नफिल्ड रोड, पर अवस्थित।

आई० श्री० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 26-11-1979

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री छत्तार सिंह काढोरिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रतुलचन्द्र चक्रवर्ती

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भ्रजन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर, 1979

निदेश सं० 626/एक० रें० III/79-80/कल०—यतः,  
मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 7 'एच' है तथा जो कर्नफिल्ड रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 30-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति कर उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरिकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक  
मान्यताप्राप्त बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
म, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों प्राप्ति:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजगढ़ में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजगढ़ में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अधार्य 206 में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा भ्लाट सं० 'सी' पांच तलापर जो 7 एच,  
कर्नफिल्ड रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भ्रजन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 26-11-1979  
मोहर:

प्रलूप आई० वी० एस० एस०—

1. श्री छत्तार सिंह काढोरिया (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

2. श्री आणीष कुमार सान्याल (अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1979निदेश सं० 627/एक० रे०- /79-80/कल०—  
अतः मध्ये, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 7 'एच' है तथा जो कर्नफिल्ड रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 30-3-1979 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ते यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थातः—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और फटों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समुच्चा फ्लेट 'ए', एक तल्लापर जो 7 एच, कर्नफिल्ड  
रोड, कलकत्ता पर अवस्थित।आई० वी० एस० जुनेजा  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16तारीख : 26-11-1979  
मोहर :

प्रस्तुप आई० बी० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता-16 दिनांक 26 नवम्बर 1979

निदेश सं० 628/एकुरे-III/79-80/कल०—यतः मुझे,  
आई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269व  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7 'एच' है तथा जो कर्नफिल्ड रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के प्रधीन, तारीख 30-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
यह कि अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित म वास्तकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः—

1. श्री छत्तार सिंह काठोरिया (अन्तरक)
2. श्री जयन्ते कुमार भद्र (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 'बी' दोतला पर जो 7 एच  
कर्नफिल्ड रोड कलकत्ता पर अब स्थित।

आई० बी० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज III, कलकत्ता-16

तारीख: 26-11-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III 54 रफी अहमद किंवाई रोड  
कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 26 नवम्बर 1979

निवेश सं० 626/एकुरें०- /79-80/कल०—  
यतः, मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 76 एच' है तथा जो कर्नफिल्ड रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची ने और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 21-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में  
सुविधा के लिए;

आई० बी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-III,

53, रफी अहमद किंवाई रोड कलकत्ता-16

अतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री छत्तार सिंह काढोरिया। (अन्तरक)  
2. श्री चंचल कुमार दास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

तारीख: 26-11-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-III, 54, रफी अहमद किदवर्ड रोड  
कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 26 नवम्बर 1979

निदेश सं० 630/एकुर० III/79-80/कल०—  
यतः, मुझे, आई० वी० एन० जुनेजा,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा  
269-प(1) के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से प्रत्येक है

और जिसकी सं० 7 'एच' है तथा जो कर्नफिल्ड रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21-3-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से इस के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत प्रधिक है और वह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए वा छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः उक्त अधिनियम की घारा 267-ग के  
अनुसरत में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प(1) की  
उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः :—

1. श्री छत्तार सिंह काढोरिया (अन्तरक)

2. श्री प्रभाकर छुष्ण श्रोगेस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में नोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी  
पन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम',  
के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही  
जर्ज होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

समूचा प्लैट सं० 'सी' निनतल्ला पर साथ कार  
पार्किंग स्पेस जो 7 एच, कर्नफिल्ड रोड, कलकत्ता पर  
अवस्थित।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफी अहमद किदवर्ड रोड  
प्रजन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 26-11-1979

मोहर:

## प्रकाशनार्थी एवं एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 दिसम्बर, 1979

निवेश सं० जे० आर०-1/4202-8/मई, 79—अतः  
मुझे, वी० एस० शेषाद्रि,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परामात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1/384 है तथा जो कुलाब डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-5-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, यह तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, आयकर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी को भर्ता :—

1. श्रीमती खुरशीदबानु इराचगा मलबारवाला (अन्तरक)
2. रेहका गुलाम अब्दुल बहरीनवाला (अन्तरिती)
3. (1) मैसर्स नूर मोहम्मद कसम खत्ती भादर्से  
(2) श्री पी० एन० दासवानी  
(3) मैसर्स चौसवे केगिस्ट  
(4) डा० डी० पी० वपाहिया

- (5) बी० एम० एस० मनाथ
- (6) श्री डी० पी० गङ्गादर
- (7) श्री राजन मेहरा
- (8) मिमेस के० बी० सिंह
- (9) डा० डी० एस० बासा
- (10) मि० और मिसेस दारा वी० कम्प्रेक्टर
- (11) श्री इस्माइल जी फतेहि
- (12) श्री एम० टी० मतबेस्वाल
- (13) श्रीमती गौरी पापमंथ
- (14) श्री गोविन्दराम पुरुषराम
- (15) श्री डी० पी० गङ्गादर
- (16) अम्बाबाई ए० राजा
- (17) श्री पी० एम० चत्ताण
- (18) मि० और मिसेस एम० डी० दबार
- (19) सैल्क आक्षयुपाइड वाई परचेजर
- (20) श्रीमती इसाक अन्ड्रूज
- (21) श्रीमती सवीतावाई एम० धुमाल
- (22) श्री एम० एस० नानाय
- (23) अब्दुल रहमान पीरमुहम्मद
- (24) नफरात्रिलि शेराअलि। (वह व्यक्ति; जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रयोग के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर सूचना वी० तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्तावारी के पात्र निखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर्ध पर्दी आदि, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2594/77/बम्बई उपरिद्वारा अधिकारी द्वारा दिनांक 22-5-1979 को रजिस्टर किया गया है।

बी० एस० शेषाद्रि  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-१, बम्बई

दिनांक : 7 दिसम्बर, 1979

मोहर :

प्रृष्ठ नं. 80 टी. एस. 1980-1981  
 प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओर  
 269-क (1) के प्रधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-2, बम्बई  
 बम्बई, दिनांक 24 सितम्बर, 1979

निदेश सं. ए.आर.एस. 2774-1/प्रप्रेल, 79—प्रत:  
 मुझे भी पी.एल. रंगटा  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पायाकर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओर 269-क के प्रधीन समान प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है में अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 52, हिस्सा नं. 15, सी. १० टी. एस. १९० मं. ४९० है, तथा जो बिले पाले में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 6-4-79 बिलेख सं. एस. 1917/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्युक्त से उक्त प्रभारण विविध में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरग में हुई किसी आय को बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दावित में कमी करने या उससे बचने में मुविद्धा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्यक था, छिपाने में मुविद्धा के लिए;

उक्त अधिनियम की ओर 269-क के प्रयोगनामे में, उक्त अधिनियम की ओर 239-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्तमान—

1. श्रीमती शीरीन ग्रारदेशीर इरानी, (अन्तरक)
2. साहिल को. आ.हा. सो. लि. (अन्तरिती)
3. याजदान कंस्ट्रक्शन कंपनी (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिक्षियों में से किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिक्षियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रत्यक्षीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि बिलेख नं. एस. 1917/78/बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-4-79 के रजिस्टर्ड किया गया है।

पी.एल. रंगटा  
 सक्षम प्राधिकारी  
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-2, बम्बई  
 तारीख 24-9-1979  
 मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th November 1979

No. A.32013/2/77-Admn.I(i).—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated the 20th July, 1979, Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri V. N. Vaidyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General All India Radio and officiating as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission, w.e.f. the 21st October, 1979 until further orders *vide* proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

No. A.32013/2/77-Admn.I(ii).—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated the 20th July, 1979, Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints, Dr. R. Bhaskaran, Lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut and officiating as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 21st Oct. 1979 until further orders *vide* proviso to Regulation 4 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

S. BALACHANDRAN  
Under Secy.  
for Chairman.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 22nd November 1979

No. A.32011/1/79-Admn.I(i).—In partial modification of this office Notification of even number dated 19-3-79 Shri R. L. Thakur who was included in the select list of Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) w.e.f. 6-1-79 on provisional basis is included in the said select list of Sr. P.A. w.e.f. 6-1-79 on regular basis consequent on the approval of the Govt. to the dereservation of the vacancy reserved for SC *Vide* Deptt. of Pers. & AR's letter No. 36031/271/79-Estt (SCT) dated 8-11-79.

The 27th November 1979

No. A.32013/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of UPSC and working as Under Secretary in the same cadre to officiate in the Selection Grade of CSS as Deputy Secretary in the office of UPSC on *ad hoc* basis for the period from 3rd Oct. '79 to 23rd Nov. '79 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN  
Under Secy. (Admn.).  
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th December 1979

No. A-35018/15/79-Ad-I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Soumen Roy, Sub-Inspector of Police, 1B West Bengal, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment of the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 7th November, 1979 until further orders.

Q. L. GROVER  
Adm. Officer (E) CBI

DIRECTORATE GENERAL  
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 7th December 1979

No. O.II-1038/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 19-11-79

(I.N) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-69/76-Estt.—Col. S. W. Scudder (IC-2396-N) Inf., an Army Officer on deputation to CRPF as Commandant, was granted 47 days I.P.R. w.e.f. 15-11-78 to 31-12-78. On expiry of leave, Col. Scudder retired from Army service w.e.f. the forenoon of 1st January, 1979.

No. O.II-1448/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Jagdish Chandra Nistandra as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 26-11-79 (AN) for a period of six months only or till recruitment to the pos. is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Asstt. Dir. (Admn.).

DIRECTORATE OF COORDINATION  
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 4th December 1979

No. A.11012/1/79-Admn.—Shri Haridas Sutradhar is appointed as a Extra Assistant Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in a temporary capacity in the scale of Pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the afternoon of the 16th November, 1979, until further orders.

C. P. JOSHI  
Director  
Police Telecommunications

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 5th December 1979

No. 11/41/79-Ad.I-25855.—The President is pleased to appoint Shrimati Meenakshi Hooja, an officer belonging to the Rajasthan cadre of the Indian Administrative Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur with effect from the forenoon of 17 November, 1979, until further orders.

Her headquarters will be at Jaipur.

The 13th December 1979

## ORDER

No. 19/61/76-Ad.I(Pt.).—Whereas Shri I. C. Sethia, Accountant, in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, had been continuously absenting himself from duties since 6th May, 1977 without any permission of the Competent Authority;

AND WHEREAS his continued absence from duties constituted gross misconduct rendering the said Shri I. C. Sethia liable to disciplinary action;

AND WHEREAS the said Shri I. C. Sethia had been avoiding the receipt of official communications sent to him including the charge-sheet framed against him;

AND WHEREAS a charge-sheet bearing No. Cen-Punjab 71/308/928 dated 10-3-1977 was ultimately got served upon him on 17th March, 1977 through the Office of the Senior Superintendent of Police, Chandigarh;

AND WHEREAS disciplinary proceedings under Central Civil Services (Classification, Control & Appeal) Rules 1965 were instituted against the said Shri I. C. Sethia to inquire into the charges of wilful and continued absence from duties and for violation and persistant defiance of lawful orders of the superior authority;

AND WHEREAS an inquiry into the charges was held ex parte as the said Shri I.C. Sethia did not participate in the proceedings.

AND WHEREAS the undersigned had accepted the recommendation of the Inquiring Authority recording that the charges framed stand proved against the said Shri I.C. Sethia w.e.f. 6th May, 1977;

AND WHEREAS the undersigned terminated the services of the said Shri I.C. Sethia, Accountant, in the Office of the

Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, w.e.f. 19th October, 1979;

AND WHEREAS the said Shri I.C. Sethia refused to receive the order of termination of his services from the postal authorities, as the same was received back from the postal authorities with the remarks "refused dated 10-11-79" given on the cover;

NOW, THEREFORE, the undersigned under the circumstances announces the termination of the services of the said Shri I.C. Sethia w.e.f. 19th October, 1979 through this notification.

P. PADMANABHA  
Registrar Genl. India.

MINISTRY OF FINANCE  
DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS  
BANK NOTE PRESS  
Dewas (MP), the 1st December 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 27-7-79 the appointment of Shri N. G. Kibe as Accounts Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period upto 31-12-79 on the existing terms & conditions.

The 7th December 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Deptt.'s Notification of even number dated 11-10-79 the ad-hoc appointment of Shri V. Venkataramani, as Technical Officer (Intaglio Printing) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 1-12-79 or till the post is filled on the regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

P. S. SHIVARAM  
General Manager.

SECURITY PAPER MILL  
Hoshangabad (MP), the 5th December 1979

No. AD/4/9220.—Shri P. K. Sharma, Accountant is appointed as Accounts Officer, w.e.f. 30/11/1979 in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. He will draw his pay @ 840/- P.M.

O. P. SHARMA  
Project Officer.

COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

New Delhi, the 5th December 1979

No. 1(3)-A/CPE/79.—On transfer from the Planning Commission, Shri K. L. Dutta, Research Officer (Grade IV/

MINISTRY OF DEFENCE  
D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD  
Calcutta, the 28th November 1979

No. 20/79/A/E-I(NG)—The DGOF is pleased to promote the following officers in Offg. Capacity in existing vacancies without effect on seniority, in grades and on dates shown against each:

1. Shri Hrishikesh Das, Assistant Staff Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted) (on ad-hoc basis)
2. Shri Nihar Ranjan Pal, Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted) (on ad-hoc basis)

S/Shri Das and Pal will be on probation for 2 years from the date of their promotion.

The DGOF is also pleased to promote the following individuals, in Offg. Capacity on ad-hoc basis inexisting vacancies, in grades and on dates shown against each :

1. Shri Dinesh Ch. Dutta, Permt. Asstt. Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted).
2. Shri Amal Kanti Shome, Permtt. Asstt.

Do. Do.

Do.

3 months w.e.f. 2-11-79 or till a U.P.S.C. appointee is posted which-ever is earlier.

Do.

D. P. CHAKRAVARTI  
ADGOF/ADMIN  
for Director General, Ordnance Factories.

I.E.S.) is appointed as Senior Research Officer in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 1100-50-1600 on usual deputation terms with effect from the forenoon of 19th Nov., 1979, until further orders.

J. N. KAUL  
Under Secy (A).

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTANTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR  
GENERAL

New Delhi, the 6th December 1979  
No. 2555-CA.1/43-70.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri V. Sethu Ram, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from government service under provision of FR 56(K) with effect from 21-11-79.

M. S. GROVER  
Dy. Dir. (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
UTTAR PRADESH-I

Allahabad, the 20th November 1979

No. Admn. I/11-144/Notification/268.—The Accountant General, U.P.I Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office until further orders with effect from the dates noted against each.

1. Abdul Mutalib—26-10-79 F.N.
2. Nihar Ranjan Mookerji—14-11-79 F.N.
3. Brij Bhushan Lal Gaur—14-11-79 F.N.

A. K. BANERJEE  
Dy. Accountant Genl. (A).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 6th December 1979

No. Admn-I/401.—Shri R. D. Sardana (01/217) an officiating Accounts Officer allocated to the Office of the Accountant General-II Madhya Pradesh has been permitted to retire voluntarily from Government service with effect from 7-12-1979 forenoon, in terms of Government of India, Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms Office Memorandum No. 25013/7/77 Est. (A) dated 26-8-77.

(Authority : AG.II's orders dated 4-12-79 & AG.I's orders dated 5-12-79).

D. C. SAHOO  
Sr. Dy. Accountant Genl. (Admn.).

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 30th November 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/833/67-Admn(G)/8453.—Shri Awtar Singh, Controller of Imports and Exports in the Office of the Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Amritsar was permitted to retire voluntarily from Govt. service with effect from the afternoon of the 31st October, 1979, after availing of the leave preparatory to retirement.

C. S. ARYA  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports  
for Chief Controller of Imports & Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY  
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
(SMALL SCALE INDUSTRIES).

New Delhi, the 26th November 1979

No. 12/236/61-Admn.(G).—On his reversion from U.N. assignment, Shri S. Nagarajan, has assumed charge of the post of Director (Gr.II) (Leather/Footwear) at Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the afternoon of 26th October, 1979.

The 30th November 1979

No. 12(42)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri B. K. Kale, a permanent Director (Gr. I) (Leather/Footwear) at Small Industries Service Institute, Bombay to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st August, 1979.

No. A-19018(457)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri Mahesh Prakash Bhatnagar, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the same office on adhoc basis with effect from the forenoon of 3rd September, 1979, until further orders.

The 5th December 1979

No. A-19018(419)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Devendra Kumar Singh as Assistant Director.

tor (Gr. I) (Metallurgy) in the Branch, Small Industries Service Institute, Jammu, with effect from the forenoon of 2nd November, 1979, until further orders.

M. G. GUPTA  
Dy. Dir. (Admn.).

SURVEY OF INDIA

Dhira Dun, the 10th December 1979

No. C-5578/718-A.—Shri O. N. Kapoor, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment & Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on ad-hoc basis in Surveyor General's Office, Survey of India, Dhira Dun in the scale of pay of Rs. 840 40-1000-EB-40-1200 with effect from 30th November 1979 (AN) vice Shri Jai Prakash Sharma, Establishment & Accounts Officer, retired with effect from the same date.

K. L. KHOSLA  
Major General  
Surveyor General of India  
(Appointing Authority)

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY  
NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING  
ORGANISATION

Calcutta-700019, the 3rd December 1979

No. 29-16/77-Estt.—Shri R. K. Basak, permanent Senior Research Assistant is appointed as Junior Technical Officer in the National Atlas And Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 26th November, 1979, until further orders.

S. P. GUPTA  
Director.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 6th December 1979

No. A.19019/26/79-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Asha Tiwari to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme Delhi on a temporary basis with effect from the forenoon of 30th Oct., 1979.

N. N. GHOSH  
Dy. Director Admn. (CGHS)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 14th November 1979

No. 8(18)/78-Confirmation/3933.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints in a substantive capacity the under mentioned officers as Security Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the dates shown against each.

Sl.	Name	Present Grade	Division	Pmt. post already held in BARC	Date of confirmation.
1	2	3	4	5	6
1.	Shri N.C. Bhavdasan (G/102/50)	Security Officer	Personnel	Asstt. Security Officer.	1-3-78
2.	Shri P.R. Paradkar (G/102/49)	Security Officer	Personnel	Asstt. Security Officer	1-3-78
3.	Shri Hazarilal (G/102/139)	Security Officer	Personnel	Asstt. Security Officer	1-1-79
4.	Shri A.K. Chakraborty (G/801/06)	Security Officer	V.E.C.	Asstt. Security Officer	1-1-79
5.	Shri D.B. Kripalani (G/102/140)	Security Officer	Personnel	Asstt. Security Officer	1-1-79
6.	Shri U.N. Mitra (G/102/159)	Security Officer	Personnel	Asstt. Security Officer	1-9-79

H.V. AWATRAMANI  
Dy. Establishment Officer.

Bombay, the 17th November 1979

No. PA/19(2)/79-R-IV.—On transfer from Civil Engineering Division, DAE, the Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Vishwanath Sakharam Shetye as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Technical Services Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 16, 1979 until further orders.

No. PA/19(2)/79-R-IV.—On transfer from Civil Engineering Division, DAE, the Additional Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Hulikal Sampathiyengar Rangaswamy as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Technical Services Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of July 16, 1979 until further orders.

A. S. DIKSHIT  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 1st December 1979

No. PPED/3(282)/76-Adm./16635.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri B. K. Harshe, Section Officer (Accounts) in the Office of the Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay on deputation basis in this Division as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of November 2, 1979 until further orders.

B. V. THATTE  
Administrative Officer

## NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Napp, the 7th December 1979

No. NAPP/Adm/1(164)/79-S/13572.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project Narora, appoints Shri J. N. Sharma, a permanent Assistant Foreman in Central Pool of Power of Power Projects Engineering Division &

presently officiating as Foreman in Narora Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Project with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

G. G. KULKARNI  
Sr. Administrative Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 6th December 1979

No. AMD-1/23/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Mohan Stiram Bhagwat, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th November, 1979 until further orders.

The 7th December 1979

No. AMD-1/13/78-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Venkata Surya Mohan Kesiraju, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5th September 1979 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative and Accounts Officer

## REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 30th November 1979

No. A-32013/8/79/R/18212.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri M. M. Subramaniam a permanent Electrician 'B' of Heavy Vehicles Factory, Min of Defence and officiating Foreman of this Centre as Scientific Officer/Engineer Grade-SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from August 1, 1979 until further orders.

T. S. V. AIYAR  
Administrative Officer

## DEPARTMENT OF SPACE

## VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 27th November, 1979

## ESTABLISHMENT SECTION

No. VSSC/EST/F/1(17)—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of 1st October, 1979 and until further orders :—

Sl. No.	Name	Designation	Division/Project
			3
1	2		4
1. Sri A. Sivaramakurup	.	Sci/Engr. SB.	CWS
2. Sri. M. Syed Ibrahim	.	Sci/Engr. SB	CWS
3. Sri P.K. Dharmapalan	.	Sdi/Engr. SB.	TERLS/IREX
4. Sri. K.P. Kamalakaran	.	Sci/Engr. SB	MAC
5. Smt. K. Elizabeth Jose	.	Sci/Engr. SB.	TED
6. Smt. D. Jegadambal	.	Sci/Engr. SB	PTU
7. Sri Johny P. Abraham	.	Sci/Engr. SB.	STR
8. Sri. S Madhavan Nair	.	Sci/Engr. SB.	RSR
9. Sri. K. Thulasi	.	Sci/Engr. SB.	RSR
10. Sri. R. Vijaya Raghavan	.	Sci/Engr. SB.	EMD
11. Smt. K. Ambika Devi	.	Sci/Enbr. SB.	PSC
12. Sri K. Ravindran	.	Sci/Engr. SB.	TERLS/IREX
13. Sri P.V. Krishnan	.	Sci/Engr. SB.	SLV
14. Sri Ashis Kumar De	.	Sci/Engr. SB.	PPEG
15. Sri R. Benanson D' Silva	.	Sci/Engr. SB.	COM

RAJAN V. GEORGE  
Admin Officer-II(Est)  
for Director-VSSC

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th November 1979

No. A-32013/17/78-EA—The President has been pleased to the continuance of ad-hoc appointments of the undermentioned officers in the grade of Aerodrome Officer upto the 31st March, 1980 or till the regular appointments are made to the grade, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Station
1.	Shri Kaviraj Singh	A.S.O. (ATC) Headquarters.
2.	Shri J.S.R.K. Sharma	Madras.
3.	Shri Amir Chand	Gwalior.
4.	Shri H.D. Lal	Bhopal.
5.	Shri C.N.S. Moorthy	Madras
6.	Shri A.N. Mathur	Kumbhirgram.
7.	Shri P.K. Khanna	Dum Dum.
8.	Shri G.N. Moorthy	Madras.
9.	Shri P.B. Deswani	AO(P) Headquarters.
10.	Shri K.P.S. Nair	Madras.
11.	Shri S.J. Singh	Palam.
12.	Shri S.K. Vora	Santacruz.
13.	Shri Vinod Kumar Yadav	Santacruz.
14.	Shri K.K. Mehrotra	Dum Dum.

V. V. JOHRI  
Asstt Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 6th December 1979

No. A.44012/1/78-ES.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri S. P. Sengupta, Aircraft Inspector, in the office of the Regional Director, Bombay Region, Bombay, with effect from 13-11-78 (AN).

The 7th December 1979

No. A.32013/8/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Narayanswamy, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis wef 30-10-79 (FN) for a period of six months or till regular appointment are made to the grade, whichever is earlier and to post him in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta.

R. N. DAS  
Asstt. Director of Administration.

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras, the 3rd December 1979

No. 1/79—The following Inspectors of Central Excise (S.G.) are appointed to officiate until further orders as Superintendent, Group 'B' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200. They have assumed charge as Superintendents in the places and on the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1	2	3	4
S/Shri			
1.	R.M. Sethuchidambaram	Preventive Group Sivakasi Division	08-9-78
2.	K.M. Abdul Razaack	Madurai Mofussil MOR, IDO, Madurai	18-9-78
3.	T. Ramanathan	Elayirampannai MOR, Sivakasi Division	23-9-78
4.	P.K. Krishnan	Hqrs. Office, Madurai	15-11-78
5.	K. Ellappan	Do.	15-11-78
6.	S. Shanmuga Sundaram	Tirunelveli Division	15-11-78
7.	K.R. Rajagopalan	Hqrs. Office, Madurai	15-11-78
8.	N. Doraisamy	Gandhigramam MOR, Tirunelveli Division	15-11-78
9.	M. Panneerselvam	Sivakasi Division	15-11-78
10.	G. Vincent	Pudugramam MOR, Tirunelveli Division	17-11-78
11.	S.O. Arumugam	Arumuganeri MOR, Tirunelveli Division	17-11-78
12.	N. Sethuraman	Thiruthuraipondi, Nagapattinam Division	17-11-78
13.	R. Balamugundan	Nagapattinam I.D.O.	18-11-78
14.	J. Abdul Kalam Azad	Trichy Division	18-11-78
15.	S. Ramachandran	Dindigul Division	18-11-78
16.	P. Rengasamy	IDO, Madurai	19-11-78
17.	E. Vadidhyanathan	Sivakasi Division	21-11-78
18.	K.N. Subramanian	Trichy Central Excise, Division	22-11-78
19.	R. Masilamani	Dindigul I.D.O.	23-11-78
20.	S. Thirumalai	Tuticorin M.O.R.	29-11-78
21.	R. Ramachandran	Hqrs. Office, Madurai	29-11-78
22.	Md. Muzhar Hussain	Thiruverumbur MOR, Trichy Division	29-11-78
23.	G. Alagarsamy	Sivakasi Division	30-11-78
24.	K.N. Nagarajan	Madurai I.D.O.	01-12-78
25.	M. Govindasamy	Theni M.O.R., Dindigul Division	15-12-78
26.	S.M. Paramasivam	Excise Preventive, Hqrs Office, Madurai	15-12-78
27.	P. Thannasi	Kovilpatti M.O.R., Tirunelveli Division	18-12-78
28.	E. Munusamy	Batlagundu MOR, Dindigul Division	22-12-78
29.	M.C. Subbiah	Nagercoil M.O.R., Tirunelveli Division	25-1-79

1	2	3	4
30. A. Vellaichamy		Hqrs. Office, Madurai	16-2-79
31. Md. Mustafa		Dindigul M.O.R. II	30-5-79
32. N. Sathyaveeswaran		Hqrs. Office, Madurai	01-6-79
33. K. Vasudevan		Nagapattinam I.D.O.	04-6-79
34. G. Soosai Fernando		Srivilliputhur MOR., Sivakasi Division	07-6-79
35. M. Dorairaj		Thiruthangal M.O.R., Sivakasi Division	08-6-79
36. K. Manickam		Sivakasi M.O.R. I	08-6-79
37. V. Arasappan		Virudhunagar M.O.R., Sivakasi Division	13-6-79
38. V. Arulraj		Sivakasi MOR-II	14-6-79
39. M. Govindan Kutty Nair		Hqrs. Office, Madurai	20-6-79
40. H. Bilavendran		Sivakasi M.O.R. VII	04-7-79
41. S. Issac		Sivakasi I.D.O.	05-7-79
42. P.K. Govindarajan		Kochadai M.O.R., I.D.O., Madurai	10-7-79
43. S. Venkatachalam		Thirumangalam M.O.R., I.D.O., Madurai	22-7-79
44. T.M. Ramesan		Hqrs. Office, Madurai	31-7-79 AN
45. D. Dalton		Tirunelveli M.O.R.	30-8-79 AN

No. 2/79.—The following office Superintendents of Central Excise are appointed to officiate until further orders as Administrative Officer (Group 'B') in the scale of pay of Rs. 650-10-740-35-810-EB-35-880-40-1200. They have assumed charge as Administrative Offices in the places and on the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Place of posting	Date of assumption of charge.
S/Shri			
1. P.V. Narayanan		Hqrs. Office, Madurai	27-6-79
2. N. Mariappan		Sivakasi Division	27-6-79
3. S. Nagarajan		Ramanathapuram Division	16-7-79
4. V.V. Lakshminarayanan		Cuddalore Division	30-7-79

R. JAYARAMAN  
Collector

Baroda, the 5th December 1979

Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect from 2nd April 1979 (Forenoon) until further orders.

K. S. SIDHU  
Dy. Director General of Shipping

No. 15/79.—Shri T. M. Dave, Superintendent of Central Excise Group 'B' (Technical) Dy. Collector (Tech) Baroda has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-11-79.

No. 16/79.—Shri C. S. Desai, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Baroda Dn. III has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-11-79.

No. 17/79.—Shri N. M. Gurjar, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Nadiad Division, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-11-1979.

No. 18/79.—Shri K. V. Parikh, Administrative Officer of Central Excise, Group 'B' Baroda Division-I has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-11-1979.

No. 19/79.—Shri C. M. Patel, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Ahmedabad Dn. II, has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-11-1979.

J. M. VERMA  
Collector of Central Excise  
Baroda

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kashmir Power Industries Private Limited*

Srinagar-190008, the 6th October 1979

No. PC/369.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kashmir Power Industries Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off from the Registrar and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kashmir Power Industries Private Limited*

Srinagar-190008, the 6th October 1979

No. PC/224.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Rohmetra & Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said Company will be dissolved.

M. M. SINGH  
Registrar of Companies  
Jammu and Kashmir

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 4th December 1979

No. 11-TR-(5)/79.—The President is pleased to appoint Shri Ramesh Chandra Yadav, as Engineer Officer in the

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kaveri Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 7th December 1979

No. 1779/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kaveri Chit Funds Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Technochem Services Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 7th December 1979

No. 2440/560/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of M/s. Technochem Services Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

F. T. GAJWANI  
Registrar of Companies  
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sri Jayanthi Sugars Private Limited*

Pondicherry, the 10th December 1979

C. No. 141.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name M/s. Sri Jayanthi Sugars Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA  
Registrar of Companies  
Pondicherry

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri B. K. Misra and five others  
of Markendeswar Sahi, Puri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Damodar Sinhari  
of Mani Kanika Sahi, Puri Town.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
FOREST PARK, BHUBANESWAR, ORISSA

Bhubaneswar, the 28th November 1979

Ref. No. 85/79-80/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I,  
B. MISRA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 1217 situated at Mouza, Baseli Sahi, Puri  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Puri on 27-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

The land with building located at Mouza-Baseli Sahi, Puri  
Town under the jurisdiction of Sub-Registrar, Puri and registered  
Sale Document No. 1217, dated 27-3-79, in Khata No.  
221 and in Plot No. 857 and Khata No. 414/261 and in  
Plot No. 858 in Puri Town.

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. MISRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri B. K. Misra and five others  
of Markendeswar Sahi, Puri Town.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
FOREST PARK, BHUBANESWAR, ORISSA

Bhubaneswar, the 28th November 1979

Ref. No. 86/79-80/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, B. MISRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1218 situated at Mouza, Baseli Sahi, Puri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Puri on 27-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Dinabandhu Sinhari  
of Manikarnika Sahi, Puri Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

The land with building located at Mouza-Baseli Sahi, Puri Town under the jurisdiction of Sub-Registrar, Puri and registered Sale Document No. 1218, dated 27-3-79 in Khata No. 221 and in Plot No. 857 and Khata No. 414/261 and in Plot No. 858 in Puri Town.

B. MISRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-11-1979

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Nagendra Nath Das alias Talukdar  
Polton bazar, Guuhati.  
(Transferor)

(2) Shri Vrijesh Agarwal (Minor) Rep. by father  
Shri Prahladrai Agarwal No. 2, Doverpark, Calcutta-19.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, GAUHATI

Gauhati, the 26th November 1979

Ref. No. 781/A-247/Gau/78-79.—Whereas, I, R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

Dag No. 245 and 246 and K.P. Patta No. 214 situated at Vill. Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 26-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Bigha 1 (One) Katha 12 (thirteen) Lecha situated at Village Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Gauhati.

Date : 26-11-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Nagendra Nath Das alias Talukdar  
Palton bazar, Gauhati.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, GAUHATI

Gauhati, the 26th November 1979

Ref. No. 777/A-746/Gau/78-79.—Whereas, I, R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Dag. No. 246 and 576 and K.P. Patta 214 situated at Vill. Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gauhati on 26-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Prakash Agarwal (Minor) Rep. by  
Shri Viswanath Agarwal,  
No. 2 Doverpark, Calcutta-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Bigha 1 (One) Katha 13 (thirteen) Lacha situated at village Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati, in district of Kamrup.

R. N. BARA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Gauhati.

Date : 26-11-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS —————

(1) Shri Nagendra Nath Das alias Talukdar  
Polton bazar, Gauhati.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 24th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. —Whereas, J. R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Dag No. 245 and K.P. Patta No. 214  
situated at Vill. Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gauhati on 26-3-1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 4 (four) Katha 8 (eight) Lecha situated at village Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 24th November 1979

Ref. No. 769/A-244/Gau/78-79.—Whereas, I, R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag. No. 245 and K.P. Patta No. 214 situated at Vill. Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gauhati on 26-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nagendra Nath Das alias Talukdar  
Polton bazar, Gauhati.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Saraf  
S/o Shri Murlidhar Saraf  
SRCB Road, Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Katha 9 (nine) Lecha situated at Village Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup.

R. N. BARA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 24-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Nagendra Nath Das alias Talukdar  
Poltonbazar, Gauhati.  
(Transferor)

(2) Smt. Narayani Devi Saraf  
W/o Sri Murlidhar Saraf  
SRCB Road, Fancy Bazar, Gauhati.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 24th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 765/A-243/Gau/78-79.—Whereas, I, R.N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and baring

Dag. No. 245 and K.P. Patta No. 214 situated at Vill. Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 26-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Katha 9 (nine) Lecha situated at Village Dwarandha, Mouza Beltola, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 24-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Nilima Pathak  
W/o Shri Hanosha Nath Pathak  
Moriha, Bamonkuchi, Barpeta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Hirakani Devi Poddar,  
W/o Shri Debidutta Poddar,  
Goalpara.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 24th November 1979

Ref. No. 761/A-247/Gau/78-79.—Whereas, I, R. N. BARA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag. No. 1020 and K.P. Patta No. 32 situated at Village Japarigag, Mouza Beltola, Gauhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gauhati on 26-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen\* per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 (three) Katha of village Japarigog, Mouza Beltola situated at G.S. Road near Baptist Church, Gauhati in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Shillong.

Date : 24-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. CHD/314/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 526, Sector 36, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Gurdarshang Singh  
S/o Shri Gajinder Singh  
r/o I/10, Jangpura-B, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Harikishan Dass  
s/o Shri Dhul Chand  
Smt. Kamlesh Ohri  
wd/o Late Sh. P. C. Ohri  
r/o H. No. 212, Sector 18-A,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot of land No. 526, Sector 36, Chandigarh.

(The Property as mentioned in the registered deed No. 1034 of March, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITN3

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. SMN/29/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 66 kanals 2 marlas, situated at Village Dhanetha, Sub-Teh. Samana (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Samana in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) S/Shri Gurjant Singh, Harbans Singh  
S/o Shri Gurnam Singh  
r/o Village Dhanetha, Sub-Teh. Samana.  
(Transferor)

(2) S/Shri Harbans Singh Jagat Singh, Gurmit Singh, Jangir Singh  
ss/o Shri Sudagar Singh  
r/o Dhanetha, Sub-Teh. Samana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 66 kanals 2 marlas situated in Village Dhanetha, Sub-Teh. Samana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1406 of March, 1979 of the Registering Officer, Samana).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. AML/143/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Plot of land measuring 17 biswas, situated at Kukkarmajra,  
Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at  
Amloh in March, 1979  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Guljar Singh  
s/o Shri Hamel Singh,  
r/o Kukkarmajra, Mandi Gobindgarh,  
Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash  
s/o Shri Brahma Nand  
r/o Mandi Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 17 biswas, situated in Kukkarmajra,  
Mandi Gobindgarh, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No.  
2027 of March, 1979 of the Registering Officer, Amloh).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Karanvir Parkash s/o  
Smt. Krishan Parkash, r/o  
10/6J, Medical College Enclave, Rohtak.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

(2) S/Shri Jasbir Singh and Amrit Bir Singh  
s/o Shri Gurcharan Singh  
r/o Lechal, Patiala.  
(Transferee)

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/303/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
1 land measuring 2 bighas 21 biswas at Patiala situated at  
Patiala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
**has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)** in the office of the Registering Officer at  
Patiala in March, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the trans-  
feree, for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 21 biswas situated at Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No.  
6301 of March, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the  
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Deepak Parkash  
S/o Smt. Krishan Parkash, r/o  
10/6J, Medical College Enclave, Rohtak.  
(Transferor)

(2) S/Shri Jasbir Singh and Amrit Bir Singh  
ss/o Shri Gurcharan Singh  
r/o Lehal, Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/304/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 2 bighas 2½ biswas at Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 bighas 2½ biswas situated at Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 6302 of March, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM JTNS

(1) Shri Shiv Raj Singh  
s/o Shri Ajit Inder Singh,  
t/o Stadium Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Sukhwant Singh  
s/o Shri Shangara Singh and  
Shri Thakar Paul Singh  
s/o Shri Ajit Singh  
of Samana, Stadium Road, Officer's Colony,  
Patiala.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/280/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Officer's Colony, Patiala  
at Opp. Krishna Mahal Theatre, Guntur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Patiala in March, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 8 biswas situated on Stadium  
Road, Near Officer's Colony, Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No.  
5807 of March, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in  
respect of any income arising from the transfer;  
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian Income-  
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Brig. Fateh Singh  
s/o Shri Genl. Chanda Singh  
r/o Genl. Chanda Singh Road, Patiala.  
(Transferor)

(2) Shri Nika Ram  
s/o Shri Sita Ram  
r/o Nabha Gate, Patiala.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/291/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Plot of land measuring 10 biswas situated at General Chanda Singh Road, Patiala. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 10 biswas situated on Genl. Chanda Singh Road, Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed, No. 5936 of March, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bardi Nath  
s/o Shri Mast Ram,  
r/o Vill. Ajnali, Teh. Sirhind.

(Transferor)

(1) Shri Darbara Singh  
s/o Shri Jagram Singh,  
r/o Village Kukkarmajra, Mandi Gobindgarh,  
Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. SRD/210/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land measuring 13 bighas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Dist. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Sirhind in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 13 bighas situated in Village Ajnali, Sub-tehsil Sirhind.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3578 of March, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
20—386GI/79

## FORM ITNS

(1) Shri Bardi Nath  
s/o Shri Mast Ram,  
r/o Vill. Ajnali, Teh. Sirhind.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. SRD/217/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land measuring 13 bighas situated at Village Ajnali, Sub.-Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 13 bighas situated in Village Ajnali, Sub-tehsil Sirhind.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3682 of March, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979  
Seal :

Now, therefor, in pursuance of Section 169C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

(1) Shri Bardi Nath  
s/o Shri Mast Ram,  
r/o Vill. Ajnali, Teh. Sirhind.

(Transferor)

(2) Shri Hardev Singh  
s/o Shri Darbara Singh,  
r/o Village Kukkarmajra, Mandi Gobindgarh,  
Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. SRD/214/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 13 bighas situated at Village Ajnali, Teh. Sirhind, Distt. Patiala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in March, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 13 bighas situated in Village Ajnali, Sub-tehsil Sirhind.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3619 of March, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Davinder Singh  
s/o Shri Tata Singh  
r/o Kakrala, Tehsil Patiala.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajinder Singh Walia  
s/o Shri Sadhu Singh Walia,  
166/15, Ashok Garh, B. T. Road,  
Calcutta-35.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/282/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 1-67-89 Hctrs. situated at Village Kakrala, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-67-98 hctrs. situated at Vill. Kakrala Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5842 of March, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Davinder Singh  
s/o Shri Tara Singh  
r/o Kakrala, Tehsil Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Daljit Kaur  
w/o Shri Sadhu Singh Walia,  
166/15, Ashok Garh, B. T. Road,  
Calcutta-35.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/283/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 1-67-97 Hectors situated at Village Kakrala, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-67-97 Hectors situated at Village Kakrala, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 5853 of March, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE GUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/284/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 1-67-97 hectares situated at Village Kakrala, Teh. & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurnam Kaur  
w/o Shri Tara Singh,  
through General Attorney  
Shri Devinder Singh  
s/o Shri Tara Singh,  
r/o Village Kakrala,  
Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Daljit Kaur  
w/o Shri Sadhu Singh Walia,  
166/15, Ashokgarh, B.T. Road,  
Calcutta-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1-67-97 hectares situated in Village Kakrala, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 5854 of March, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

**FORM ITIN**

(1) Smt. Gurnam Kaur  
w/o Shri Tara Singh,  
r/o Lehal, Patiala,  
through General Attorney  
Shri Devinder Singh  
s/o Shri Tara Singh,  
r/o Village Kakrala,  
Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh Walia  
s/o Shri Sadhu Singh Walia,  
166/15, Ashokgarh, B.T. Road,  
Calcutta-35.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
GUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/281/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Land measuring 1-67-97 hectares  
situated at Village Kakrala, Teh. & Distt. Patiala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Patiala in March 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transferor;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 1-67-97 hectares situated at Village Kakrala  
Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No.  
5841 of March 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rajesh Kumar  
s/o Shri Sham Lal,  
r/o 37-Court Road,  
Kennedy Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. M. S. Nagra & Sons,  
through its karta Shri M. S. Nagra  
s/o Shri Sain Dass,  
r/o Kothi No. 31-A, Sector 2-A,  
Chandigarh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE GUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. CHD/305/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, House No. 31-A, Sector 2-A, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House No. 31-A, Sector 2-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 999 of March, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
 BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. CHD/315/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1231, Sector 18-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 21—386GI/79

(1) Smt. Bhagwati Khanna  
 wd/o Shri Ishar Dass Khanna,  
 r/o H. No. D-I, Nizamudin West,  
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal  
 s/o Shri Sant Ram,  
 r/o H. No. 1231, Sector 18-C,  
 Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Virender Uppal, Contractor,  
 r/o 1st Floor, H. No. 1231, Sector 18-C,  
 Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 1231, Sector 18-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1040 of March, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,  
 Competent Authority.  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.  
 Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Charan Singh  
s/o Shri Arjan Singh,  
r/o G-17, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jeeti Mummick  
w/o Shri S. P. Mummick,  
r/o Harmillena, Bharari Road, Simla-I.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. SML/90/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, Building and hereditaments known as "Hermillena" situated at Station Ward, Bara Simla, Simla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, Building and hereditaments known as "Hermillena", Station Ward, Bara Simla, Simla.

(The property as mentioned in the registered deed No. 165 of March, 1979 of the Registering Officer, Simla).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 8-11-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Smt. Urmila Marya  
w/o Dr. S. K. Singh Marya,  
Medical College, Rohtak.

(Transferor)

(2) Shri Sarup Lal  
s/o Shri Inder Sain,  
S/Shri Vijay Kumar, Budhi Raj  
ss/o Shri Ram Murti,  
Shri Gurbachan Lal Malhotra  
s/o Shri Sarup Lal,  
c/o M/s. Malhotra Sweet Corner,  
Anardana Chowk, Patiala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE

BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/289/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One Garbage situated at outside Lahori Gate, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Garbage situated at outside Lahori Gate, Patiala.  
(The property as mentioned in the registered deed No. 5932 of March, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE

BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref No. SRD/219/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 12 bighas 4 biswas situated at village Ajnali, Sub-Teh. Sirhind, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Singh  
s/o Shri Sunder Singh,  
r/o Village Ajnali, Sub-Teh. Sirhind,  
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Mukhtiar Singh, Gulzar Singh  
ss/o Shri Hamel Singh,  
S/Shri Darshan Singh, Jaspal Singh, Jagjit Singh  
ss/o Shri Mukhtiar Singh  
r/o Village Kukkarmajra, Sub-Teh. Amloh,  
Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 bighas 4 biswas situated in Village Ajnali, Sub-Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3718 of March, 1979 of the Registering Officer, Sirhind).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/293/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Land measuring 28 kanals situated at Vill. Ghalori Teh. & Distt. Patiala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in March, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Danesh Kumar  
s/o Shri Dev Bharat,  
r/o Brick Kiln Owner, Sanaur Road,  
Patiala.

(Transferor)

(2) Dr. Napinder Singh Chahal  
s/o Shri Kaka Singh,  
r/o Sanauri Road, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 28 kanals situated at Village Ghalori Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 5978 of March, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PTA/292/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRAInspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearingAgricultural land measuring 31 kanals 9 marlas situated at Village Sanaur, Teh. Distt. Patiala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Patiala in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Paras Ram  
s/o Shri Kala Ram  
r/o Village Sanaur, Teh. & Distt. Patiala.  
(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand  
s/o Shri Chur Ram  
s/o Shri Pyara Ram,  
r/o Village Sanaur, Teh. & Distt. Patiala.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31 kanals 9 marlas situated in Village Sanaur, Teh. &amp; Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 5963 of March, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Naranjan Singh  
s/o Shri Sarwan Singh,  
r/o Samana.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Kumar  
s/o Shri Piara Lal  
r/o Samana, Sub-Teh. Samana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. SMN/30/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 64 kanals, situated at Village Malkana, Teh. Samana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 kanals situated at Village Malkana, Teh. Samana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1429 of March, 1979 of the Registering Officer, Samana).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Lachhman Singh  
s/o Shri Mangal Singh,  
r/o Village Dabri,  
Teh. & Distt. Karnal (Haryana).

(Transferor)

(2) S/Shri Pargat Singh, Ujagar Singh,  
Nirbhai Singh, Uggar Singh  
s/o Shri Gajjan Singh,  
r/o Village Ageta, Teh. Nabha.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. NBA/115/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition  
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 23 bighas 19 biswas situated at Village Ageta Teh. Nabha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in March 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 bighas 19 biswas situated at Village Ageta Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2703 of March, 1979 of the Registering Officer, Nabha).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri Chanan Singh  
s/o Shri Sodhu  
s/o Shri Kandbari,  
r/o Nalina Kalan, Teh. Sirhind.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurdip Singh, Paramjit Singh,  
Balwinder Singh, Baljinder Singh  
ss/o Shri Piara Singh  
r/o Hussainpura, Teh. Sirhind.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. SRD/224/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 51 kanals,  
situated at Hussainpura, Teh. Sirhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—386 GI/79

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 51 kanals situated at Hussainpura, Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3747 of March, 1979 of the Registering Officer, Sirhind).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. CHD/331/78-79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana  
being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.C.O. No. 111-112-113, Sector 17-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Krishan Kashyap  
w/o Shri Des Raj,  
through General Attorney  
Shri Avinash Chander,  
r/o H. No. 26, Sector 8-A,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Manga Singh  
s/o Shri Ajit Singh,  
Smt. Surinder Kaur  
w/o Shri Manga Singh,  
Shri Mohan Singh  
s/o Shri Ajit Singh,  
r/o Vill. & P.O. Atholi, Distt. Kapurthala,  
S/Shri Anurik Singh, Chanan Singh  
ss/o Shri Dalip Singh,  
r/o Chak Hakim P.O. Naugal Majra,  
Distt. Kapurthala.  
S/Shri Sucha Singh & Kirpal Singh  
ss/o Shri Ram Singh,  
r/o Village Anwaria Farm-7,  
Distt. Rampur (U.P.).

(Transferee)

(3) M/s United Diamond Ltd.,  
SCO 111-112-113, Sector 17-B,  
Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCO No. 111-112-113, Sector 17-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1152 of March, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Harbans Singh  
s/o Shri Anoop Singh,  
r/o Village Attiana Sub-Teh. Raikot,  
Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Ruldu Singh, Sohan Singh,  
Mohan Singh, Lal Singh  
ss/o Shri Inder Singh  
r/o Village Attiana, Sub-Teh. Raikot,  
Distt. Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. RKT/7/79.—Whereas, I,  
R. K. MALHOTRA

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land measuring 7 bighas 9 biswas 10 biswasi situated at Village Attiana, Sub-Teh. Raikot, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Raikot in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas 9 biswas 10 biswasi situated in Village Attiana, Sub-Teh. Raikot, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 384 of June, 1979 of the Registering Officer, Raikot).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. RKT/4/79-80.—Whereas, I,  
**R. K. MALHOTRA**  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 5 bighas 9 biswas 5 biswasi situated at Village Attiana, Sub-Teh. Raikot, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot in June, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohinder Kaur  
w/o Shri Anoop Singh  
s/o Shri Chanda Singh  
r/o Village Attiana Sub-Teh. Raikot,  
Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Ruldu Singh, Sohan Singh,  
Mohan Singh, Lal Singh  
ss/o Shri Inder Singh  
r/o Village Attiana, Sub-Teh. Raikot,  
Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 bighas 9 biswas 5 biswasi situated at Village Attiana, Sub-Teh. Raikot, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 334 of June, 1979 of the Registering Officer, Raikot).

**R. K. MALHOTRA,**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. LDH/56/79-80.—Whereas, I,  
**R. K. MALHOTRA**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 1225 sq. yds. situated at  
Village Bhaura, G.T. Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Kasturi Lal  
s/o Shri Gopi Ram  
s/o Shri Narain Mal  
r/o Saban Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Garish Kapoor  
s/o Shri Sat Parkash,  
r/o 82-Mall Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Plot measuring 1225 sq. yds. situated in Village Bhaura, G.T. Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 563 of April, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

**R. K. MALHOTRA,**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8.11.1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. LDH/20/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot measuring 1225 sq. yds. situated at Village Bhaura, G.T. Road, Ludhiana 108, situated at East Perumal Maistry Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kaur Sain  
s/o Shri Sat Prakash Kapoor,  
r/o Saban Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Gurish Kapoor  
s/o Shri Sat Parkash Kapoor,  
r/o 82-Mall Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot measuring 1225 sq. yds. situated in Village Bhaura, G.T. Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 150 of April, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA  
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. LDH/54/79-80.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. B-II-1761, situated at Niggar Mandi, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Bhandari Brothers, Bhandari Street, Civil Lines Ludhiana, through; Shri Shanti Dass, Shri Sarovar Nath, Shri Sarswati Dass, Bhandari, Partners.

(Transferor)

(2) S/Shri Dinesh Kumar Karwa s/o Sh. Hans Ram Karwa, Bharat Kumar Karwa s/o Sh. Varinder Kumar Karwa, 173-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-II-1761 situated at Niggar Mandi, Ludhiana. (The Property as mentioned in the registered deed No. 553 of April, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE  
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. LDH/260/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. B-II-294 (new) Old No. B-I-1376, situated at Chhowni Mohalla, Kucha Nizamudin, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Giani Uttam Singh s/o Sh. Panjab Singh s/o Mehar Singh r/o B-I-1376, Chhowni Mohalla, Ludhiana, (Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Sh. Ram Lubhaya, S/Sh. Sham Sunder, Satish Kumar & Veena Kumari sons and daughter of Shri Ram Lubhaya, r/o B-II-294, Chhowni Mohalla, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-II-294 situated in Nizamudin Kucha, Chhowni Mohalla, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4427 of March, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Kartar Singh s/o Sh. Fattu r/o Village Rampur Teh. Payal, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Singh s/o Sh. Narinder Singh, Village Rampur Teh. Payal, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. PYL/54/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 25 bighas situated at Village Rampur, Sub-Teh. Payal, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Payal in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 bighas situated in Village Rampur, Sub-Teh. Payal, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1647 of March, 1979 of the Registering Officer, Payal).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—386GI/79

## FORM ITNS —

(1) Sh. Gian Singh, Mohinder Singh s/o Sh. Waryam Singh, r/o Jandiali, Teh. Ludhiana.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1979

Ref. No. LDH/R/130/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 33 kanals 19 marlas situated at Village Jandiali, Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Manjit Kaur w/o Sh. Shamsher Singh s/o Sh. Joginder Singh, r/o Jandiali, Tehsil, Ludhiana.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 kanals 19 marlas situated in Village Jandiali, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 7061 of March, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-11-1979  
Seal :

## FORM 1TNS

(1) Smt. Jaswant Kaur daughter & legal representative of Smt. Gulab Kaur wd/o Sh. Gobinder Singh, r/o Sibian, Sangrur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sant Sadhu Singh Moni s/o Sh. Hari Singh, Gurdwara Sibia Villa or Akal Challan Sant Baba Attar Singh Mastuana, Nabha Gate, Sangrur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 17th November 1979

Ref. No. SNG/98/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Nabha Gate, Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-11-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Jaswant Kaur daughter & legal representative of Smt. Gulab Kaur wd/o Sh. Gobinder Singh, r/o Sibian Sangrur.  
(Transferor)

(2) Sant Sadhu Singh Moni s/o Sant Hari Singh, Gurdwara Sibia Villa or Akal Challan Sant Baba Attar Singh Mastuana, Nabha Gate, Sangrur.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 17th November 1979

Ref. No. SNG/99/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property situated at Nabha Gate, Sangrur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property situated at Nabha Gate, Sangrur.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2606 of March, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FRM ITNS

(1) Smt. Jaswant Kaur daughter & legal representative  
Smt. Gulab Kaur wd/o Sh. Gobinder Singh r/o  
Sibian, Sangrur.  
(Transferor)

(2) Sant Sadhu Singh Moni s/o Sant Hari Singh, Gur-  
dwara Sibia Villa or Akal Challan Sant Baba Attar  
Singh Mastuana, Nabha Gate, Sangrur.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 17th November 1979

Ref. No. SNG/102/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Nabha Gate, Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property situated at Nabha Gate, Sangrur,

(The property as mentioned in the registered deed No. 2696 of March, 1979 of the Registering Authority, Sangrur.

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 17th November 1979

Ref. No. LDH/29/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shops No. 5-6, M.C. No. B-7-23(Old), B-7-44 (New), situated at Chowk Girja Ghar, Chaura Bazar, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Mushtaq Rai s/o Sh. Dyanant Rai s/o Shubhkaran Dass Pushpa Wanti, Kailash Wanti ds/o Sh. Dayanant Rai s/o Sh. Shubhkaran Dass, r/o Mohalla Sekhan Dareshi Road, Ludhiana through Shri Mushtaq Rai, General Attorney. (Transferor)
- (2) Shri Jagdish Kumar s/o Sh. Hans Raj s/o Sh. Uttam Chand c/o M/s Nath Di Hatti, Chaura Bazar, Ludhiana. (Transferee)
- (3) Sh. Basti Ram, Shop No. B-7-23 (old) B-7-44 (New) Chowk Girja Ghar, Chaura Bazar, Ludhiana. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Basti Ram, Shop No. B-7-23 (old), B-7-44 (New), Chowk Girja Ghar, Chaura Bazar, Ludhiana. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Shops No. 5-6, B-7-23 (old), B-7-44 (new), Chowk Girja Ghar, Chaura Bazar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4800 of March, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-11-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 17th November 1979

Ref. No. CHD/323/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCF No. 34, Sector 21-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Kiran Behari Thaper s/o Lt. Genl. P. N. Thapar, (as Karta or HUF) r/o White Gate, P.O. Maidan garh, New Delhi, through Spl. Attorney Mrs. Bimla Thapar, w/o Lt. Genl. P. N. Thapar, 2. Mrs. Bimla Thapar w/o Lt. Genl. P. N. Thapar, r/o White Gate, Maidan Garh, New Delhi. (Transferor)

(2) 1. Smt. Kusam Malhotra w/o Sh. Surch Kumar Malhotra, 2. Sh. Tejinder Kumar Malhotra, 3. Sh. Arvinder Kumar Malhotra ss/o Sh. Ram Saran Dass Malhotra, 4. Mrs. Leela Malhotra w/o Shri Ram Saran Dass Malhotra, all residents of H. No. 2066, Sector 21-C, Chandigarh. (Transferee)

(3) M/s Scooter Corner, SCF No. 34, Sector 21-C, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

SCF No. 34, Sector 21-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1131 of March, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-11-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 17th November 1979

Ref. No. CHD/333/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of incomplete Industrial Building No. 73, situated at Industrial Area, Chandigarh (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Raghbir Singh and Sh. Chattar Singh ss/o Late Sh. Jagat Singh r/o H. No. 240, Sector 9-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sita Wanti w/o Sh. Mohan Singh,  
2. Smt. Baba Bakshi w/o Amarjit Singh,  
3. Sh. Gobind Singh s/o Shri Mohan Singh all r/o H. No. 120, Sector 36-A, Chandigarh.  
4. Smt. Gurbinder Kaur w/o Harmohinder Singh,  
5. Sh. Jatinder Singh s/o Sh. Harmohinder Singh, r/o 141, Sector 16-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share of incomplete Industrial Building No. 73, Industrial Area, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1190 of April 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-11-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 22th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/195.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Chander Mohni w/o Sh. Prithvi Lal r/o 9, Majitha Road, Amritsar through Sh. Jagan Nath s/o Sh. Nand Lal, r/o 2, Majitha Road, Amritsar (Mukhtar Aam).

(Transferor)

(2) Smt. Gulshan Raj Kaur w/o S. Pritpal Singh c/o S. Partap Singh Kothi No. 7 Shivala Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 636 sq. yds situated on the Majitha Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 146/I dated 17-4-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range.  
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

24—386 GI/79

Date : 22-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1979

Ref No. ASR/79-80/196.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot at Green Avenue, Amritsar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Sunder Singh s/o S. Tara Singh r/o 941/o, Sawank Mandi, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Mohanji Kaur w/o S. Tarlochan Singh r/o Qila Bhangian Wala, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at St. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share one plot No. 349 measuring 365 sq. mtrs situated in Green Avenue, Amritsar as mentioned the registered sale deed No. 4696/I dated 29-3-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 19-10-1979  
Seal :

## FORM IINS--

(1) Smt. Chandrak Devi w/o Sh. Ved Barat Mahajan,  
r/o Daangu Road, Pathankot.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 24th October 1979

Ref. No. PKT/79-80/197. Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property at Dalhousie situated at Road, Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Pathankot on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Shri Joginder Singh, Mohinder Singh s/o Karam Singh Shopkeeper, Mission Road, Pathankot.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

One house consisting of double storey structure on a plot of area 525 sq. yds situated on a little off the Dalhousie Road, Pathankot, as mentioned in the registered sale deed No. 3010 dated 15-3-1979 of the registering authority, Pathankot.

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/198.—Whereas I. M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot on the back side of East Mohan Nagar, situated at Amritsar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Neelgiri Tea Company inside Gate Ghec mandi Amritsar through S. Harbans Singh s/o S. Mohan Singh.

(Transferor)

(2) Sh. Chanan Singh s/o S. Ram Singh r/o Dera Sant Baba Bishan Singh, 293/1 Chamrang Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the question of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 527 1/3 sq. mtrs situated in Tugh Pai Urban (on the back side of East Mohan Nagar on 80' wide road) as mentioned in the registered sale deed No. 4496/I dated 12-3-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date 19-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/199.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in house situated at Kot Karnail Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. S. Santokh Singh s/o S. Karam Singh r/o Abadi kot Karnail Singh, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari d/o Sh. Dharamdev r/o House No. 10600-40 Kot Karnail Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1/2 share in a house bearing No. 10600-40 situated in Kot Karnail Singh, Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4639/I dated 26-3-1979 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 17-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. S. Santokh Singh s/o S. Kartar Singh r/o Abadi Kot Karnail Singh, Sultanwind Road, Amritsar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 17th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/200.—Whereas I, M. L. MAHAJAN,  
IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in house situated at Kot Karnail Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on April 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sardar Lal s/o Sh. Sukhdial r/o house No. 10600-XVI-40 Kot Karnail Singh, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in house bearing No. 10600-40 situated in Kot Karnail Singh, Sultanwind Road, Amritsar, as mentioned in the registered sale deed No. 100/I dated 14-4-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 17-10-1979.

Seal :

## FORMS ITNS—

(1) Smt. Daya Wanti wd/o Late Sh. Sunder Dass r/o Batala.

(Transferor)

(2) (Dr.) Shri P. C. Dhingra s/o Sh. Ram Kishan Dhingra. r/o Moti Bazar, Batala.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property),

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. BTL/79-80/201.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot situated at Dharampura Colony, Batala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Batala on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

One plot measuring 27 marlas 3½ sarsahi situated in Dharampura Colony, Batala as mentioned in the registered sale deed No. 7347 dated 26.1.1979 of the registering authority, Batala.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/202.—Whereas I, M. L. MAHAJAN,  
IRS.being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. Plot of land situated at Joshi colony  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at SR Amritsar on March, 1979for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefore by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—(1) Sh. Brijbhushan Joshi s/o Sh. Birbhadar Joshi,  
Smt. Romesh Joshi w/o Sh. Brij Bhushan Joshi &  
Smt. Ram Puri wd/o Sh. K. C. Joshi r/o  
Durgiana Abadi Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ramgopal Daga, Siri Gopal Daga ss/o Sh.  
Ram Bikhi Dass Daga & Smt. Ritu Daga w/o Sh.  
Baini Parkash r/o Mall Road, Amritsar, and 5  
Camac Street Calcutta.

(PTransferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to  
be interested in the property).Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in respect  
of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);1/2 share plot measuring 864.8 sq. mtrs situated in Joshi  
colony as mentioned in the registered deed No. 4616 dated  
22-3-79 of the registering authority, Amritsar.M. L. MAHAJAN, JRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar.Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date :19-10-1979.

Seal :

## FORM ITNS —

(1) Smt. Dayawanti wd/o Sh. Sunder Dass, Batala.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.  
AMRITSAR

Amritsar, the 22th October 1979

Ref. No. BTL/79-80/203.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one plot situated at Dharampura colony, Batala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Batala on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Dayawanti wd/o Sh. Sunder Dass, Batala.  
(Transferor)
- (2) Smt. Pritima Dhingra w/o Sh. P. C. Dhingra (Dr.)  
r/o Moti Bazai, Batala.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot measuring 27 marlas 3½ sarsahi situated in Dharampura colony, Batala as mentioned in the registered sale deed No. 7346 dated 26-3-79 of the registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
25—386 GI/79

Date : 22-10-1979,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 19th October 1979

Ref. No. ASR/79-80/204.—Whereas I, M. L. MAHAJAN,

IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Joshi colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on April, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Brijbhushan Joshi s/o Sh. Bri Bhadar Joshi, Shmt. Romesh Joshi w/o Sh. Brij Bhushan Joshi & Shmt. Ram Piari wd/o Sh. K. C. Joshi r/o Durgiana Abadi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ramgopal Daga, Siri Gopal Daga ss/o Sh. Ram Rikhi Dass Daga & Shmt. Ritu Daga w/o Sh. Buningopal r/o Mall Road, Amritsar, and 5-Cama street Calcutta.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share of plot measuring 864 sq. mtrs situated in Joshi colony as mentioned in the registered deed No. 24/I dated 3-4-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 19-10-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE,  
 AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1979

- (1) Field Marshal H.S.F. Manakshaw son of Dr. H. F. Manekshaw r/o 45-Valantia Naroji Gamdia Road, Bombay-26.  
 (Transferor)
- (2) Sh. Harinder Singh s/o Joginder Singh, r/o The Mall Road, Amritsar.  
 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) S/Shri Taran Chand, Gurbachan Singh, Smt. Avtar Kaur, Sh. Dharam Pal Singh, Sh. Inder Singh, Shri Sur & Co. Shri O. P. Sharma.  
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One building (1/4th share) situated Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 1020/I dated 2-7-79 of the register in authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, I.R.S.  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-11-1979.  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 6th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/206.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building, Hall Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on July, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Field Marshal S.H.F. Manakshaw son of Dr. H. F. Manakshaw r/o 45-Valantia Naroji Gamdia Road, Bombay-26.  
(Transferor)
- (2) Sh. Surinder Singh Gill s/o Sh. Inder Singh, r/o Mall Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s) S/Shri Taran Chand, Gurbachan Singh, Shmt. Avtar Kaur, Sh. Dharam Pal Singh, Sh. Inder Singh, Shri Sur & Co. Shri O. P. Sharma.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One building (1/4 share) situated in Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 1019/I dated 2-7-1979 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 6-11-1979.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 6th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/207. —Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building situated at Hall Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Field Marshal S. H. F. Manakshaw r/o 45-Valantia Naroji Cambia Road, Bombay-26.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurinder Singh s/o Surinder Singh Gill r/o The Mall Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at st. No 2 above and tenant(s)  
S/Shri Tarun Chand, Gurbachan Singh, Smt. Avtar Kaur, Sh. Dharam Pal Singh, Sh. Inder Singh, Shri Sur & Co. Shri O. P. Sharma.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building (1/4th share) situated in Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4701/I dated 29-3-79 of the registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar.

Date : 6-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 6th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/208.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building situated at Hall Bazar, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Field Marshal S. H. F. Manakshaw r/o 45-Valantia Naroji Gambia Road, Bombay-26.  
(Transferor)
- (2) Sh. Joginder Singh Gill s/o Inder Singh r/o Mall Road, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. S/Shri Taran Chand, Gurbachan Singh, Smt. Avtar Kaur, Sh. Dharam Pal Singh, Sh. Inder Singh, Shri Sur & Co. Shri O. P. Sharma.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building (1/4 share) situated in Hall Bazar, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4700/I dated 29-3-79 of the registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 6-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 7th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/209.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot in Krishna Nagar, Lawrence road, Amritsar, situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Teja Singh s/o Assa Singh s/o Sawaran Singh, General Attorney r/o Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Shri Gurdip Singh s/o S. Tara Singh, r/o Gali No. 3, 1989 Tehsilpura Gate, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot No. 333 measuring 550 sq. yds situated in Krishna Nagar Scheme No. 62, Lawrence Road, as mentioned in the registered sale deed No. 4552 dated 17-3-79 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/210.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land Gurbax Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Baljit Singh s/o S. Balwant Singh r/o village Machhrai Kalan Tehsil Amloh, Distt. Patiala, (Transferor)
- (2) Shmt. Joginder Kaur w/o Sh. Mukhtar Singh r/o Barlaba Jhabal Road, Gurbax Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot measuring 396 sq. mtrs. (4752 sk. yd) is situated in Gurbax Nagar, Jhabal Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4419 dated 5-3-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 9th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/211.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building situated at Ktr. Dal Singh, Amritsar, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—386GT/79

- (1) Sh. Chattar Bhuj, Raj Kumar, Suresh Kumar ss/o Sh. Jetha Nand, Leela Wanti wd/o Jetha Nand, r/o 297/Green Avenue, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Gurdeep Singh s/o S. Santokh Singh, r/o Jora Pipal, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One building H. No. 9/10/5 situated in katra Dal Singh, Amritsar, as mentioned in the registered sale deed No. 4610/ dated 22-3-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 9-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S. Gurbachan Singh s/o Sh. Gonda Ram r/o 73 Lucknow Road, Delhi now 112 Daya Nand Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Manoharma w/o Chaman Lal, Naresh Kumar s/o Chaman Lal r/o Katra Dulo Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/212.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot in Krishna Nagar, situated at Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot measuring 816 sq. yds situated in Krishna Nagar, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4487/1 dated 9-3-79 of the registering authority Amritsar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Gurbachan Singh s/o Sh. Gonda Ram r/o 73, Lucknow Road, Delhi now 112 Daya Nand Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Chander Mohan Kali Charan ss/o Sh. Chaman Lal r/o Katra Dulo Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1979

Ref. No. ASR./79-80/213.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Krishna Nagar, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot measuring 816 sq. yds situated in Krishna Nagar, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 4488/I dated 9-3-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dina Nath s/o Ram Dhan Sharma r/o Dalhousie Road, Pathankot.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/214.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shed on Dalhousie Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s. Guru Nanak Furniture Mart through Shri Surat Singh Sarup Singh & Kundan Singh, r/o Dalhousie Road, Pathankot.  
(Transferee)

(3) As at Sr. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property.  
Persons) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One shed on land measuring 0-18 marla situated on Dalhousie Road, Pathankot as mentioned in the registered sale deed No. 3130 dated 28-3-79 of the registering authority, Pathankot.

M. L. MAHAJAN, I.R.S  
Competent Authority  
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dina Nath &/o Ram Dhan r/o Dalhousie Road, Pathankot.  
(Transferor)

(2) M/s. Ram Gheria Furniture House through S/Shri Ajit Singh, Surat Singh & Des Raj, r/o Dalhousie Road, Pathankot.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/215.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shed Dalhousie Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shed on land measuring 18 marlas situated on Dalhousie Road, Pathankot as mentioned in the regid. sale deed No. 3131 dated 28-3-1979 of the registering Authority, Pathankot.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 9-11-1979.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.**

Amritsar, the 9th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/216.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Ktr. Sher Singh situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) S. Ajit Singh s/o Dewan Singh r/o Katra Sher Singh, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) M/s. Rama Krishna Dyers & Printing works 273-D East Mohan Nagar, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One building bearing No. 927/xii-7 Ktr. Sher Singh, Amritsar, as mentioned in the registered sale deed No. 4746/I dated 30-3-79 of the registering authority, Amritsar.

**M. L. MAHAJAN, IRS.**

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri S. Sohan Singh s/o Chaudhary Man Singh r/o 51/1 Court Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Gurnit Kaur w/o S. Kuldip Singh and Sh. Remesh Chander s/o Sh. Sawaran Nath Sharma 56, Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property);

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

One kothi No. 51/I area 641.4 Sq. mtrs situated on Court Road, Amritsar as mentioned in the registered sale deed No. 4737/3.79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 9-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/218.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Kot Baba Deep Singh, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Chiman Singh, Munshi Singh ss/o Diwan Singh, Shmt. Leela Wanti, Sheela Wanti ds/o Sh. Diwan Singh r/o Gali no. 2, Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Sher Singh s/o Mohkam Singh r/o Gali No. 2, Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house bearing No. 3815/80 situated in Gali No. 2, Kot Baba Deep Singh, as mentioned in the registered deed No. 4406/I dated 3-3-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date : 9-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 9th November 1979

(1) Shri Om Parkash s/o Sh. Kahan Chand r/o 7-C Model Town New Delhi Now Bazar Tokerian, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Joginder Lal s/o Sh. Hem Raj r/o Chowk Phulanwala 1378/X-6, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) S/Shri Piara Lal, Benarsi Das &amp; Narain Dass Om Parkash.

(Person(s) in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One building situated in Bazar Tokerian, Amritsar, as mentioned in the registered sale deed No. 4413/ of 3/79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27—386 GI/79

Date : 9-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 9th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/220. Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property Gali Moti Wali, situated at Charusti Attari, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tara Chand s/o Shri Mela Ram r/o Charusti Attari, Amritsar.
- (2) Shri Gopal Kishan s/o Sh. Shori Lal Shmt. Kanta Rani w/o Sh. Kewal Krishan r/o House No. 4007, Charusti Attari, Gali Moti Wali, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property bearing No. 4007-8 situated in Gali Moti Wali, Charusti Attari, Amritsar, as mentioned in the regd. sale deed No. 4742/l dated 30-3-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 9-11-1979,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Harish Kumar Mehra s/o Sh. Bhagwan Dass  
r/o H. No. 137/12 Katra Parja Amritsar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 13th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/221.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot Krishna Nagar, (Lawrance Road) Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979

on an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitates the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Ajinder Singh s/o Sh. Harbhajan Singh c/o Royal Medical Store, Lawrence Road, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person in occupation of the property].

(4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One piece of land bearing khasra No. 641 measuring 333 sq. yds situated at Krishan Nagar, Lawrence Road, Amritsar, as mentioned the registered sale deed No. 457/I dated 19-3-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 13-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR.

Amritsar, the 13th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/222.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot at Tungbala old Jail Road, situated at Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pirthi Pal Singh alias Pirtpal Singh s/o Sh. Nand Singh r/o Amritsar now Garhshankar Road, Jullundur. (Transferor)
- (2) S. Gurinder Singh s/o Sh. Jagat Singh, r/o 26 Katra Sher Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
- (3) Person in occupation of the property.
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot measuring 360 sq. yds situated at Old Jail Road, Amritsar, as mentioned in the registered sale deed No. 4684/I dated 29-3-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 13-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 13th November 1979

Ref. No. BTL/79-80/223.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land in village Veroke situated at Tehsil Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Batala, on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Santokh Singh s/o Hari Singh of Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Gurdial Singh s/o Sher Singh r/o Dera Baba Nanak, Tehsil Batala. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 59 kanals 13 marlas (1/5th share of 298-6 marlas) situated in village Veroke Tehsil Batala, Distt. Gurdaspur, as mentioned in the registered sale deed No. 1559 dated 1-3-79 of the registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 13-11-1979.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE,  
 AMRITSAR.

Amritsar, the 13th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/224.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house In Partap Bazar, Kucha Nakassian situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Shiv Narain Bansal s/o Sh. Kewal Ram r/o Gali Raja Ugar Sein, Bazar, Sita Ram, Delhi No. 1071.  
 (Transferor)
- (2) S/Shri Baldev Krishan Rakesh Kumar s/o Sh. Panna Lal Katra Moti Ram No. 77, Amritsar.  
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
 M/s. K. Glass & Co., Shri Sachada Nand, Shri Rajni Kant, Shri Prem Sagar Gupta, Shri Sham Lal. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house No. 603/2 situated in Bazar, Partap Kucha Nakassian, Amritsar, as mentioned in the registered deed No. 4668/I dated 28-3-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range,  
 Amritsar.

Date : 13-11-1979.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR.

Amritsar, the 15th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/225.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot land at Jawahar Nagar, situated at Batala Road, Amritsar.

(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Bhupinder Kaur w/o S. Jagjit Singh r/o Chawal Mandi, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Jagwinder Kaur w/o S. Jagjit Singh r/o Gopal Nagar & Ajit Singh s/o Sh. Sarban Singh r/o Gopal Nagar, Amritsar.  
(Transferor)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 759.92 sq. mtrs situated in Jawahar Nagar Batala Road, Amritsar, as mentioned in the registered sale deed No. 6245 dated 1-3-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN, IRS,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 15-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th November 1979

Ref. No. ASR/79-80/227.—Whereas 1, M. L. MAHAJAN, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated in village Baserke, Teh. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil in March, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Gopal Singh s/o Udhram Singh r/o Baserke, Tehsil Amritsar.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Swinder Singh, Mohinder Singh s/o Mula Singh r/o Baserke, Tehs Distt. Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 kanals 3 marlas situated in village Baserke Tehsil & Distt. Amritsar as mentioned in the Registered deed No. 6514 dated 16-3-79 of the registering authority, Amritsar Tehsil.

M. L. MAHAJAN, IRS.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 30-11-79.

Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri Kiron Kumar Chowdhury, 25F, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th September 1979

Ref. No. Ac-34/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42 situated at Becharam Chatterjee Road, Behala, Calcutta

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. Sub-Registrar of Alipore at Behala on 24-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Benode Behari Das Batanagar, (Colony No. 1), Batanagar, Maheshtala, 24-Pargns,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the date of publication the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3-cottahs, 4-chittaks & 38-sq. ft. together with building being premises No. 42, Becharam Chatterjee Road, Behala.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
28—386GT/79

Date : 4-9-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Mitra &amp; Ghosh, 10 Shyama Charan De Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mitra &amp; Ghosh Publisher Pvt. Ltd. 10, Shyama Charan De Street, Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 591/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 65 situated at Keshab Chandra Sen Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that piece and parcel of land measuring four cottahs eleven Chittacks and twenty-seven sq. ft. together with a building situated at 65 Keshab Chandra Sen Street, Calcutta registered under deed No. I-1662 of 1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VASKAR SEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-9-1979.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Madan Chand Dutt  
(Transferor)

(2) Shri Tarun Kapur minor, represented by his father & natural guardian Man Mahan Lal Kapur.  
(Transferee)

(3) Shri Man Mahanlal Kapur along with minor son Tarun Kapur.  
(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 25th September 1979

Ref. No. Sl.506/TR-526/C-487/Cal-1/78-79.—Whereas, I  
I. V. S. JUNEJA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 207 situated at Mahatma Gandhi Road, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Calcutta on 11-3-79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided  $\frac{1}{2}$  share in the three storied building together with  
land measuring 3 cottahs deed No. I-1138 dated 11-3-79.

## THE SCHEDULE

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 25-9-79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Sri Pradyut Kr. Ghosh, (2) Sri Bhaskar Ghosh, & (3)  
Sri Himachal Ghosh, all of 703A, Block-P, New Alipore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Ranjit Chatterjee, 62, Lake Place, Calcutta-29.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 26th September 1979

Ref. Ac-37/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 703A, situated at Block-P, New Alipore P.S. New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore on 30-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent value of the property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece of land measuring 2.92-cottahs and a 2 storeyed building at 703A, Block-P, New Alipore, Calcutta-53.

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 26-9-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) The Utkal Watch and Radio Stores (P) Ltd.  
(Transferor)

(2) Sri Hari Sankar Ghosh Dastidar.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd October 1979

Ref. No. Sl. 505/TR-17/C-17/Cal-2/79-80.—Whereas, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

96 situated at Dr. Sundari Mohan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 24 Parganas, Alipore on 9-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two storeyed building on land measuring 4 cottahs 9 chit-tack and 29 Sft. bearing premises No. 96, Sundari Mohan Avenue, Calcutta registered before the Registering Authority at 24 Parganas, Alipore under Deed No. I-1241 dt. 9-3-79.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 3-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) C. Mehra &amp; Ors.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ranadhir Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 4th October 1979

Ref. No. SI. 507/TR-545/C-498, Cal-I/78-79. —Whereas, I,

I. V. S. JUNEJA  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-22 situated at C.I.T. Rd., Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat containing an area of 1001 sft. at P-22 C.I.T. Road, Calcutta, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. I-1812 dt. 30-3-1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 4-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1979

Ref. No. 616/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I,  
**VASKAR SEN**  
 being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat B on 11th floor situated at 2 Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M. S. Saloni Ownership Flats Scheme (P) Ltd.  
 6 Harrington Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Ashoke Prokash Guha, Smt. Radha Guha & Sri Arajit Guha All of  
 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property**  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. B on the 11th floor of the building named "Jay Jayanti" situated at 2 Mandeville Gardens, Calcutta together with one car parking space No. 1 on the ground floor.

**VASKAR SEN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Shamsunnissa Begum Katin

(Transferor)

(2) Mr. Akthar Alam

(Transferee)

(3) Md. Ismail

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1979

Ref. No. SI/508/IR-548/C-502/Cal-I/78-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 64-A, (being 2nd floor) situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Entire second floor and roof of 3-storeyed building being premises No. 64-A, Acharya Jagadish Ch. Bose Rd., Cal., measuring floor area 922 situated on land measuring 4K 2 Ch. 15 Sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide deed No. 1502 dt. 17-3-1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 15-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. L. K. Kundu

(Transferor)

(2) Sri Rabindra Kumar Biswas

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV, 54 RAFI AHMED KODWAI  
ROAD CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th October 1979

Ref. No. AC-73/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing J.L. No. 36, Ward No. 44A Dag No. 398 situated at Mouza Khaja Anwar Ber, Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Burdwan on 5-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.47 acres with building situated at Mouza Khaja Anwar Ber, J.L. No. 36, Kh. No. 449, Dag No. 398 more particularly as per deed No. 1704 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 18-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
24—386GI/79

## FORM ITNS

(1) M/s. Ashoke Transport

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th October 1979

Ref. No. AC-74/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, h  
S. K. DASGUPTA  
being the Competent Authority under Section 269-B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.  
Plot No. 8486 situated at Mouza and P.S. Siliguri, J.L. No. 110, Ward No. III, Kh. No. 2395  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Siliguri on 24-3-1979  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.063 acres situated at P.S. & Mouza Siliguri Kh. No. 2395, J.L. No. 110, Ward No. III, Plot No. 8486, more particularly as per deed No. 2006 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 18-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shyam Kumar Gattani

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Kumar Gattani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-IV,  
 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th October 1979

Ref. No. AC-75/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I,  
 S. K. DASGUPTA  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. No. 1481 situated at P.O. & P.S. Siliguri, Distt. Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siliguri on 29-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .04 acres situated at Pargana Baikunthapur, P.S., Mouza & P.O. Siliguri, Dist. Darjeeling, Kh. No. 1481, C.S. Plot No. 2949, J.L. No. 110, Holding No. 115, more particularly as per deed No. 2172 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-IV,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Date : 18-10-1979

Seal :

## FORM ITND

(1) M/s. Ashoke Transport of India

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV,

54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th October 1979

Ref. No. AC-76/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I,  
 S. K. DASGUPTA  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
 to as the 'Said Act'), have reason to believe that the  
 immovable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 2395 situated at Mouza & P.S. Siliguri, Dist.  
 Darjeeling

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 at Siliguri on 23-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of—

(2) Shri Ram Chandra Aggarwal,  
 Shri Dhanraj Agarwal &  
 Shri Ram Niwas Agarwal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act,  
 in respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.063 acres  
 situated at Mouza & P.S. Siliguri, Dist. Darjeeling, J.L. No.  
 110, Ward No. III, Kh. No. 2395, Plot No. 8486, more particularly as per deed No. 1950 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-IV,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
 Calcutta-16.

Date : 18-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

## FORM ITN

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th October 1979

Ref. No. AC-80/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I,

S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag. No. 228 situated at Railpukur Road, Deshbandhu Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 14-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ganga Narayan Ghosh,  
Shri Satya Narayan Ghosh  
Smt. Bhakti Ghosh &  
Smt. Sumitra Roy Burman.

(Transferors)

(2) Shri Sachindra Nath Roy  
Shri Prodip Kumar Roy

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10 cottahs 4 chittaks 14 sft. with building situated Mozua Jyangra, Kh. No. 36, Dag No. 288 J.L. No. 16, Touzi No. 3027, P.S. Rajarhat, Dist. 24-Pgs. more particularly as per deed No. 1437 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 18-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

## FORM ITNS

(1) Shri Satyanarayan Agarwalla

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kr. Agarwalla.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Calcutta-16, the 18th October 1979

Ref. No. AC-77/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I,  
S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 2071, 2072, 2058 situated at P.S. &amp; Mouza Siliguri, J.L. No. 88, Ward XVII

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 7-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring .87 acres situated at Pargana Baikunthapur, Mouza &amp; P.S. Siliguri, Dist. Darjeeling, Kh. No. 2058, 2071, 2072, Dag No. 3244, 3259, 3261, 3262, J.L. No. 88, Ward No. XVII, more particularly as per deed No. 1532 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Ashok Transport of India.

(Transferor)

(2) Shri Tokhram Garg

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16  
Calcutta-16, the 18th October 1979Ref. No. AC-78/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I,  
S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8486 situated at Mouza &amp; P.S. Siliguri, Dist Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 5-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .066 acres situated at Mouza &amp; P.S. Siliguri, Dist. Darjeeling, J.L. No. 110, Ward No. III, Kh. No. 2395, plot No. 8496, more particularly as per deed No. 1457 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Ashok Transport of India.

(Transferor)

(2) 1. Shri Devi Dutt Agarwal,  
2. Shri Malipal Agarwal &  
3. Shri Omprakash Agarwal.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE-IV,  
 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th October 1979

Ref. No. AC-79/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 8486 situated at Mouza and P.S. Siliguri, J.L. No. 110, Ward III, Kh. No. 2395 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siliguri on 3-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .066 acres situated at P.S. & Mouza Siliguri, Kh. No. 2395, J.L. No. 110, Ward III, more particularly as per deed No. 1438 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-IV,  
 54, Rafi Ahmed Kadwai Road,  
 Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 18-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Bina Devi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16  
Calcutta-16, the 18th October 1979

Ref. No. AC-81/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 318 situated at Touzi 19, Pargana Shergarh, P.S. Asansol, Mouza Santa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.08 acres with building situated at Touzi 19, Pargana, Shergarh, P.S. Asansol, Mouza Santa, Dist. Burdwan, more particularly as per deed No. 1493 of 1979.

S. K. DASGUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
30—386GI/79

Date : 18-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Madhusudan Das

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aninda Dey

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 24th October 1979

Ref. No. Sl. 509 TR-539/C-491/Cal-I/18-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3 (being half share) situated at Gokul Boral St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided half share of 3 Gokul Boral St., Calcutta with land measuring 4 Kottahs 5 Chittacks 31 Sft. and structure registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-1277 dt. 7-3-79.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 24-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Madhusudan Das

(Transferor)

(2) Achyutananda Dey

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 24th October 1979

Ref. No. Sl. 520/TR-540 C-490/Cal-1, 78-79.—Whereas, I,

J. V. S. JUNEJA  
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 (being half share) situated at Gokul Boral St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided half share of 3 Gokul Boral St., Calcutta with land measuring 4 kottahs 5 Chittacks 31 Sft. and structure registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-1278 dt. 7-3-79.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jayantilal Gupta &amp; Ors.

(Transferor)

(2) The Indo-Ashahi Glass Co. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 24th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Entire first floor containing an area of 6040 Sft, being premises No. 3, Hungerford St., Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-1392 dt. 12-3-79.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Akash &amp; Ambar Trust.

(Transferor)

(2) Smt. Radha Devi Keshan.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 24th October 1979

Ref. No. SI.512/TR-529/C-483/Cal-1/78-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 (being flat) situated at Park St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One flat containing an area of 2145 Sft. on the 7th floor at 15, Park St., Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-1331 dt 9-3-79.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 24-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Dr. Aboni Bhattacharyya  
Lalbazar, Bankura.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA-I,

(2) Sri Biswanath Jaiswal  
62/D, Bechu Chatterjee Street,  
Calcutta-9,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 16th October 1979

Ref. No. AC-38/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Plot-46, Block-AA, situated at Northern Salt Lake City  
Extension Area, P.S. Dum Dum  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Distt. Registrar, 24-Pgs. Alipore on 8-3-79  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece of land measuring 5.2284 cottahs in plot No.  
46, Block-AA, Sector-I of Northern Salt Lake City within  
P.S. Dum Dum.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai, Road,  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 16-10-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Jyotsna Sen,  
51/B, Block-C, New Alipore, Calcutta.  
(Transferor)

(2) Shri Dilip Kumar Chakraborty,  
6, Bishop Lefroy Road, Calcutta.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 19th October 1979

Ref. No. AC-39, R-II/Cal '79-80.—Whereas, I,

S. K. DASGUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat on 2nd floor situated at Northern Portion of Premises No. 23A/50C, D.H. Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 2-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Incomplete west facing 2nd floor flat on the northern portion of premises No. 23A/50C, Diamond Harbour Road, Calcutta, having covered area of 1456 sq. ft.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-10-1979

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Rajendralal Banerjee  
120/3, Maharaja Nanda Kumar Road,  
(South) Calcutta-36.

(Transferor)

(2) Dr. Amita De  
23/1, Principal Khudiram Bose Road,  
Calcutta-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 29th October 1979

Ref. No. AC-40/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I,  
S. K. DASGUPTA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. 234 situated at Block-B Patipukur Township  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Registrar of Assurances on 23-3-79  
for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-  
tion and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land measuring 4-cottahs, 1-chittak & 1-sq. foot at Patipukur Township of the Government of W-B, being plot No. 234, Block-B, P.S. Dum Dum, P.O. Calcutta-55, Sub-Division Barrackpore, Distt. 24-Prgs.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
act, 1957 (27 of 1957);

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 29-10-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Pravati Pawar

(Transferor)

(2) Mr. Ian Rashid

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd November 1979

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Sl. 513/TR-19/C-19/Cal-2/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4F situated at Tiljala Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore, 24-Pgs. on 2-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Share of land including tank measuring 5K 12CH, 8 Stt 4F Tiljala Rd. as per deed No. I-1094 dt. 2-3-79 registered before the Registering Officer, Alipore, 24-Parganas.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 3-11-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

31—386GI/79

## FORM IINS

(1) Smt. Pravati Pawar

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Md. Sahid Rashid

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 IAC: ACQ. RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd November 1979

Ref. No. SI.514/TR-20/C-20/Cal-2/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4F situated at Tiljala Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Parganas on 12-3-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Share of land including tank measuring 5 K. 12 Ch. 8 Sft. 4F Tiljala Road as per deed No. I-1095 dated 2-3-79 registered before the Registering Officer, Alipore, 24 Parganas.

L. V. S. JUNEJA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 3-11-1979,

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Santi Sen

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Radha Rani Saha

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANTCOMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
IAC : ACQ. RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1979

Ref. No. Sl. 515, TR-80/C-68/Cal-2/79-80.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Dilkhusha St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, Calcutta on 22-3-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided half share in premises No. 13, Dilkhusha St., covering land area of 3K 2Ch. 4 Sft. together with two storeyed building registered before the S.R. Sealdah, Cal. being No. I-301 dt. 22-3-79.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-11-79.

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) S/s Kashinath Dey &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Sri Govind Ram Goenka

(Transferee)

(3) S/s Kashinath Dey &amp; Ors.

(Persons in occupation)

(4) S/s Tarini Charan Dey &amp; Ors.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1979

Ref. No. SI. 517/TR-535/C-492/Cal-1/78-79.—Whereas, I,

I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36 situated at Zakaria Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/6th Undivided share of 3 storied building together with ldn measuring 3k-6ch-24 sft. being premises No. 36, Zakaria Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurance Calcutta being Deed No. I-1376 dated 10-3-79.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1, Calcutta.

Date : 8-11-79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Sri Panchkari Dey  
(Transferor)

(2) Govind Ram Goenka  
(Transferee)

(3) Panchkari Dey  
(Persons in occupation)

(4) Tarini Charan Dey & Ors.  
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1979

Ref. No. SI.518/TR-536/C-494/Cal-1/78-79.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36 situated at Zakeria St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-3-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/6th undivided share of 3 storied building together with land measuring 3K—6Ch—24 Sft. being premises No. 36, Zakeria St., Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta by Deed No. I-1377 dt. 10-3-79.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-11-79.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 5th November 1979

Ref. No. Ac-41/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I S. K. DAS-GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kh. No. 450, Dg No. 729 situated at Mouza Joka, P.S. Behala Dt. 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Registrar, Alipore Calcutta on March, 79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Sri Birendra Kumar Majumdar,  
(2) Smt. Charu Bala Majumdar, and  
(3) Smt. Puspa Majumdar of Joka, P.S. Behala,  
(4) Smt. Basanti Dasi, and  
(5) Sri Manmatha Ranjan Das of Parhi, Daspara Road, Cal-61, P.S. Behala.

(Transferors)

(2) Smt. Mintu Roychowdhury, 2/5, Biren Roy Road, East Calcutta-8, P.S. Behala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece of land measuring 5-cottahs, 1-chittak & 18-sq. ft. with a two storeyed building standing thereon at Touzi No. 4, Mouja Joka, JL No. 21, RS Khatian No. 450, Dag No. 729.

S. K. DAS GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 5-11-79

Seal :

## FORM ITNS—

Tridev Enterprises, 59, Bentinck Street, Calcutta-69.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1979

Ref. No. Ac-42/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 11 situated at 690, Lake Town, A-Block, Cal-55 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance on 19-3-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Mr. Dilip Kumar Roy, Dhaniapara, Barrackpore, 24-Prgns.
- (2) Mr. & Mrs. Mahabir Garg, 1/5, Post Office Road, Cal-28.
- (3) Mrs. Ruby Dutta, 94, Lake Town 'B', Cal-55.
- (4) Mr. Mrinal Kanti Banerjee, 24-C, Rakhal Ghosh Lane, Calcutta-10.
- (5) Mrs. Badal Rani Moitra, 61/2, Bandel Road, Cal-19.
- (6) Mrs. Kamala Srinath, P-134, Lake Town 'B' Cal-55.
- (7) M/s. Eastern Paper Mills, 2, Dakshindari Road, Calcutta-48.
- (8) Mrs. Krishna Roy, 332, Lake Town, Cal-55.
- (9) Mrs. Tara Garg, 1/5, Post Office Road, Calcutta-28, &
- (10) Mrs. Chitrata Roy, 332, Lake Town, Calcutta-55.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Area of the flat 1250-sq. ft. more or less (shop 300-sq. ft. in ground floor, 300-sq. ft. on mezzanine floor and balance of mezzanine floor 650-sq. ft.)

S. K. DASGUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 5-11-79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shri Satya Charan Das

(Transferor)

(2) New Garia Development Co-operative Society Ltd.  
(Transferee)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 13th November, 1979

Ref. No. 624/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 151 situated at Mouza-Chakgaria, P. S. Jadavpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-4-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 52 sataks in Dag No. 151, Mouza-Chakgaria, P.S. Jadavpur as per deed No. 1983 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date : 13-11-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

Sri Chhatar Singh Kathoria.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Ananda Kr. Mallick.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 26th November 1979

Ref. 625/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7H, situated at Cornfield Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
32—386GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. A on 2nd floor of the building including car parking space situated at 7H, Cornfield Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range IV,  
Calcutta

Date : 26-11-1979.  
Seal

## FORM ITNS

1. Sri Chhatar Singh Kathoria.

(Transferor)

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 26th November 1979

Ref. 626/Acq R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7H, situated at Cornfield Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. C on 5th floor of the building situated at 7H, Cornfield Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV,  
Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

Sri Chhatar Singh Kathoria.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Ashis Kumar Sanyal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 26th November 1979

Ref. 627/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. 7H, situated at Cornfield Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. A on 1st floor of the building situated at 7H, Cornfield Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV,  
Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-11-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

Sri Chhatar Singh Kathoria.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Jayanta Kumar Bhadra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 26th November 1979

Ref. 628/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. R. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7H, situated at Cornfield Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. B on the 2nd floor of the building situated at 7H, Cornfield Road, Calcutta.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. V. S. JUNEJA,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range IV,  
 Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 26-11-1979.  
 Seal :

FORM ITNS

Sri Chhatar Singh Kathoria.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Chanchal Kumar Das

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Calcutta, the 26th November 1979

Ref. 229/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 7H, situated at Cornfield Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. A on 3rd floor of the building situated at 7H, Cornfield Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range IV,  
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-11-1979.

Seal :

## FORM ITNS

1. Sri Chhatar Singh Kathoria.

(Transferor)

2. Probhakar Krishna Ogale.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE IV. CALCUTTA

Calcutta, the 26th November 1979

Ref. 630/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7H, situated at Cornfield Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-3-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. 6 on 3rd floor of the building including car parking space situated at 7H, Cornfield Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, IV  
Calcutta.

Date : 26-11-1979,  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Khorshedbanoo Bracha Malborwalla.  
(Transferor)(2) Shri Rayicka Gulam Abbas Bahrainwala.  
(Transferee)

## (3) Names of Tenants :—

1. Messrs. Noormohamed Cassam Khatri Bros.
2. Shri P. N. Daswani
3. Messrs. Canseway Chemists
4. Dr. D. P. Kapadia
5. Shri M. S. Mania
6. Shri D. P. Guzdar
7. Shri Rajan Mehra
8. Mrs. K. B. Singh
9. Dr. D. M. Basa
10. Mr. & Mrs. Dara B. Contractor
11. Shri Ismail G. Fatehi
12. Shri M. T. Mathheswala
13. Smt. Gouri Papachand
14. Shri Gobindram Purushram
15. Shri D. P. Guzdar
16. Asmabai A. Raja
17. Shri P. M. Chavan
18. Mr. & Mrs. M. D. Davar
19. Self occupied by purchaser
20. Smt. Isaac Andrews
21. Smt. Savitabai M. Dhumal
22. Shri M. S. Nania
23. Abdulrehman Peermohamed
24. Nazarali Sherli.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2594/77 Bombay and as registered on 22-5-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

V. S. SESHADRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-12-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Shirin Ardesir Irani.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(2) Shri Sahil Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

(4) Shri Yazdan Construction Company.  
(Person whom the undersigned  
knows to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bombay, the 24th September 1979

Ref. No. ARII/2774-I/April 1979.—Whereas, I,  
P. L. RANGOOTA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.  
Survey No. 52, Hisa No. 15 CTS No. 490 situated at Vile  
Parle  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Bombay on 6-4-79  
document No. 1917/78

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XVA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed on S-1917/78 Bom. and Registered on 6-4-79 with the Sub Registrar Bombay.

P. L. ROONGTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 24-9-79

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri B. Kartik Prasad

(Transferor)

(2) 1. Shri Prafulla Chandra Rath

2. Shri Dilip Kumar Das, Datatota, Puri

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
FOREST PARK, BHUBANESWAR, ORISSA

Bhubaneswar, the 28th November 1979

Ref. No. 84/79-80/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, B. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Deed No. 863 situated at Chakratirth Road, Puri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Puri on 2-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

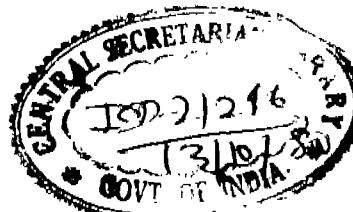
Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.



## THE SCHEDULE

The land with building located at sea-side at Puri which is known as "Barendradham" at Chakratirth Road, Puri Town under the jurisdiction of Sub-Registrar Puri and registered by sale document No. 863 dated 2-3-79 in Mouza-Balukhanda, having Plot No. 1134 and 1135.

B. MISRA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 28-11-1979

Seal :

